सत्यमेव जयते

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

Y20

भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

2022–23

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय–सूची

संगठन i-vi

युवा कार्यक्रम विभाग

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	13
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	14
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	16
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	18
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	34
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	35
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	49
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	59
9.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	61
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	64
11.	युवा छात्रावास	65
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	66

विषय–सूची

खेल विभाग

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
1.	खेल विभाग का परिचय	79
2.	वित्त वर्ष 22–23 में खेल में महत्वपूर्ण कार्यक्रम	82
3.	खेलो इंडिया	84
4.	खिलाडियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएँ	96
5.	खेल विभाग के प्रमुख संस्थान	104
6.	खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की योजनाएँ	140
7.	खेलों में समावेशिता	144
8.	2022–23 के दौरान खेलों में अन्य प्रमुख कार्यक्रम	147
9.	अनुबंध	151

विषय–सूची

अनुबंध

क्र.सं.	अनुबंध	पृष्ठ संख्या
I.	संगठन चार्ट	149
II.	वित्तीय परिव्यय	151
III.	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण	153
IV	देश में युवा छात्रावासों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण	154
V	युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है	155
VI	दिनांक 01.04.2022 से 31.12.202 तक स्वीकृत नवीन परियोजनाओं हेतु 'खेल अधीसंरचना निर्माण एवं उन्नयन' के अन्तर्गत स्वीकृत एवं जारी अनुदान का विवरण	156
VII	दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 की अवधि के दौरान खेलो इण्डिया योजना के घटकों के तहत जारी अनुदान का विवरण	160
VIII	01.04.2021 से 31.03.2022 की अवधि के लिए एनएसएफ योजना के तहत राष्ट्रीय खेलसंघ (NSFs) के संबंध में किए गए व्यय का ब्यौरा दर्शाने वाल विवरण	161

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, श्री अनुराग सिंह ठाकुर और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री, श्री निसित प्रमाणिक के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

अप्रैल, 2008 में, मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.12.2021 को मंत्रालय में संयुक्त सचिवों के 4 स्वीकृत पदों में से, एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और दो संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं।

31.12.2022 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्वीकृत संख्या 214 थी, जबकि पद पर आसीन कर्मचारियों की संख्या 160 थी, जिनमें 46 समूह 'क' पद, 65 समूह 'ख' पद (25 राजपत्रित और 40 अराजपत्रित), 49 समूह 'ग' पद शामिल हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट अनुबंध–I में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्य नियतन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभाग अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित विशिष्ट विषय आते हैं:–

क. युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा सगंठन, उन्हें वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन स्कीम के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

ख. खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कारों सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियाँ
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियों, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा।

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात् राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात् नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु हैं, (जिन्हें 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित स्वायत्त संगठन कार्यरत हैं:–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

(iii) राष्ट्रीय डोप–रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयागेशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 62 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 7 अधिकारी अनुसूचित जाति, 2 अधिकारी अनुसूचित जनजाति तथा 8 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं। समूह ''ख'' के पदों में, 8 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से, 2 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 9 अधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में, 7 कार्मिक अनुसूचित जाति श्रेणी से और 3 कार्मिक अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 16 कार्मिक अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं।

बजट आबंटन

2022–23 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 3062.60 करोड़ रूपए है और 2022–23 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 2673.35 करोड़ रू. है। 2023–24 के लिए, बजट आकलन (बीई) 3397.32 करोड़ रूपए है जिसमें राजस्व के लिए 3389.56 करोड़ रू. और पूंजीगत के लिए 7.76 करोड़ रूपए शामिल है। ब्यौरा अनुबंध–ii में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी

प्रयोग को बढावा देने तथा संघ की राजभाषा नीति और इसके तहत बनाए गए राजभाषा नियमों का कार्यान्वयन करने के लिए हिंदी अनुभाग में उप–निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद स्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है और इसकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

इस वर्ष के दौरान 14–29 सितम्बर, 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। दिनांक 31.10.2022 से 04.11.2022 की अवधि के दौरान, 8 हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 46 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से, वर्ष दर वर्ष आधार पर मंत्रालय में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना। सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना के तहत इस वर्ष 4 अधिकारियों/कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त किए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतत्रं प्रभार) की ओर से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी संदेश परिचालित किया गया।

वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप समिति ने मंत्रालय के 08 अधीनस्थ एवं संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया। हिंदी के प्रगामी प्रयोग का आकलन करने के लिए मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा इसके 08 अधीनस्थ और संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया है।

मंत्रालय की अपनी वेबसाइट है जिसे हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी तैयार किया गया है और इसे नियमित रूप से अध्यतन किया जा रहा है।

सतर्कता प्रकोष्ठ

सतर्कता तंत्र ने अप्रैल 2022–दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान मंत्रालय में मुख्य सतर्कता अधिकारी, सचिव (युवा मामले) और सचिव (खेल) के पर्यवेक्षण तथा मार्गदर्शन में मंत्रालय में कार्य किया।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियत्रंण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी सगंठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को सबंद्ध सगंठन के परामर्श से आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान, कई सीडब्ल्यूजी मामले, जो 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे और कई अन्य मामलों को संसाधित/निबटान किया गया।

इस अवधि के दौरान, सीवीसी और अन्य स्रोतों से से कई शिकायतें सतर्कता अनुभाग में प्राप्त हुईं और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार उनमें कार्रवाई की गईं और उचित कार्रवाई के लिए पालन की गयी।

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए, सीवीसी उनमें अनुवर्ती कार्रवाई जागरूकता बढ़ाने के प्रतिबद्ध है और यह भी आशा करता है कि सतर्कता प्रयासों में सार्वजनिक संगठनों द्वारा सकारात्मक योगदान प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय में 31 अक्टूबर, 2022 से 6 नवंबर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जागरूकता सप्ताह–2022 के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गएः–

(i) सप्ताह युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा फिजीकली और वर्चुअलीः दोनों तरह से सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ शुरू हुआ। सचिव (वाईए); मंत्रालय के सीवीओ और अधिकारियों द्वारा प्रतिज्ञा लेते हुए वीडियो इस मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गया।

(ii) निवारक सतर्कता के उपाय के रूप में, इस मत्रांलय के कर्मचारियों को 'क्या करें और क्या न करें' की एक सूची परिचालित की गई।

(iii) जागरूकता पैदा करने के लिए गत वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता पर आधारित रचनात्मक कृतियाँ प्रसारित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परिचालित की गई और बैनर और पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए।

(iv) उपरोक्त के अलावा सर्तकता जागरूकता सप्ताह–2022 के दौरान निम्नलिखित चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईंः–

क. "भ्रष्टाचार मुक्त भारत–विकसित भारत" विषय पर निबंध प्रतियोगिता

ख. ''भ्रष्टाचार कानूनी नहीं बल्कि नैतिक मुद्दा है'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।

ग. ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।

घ. सर्वश्रेष्ठ स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 प्रतियोगिताओं के दौरान कई प्रतिभागियों ने भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य और अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में, मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक आन्तरिक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2022–23 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 1116 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 122 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनसुरण में, मत्रांलय ने अवर सचिव के स्तर पर विषय–वार जन सूचना अधिकारियों को नियुक्त किया है। उक्त अधिनियम के अंतर्गत उप सचिव/निदेशक/संयुक्त सचिव स्तर पर अपील प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट

पर भी डाला जाता है।

उप सचिव (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में नोडल लोक शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। डीएआरपीजी ने सीपीजीआरएएमएस के उन्नत संस्करण अर्थात संस्करण 7.0 को लागू किया है ताकि अंतिम स्तर पर पदस्थापित अधिकारी तक शिकायतों की ऑटो–रूटिंग (स्वचालित प्रवाह) की जा सके। इसलिए संबंधित लोक शिकायत अधिकारियों के पास जन शिकायतें प्राप्त होती हैं। कुछ लोक शिकायतें मंत्रालय के लोक शिकायत सेल में भी प्राप्त होते हैं, जिन्हें लोक शिकायत सेल द्वारा संबंधित लोक शिकायत अधिकारियों को अग्रेषित किया जाता है।

मंत्रालय में दोनों विभागों के लिए नोडल लोक शिकायत अधिकारी अलग–अलग हैं। युवा मामले विभाग के लिए नोडल लोक शिकायत अधिकारी श्री सुंदर सिंह, उप सचिव हैंय और खेल विभाग के लिए नोडल अधिकारी श्री विमल आनंद, निदेशक हैं। मंत्रालय के दोनों विभागों के लिए नोडल अपीलीय प्राधिकारी श्री कुणाल, संयुक्त सचिव, खेल विभाग हैं।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लंबित लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण अनुबंध–iii में दिया गया है।

सत्यमेव जयते

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय – 1

प्रस्तावना

विश्वभर में भारत की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश, कार्य भागीदारी और निर्भरता अनुपात पर इसके प्रभाव के आलोक में, हमारे देश की वृद्धि और विकास के संदर्भ में अवसर की एक आशा है, ऐसा अवसर जिसे समय निकलने से पहले लाभ उठाने की आवश्यकता होगी। यह समावेशी विकास और अन्तर को पाटने की आवश्यकता के संदर्भ में चुनौतियाँ पेश करता है। इस पार क्षेत्र कार्यक्रमों के लिए अपेक्षाओं और युवाओं की सेवाओं को बहु–आयामी तरीके से लेने के लक्षित विविध उपायों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

युवाओं की उपयोगी और रचनात्मक ऊर्जा का बेहतर दोहन करने के लिए, युवा कार्यक्रम विभाग व्यक्तित्व–निर्माण और राष्ट्र–निर्माण के दोहरे उद्देश्यों पर कार्य करता है, अर्थात युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें विभिन्न राष्ट्र–निर्माण गतिविधियों में शामिल करना। विभाग ने ''किशोरों''/को युवाओं के एक महत्वपूर्ण वर्ग के रूप में स्वीकार भी किया है। युवाओं से संबंधित अधिकांश मुद्दे अन्य मंत्रालयों/विभागों के कार्य हैं, जैसे शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आदि। इसके अलावा, राज्य सरकारें और कई अन्य हितधारक भी युवा विकास में सहायता करने गैर–उपयोगी युवा भागीदारी में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं। युवा कार्यक्रम विभाग की भूमिका एक सूत्रधार और उत्प्रेरक एजेंट के रूप में कार्य करना है।

अध्याय – 2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) में भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराया गया है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उपयोगी रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात अंतिम रूप दिया गया। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

परिकल्पना, उद्देश्य और प्राथमिकता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 में भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "परिकल्पना" का प्रस्ताव किया गया है जो "देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना के लिए है।"

इस परिकल्पना को पूरा करने के लिए एनवाईपी–2014 में स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों', जिन पर कार्य करने की जरूरत है, व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'प्राथमिकता क्षेत्र' की पहचान की गई है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत चिन्हित उद्देश्य और प्राथमिकता क्षेत्र निम्नानुसार हैः

	उद्देश्य	प्राथमिकता
1.	ऐसा उपयोगी कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा 2. रोजगार और कौशल विकास 3. उद्यमशीलता
2.	भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली 5. खेल
3.	राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन 7. समुदाय भागीदारी
4.	शासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी 9. युवा भागीदारी
5.	जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और उपेक्षित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन 11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 में सभी 11 चिन्हित प्राथमिकता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश की गई है। यह वर्तमान स्थिति के गहन विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	प्राथमिकता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	• तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण • कौशल विकास और जीवन पर्यन्त शिक्षण का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	• लक्षित युवा सम्पर्क और जागरूकता • तंत्र और हितधारियों के बीच संपर्क बनाना • अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	• लक्षित युवा सम्पर्क कार्यक्रम • क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना • युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना • वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थजीवन शैली	• सेवा प्रदायगी में सुधार करना • स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता • युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	• खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच • युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन • प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	• मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना • युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना • मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभकारी संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	• मौजूदा समुदाय विकास संगठनों को सुदृढ़ करना • सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	राजनीति और शासन में भागीदारी	• राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी • ऐसा शासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके • शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	• युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता का आकलन और निगरानी • युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	• लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण • संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना • दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना • युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	• सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं का उपयोग करना • सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

अध्याय – 3

स्कीमों का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले स्कीमों की स्थितिः

2015–16 तक, विभाग 10 स्कीमों का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः,

क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

ङ) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

च) अंतरराष्ट्रीय सहयोग

छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त स्कीमों में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04.2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी स्कीम केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम हैं। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन स्कीमों में से कुछ स्कीम काफी छोटी योजनाएं की हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम था।

01.04.2016 से स्कीमों का पुनर्गठनः

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की स्कीमों के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्धि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमले और ससांधनों के अधिक प्रभावी उपयागे के लिए स्कीमों को कुछ सुसंगत स्कीमों में पुनर्गठित करने की सलाह दी थी ताकि बेहतर तालमेल हो और ससांधनों का प्रभावी उपयोग हो। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 01.04.2016 से निम्नानुसार 3 स्कीमों में पुनर्गठित/समेकित कर दिया हैः

क्रम. सं.	स्कीमों का नाम (पुनर्गठन से पहले)	स्कीमों का नाम (पुनर्गठन से बाद)
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)	'राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एक नई 'अम्ब्रेला' स्कीम में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	
6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	

9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) को उनके संचालनात्मक ढांचे की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में यथावत रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को 'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन हेतु उन्हें समर्थ बनाया जा सके।

अध्याय – 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। एनवाईकेएस 623 जिलों में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र–निर्माण के कार्यकलापों में शामिल करना है।

एनवाईकेएस के कार्यकलापों के फोकस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवी प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

उद्देश्य

एनवाईकेएस का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण युवाओं को संघटित करना, प्रेरित करना, संगठित करना और गांव–आधारित युवा क्लबों के रूप में लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्र विकसित करने के लिए उनकी क्षमताओं को बढ़ाना, उन्हें उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाना, समानता और स्वैच्छिकता की भावना के साथ सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों की प्रक्रिया में स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय भागीदार के रूप में कार्य करने का दायित्व सौंपना है।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम तथा कार्यकलाप

नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा निष्पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों/कार्यकलापों को मोटे तौर पर निम्न चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

क. एनवाईकेएस द्वारा अपने बजटीय संसाधनों (युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रम

ख. युवा कार्यक्रम विभाग की स्कीम अर्थात् एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम) और एनवाईएलपी (राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम)

ग. युवा विकास और सशक्तिकरण के लिए अन्य मंत्रालयों के सहयोग एवं वित्त–पोषण में आयोजित परियोजनाएँ

घ. अन्य महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम/गतिविधियाँ

कार्यक्रम, जिला एनवाईकेएस से संबद्ध युवा क्लबों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक और विभिन्न विकास विभाग, एजेंसियों, जिला और राज्य स्तर पर चुने गए स्थानीय निकाय और अन्य हितधारकों की सहभागिता और सक्रिय भागीदारी के साथ जिला और राज्य स्तर पर कार्यान्वित किए जाते हैं।

क. एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

ऐसे मुख्य कार्यक्रम हैं जो प्रत्येक वर्ष वार्षिक कार्य योजना के रूप में विकसित किए जात हैं और एनवाईकेएस के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की मंजूरी के बाद इन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। ये युवा कार्यक्रम विभाग के ब्लॉक अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित हैं और देशभर में सभी 623 जिलों में समान हैं, जहाँ एनवाईकेएस की भारत में उपस्थिति है। हालाँकि, किसी जिले में मुख्य कार्यक्रमों की संख्या उसके आकार अर्थात् किसी जिले में ब्लॉक की संख्या पर निर्भर करती है।

जनवरी, 2022 से दिसंबर, 2022 के दौरान एनवाईकेएस द्वारा कार्यान्वित प्रत्येक मुख्य कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

1. आत्मनिर्भर यू वाह भारत – स्किलिंग और हैंडहोल्डिंग

इसका उद्देश्य युवाओं को उनके आर्थिक और व्यक्तिगत कल्याण के अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक सार्थक जीवन जीने के लिए जागरूक करना और प्रेरित करना है, कुशल और अकुशल युवाओं के लिए करियर परामर्श, मार्गदर्शन और युवाओं को संभालने, समन्वय करने के लिए एक इको–सिस्टम बनाकर कौशल निर्माण और प्लेसमेंट के लिए विकास अभिकरणों, उद्योगों, सेवा प्रदाताओं के साथ वृद्धि और विकास को बढ़ावा देना है। एनवाईकेएस ने कार्यक्रम के एक मंच के अंतर्गत विभिन्न उप गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि आत्मनिर्भर भारत स्किलिंग (कौशल निर्माण) और हैंड होल्डिंग (प्रारम्भिक सहायता)। ये हैं:

क. युवाओं का अभिमुखीकरण

युवा नेताओं को जागरूकता पैदा करने, प्रचारित करने, लोकप्रिय बनाने और युवा स्वैच्छिक सेवकों और लोगों को आत्म निर्भर भारत कार्यक्रम से लाभ प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करने के लिए उन्मुख करना। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जो ब्लॉक स्तर पर युवा मंडलों के सदस्यों और युवा स्वैच्छिक सेवकों के 80 युवाओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। इस अवधि के दौरान कुल 1.35 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 1277 गतिविधियाँ संचालित की गईं।

ख. व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम और सुविधा अभियान

इसका उद्देश्य युवाओं और लोगों को आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम से लाभ प्राप्त करने के लिए जागरूकता पैदा करना, प्रचार करना, लोकप्रिय बनाना और सुविधा प्रदान करना है। इस अभियान की अवधि 5 दिनों की है और प्रति अभियान 2500 युवाओं की भागीदारी के साथ गांव/ब्लॉक में आयोजित की जाती है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कुल 3.04 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 2342 गतिविधियों का संचालन किया गया।

ग. बुनियादी व्यवसायों में शिक्षा

इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बुनियादी व्यावसायिक कौशल को बढ़ाना है और उन्हें समाज में अपने आत्म–सम्मान को बढ़ाने में सक्षम बनाना है। इसके अलावा, इसका उद्देश्य युवाओं को अपने स्वयं के रोजगार या आय सृजन कार्यक्रम को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। इस कार्यक्रम की अवधि तीन महीने की है और प्रत्येक कार्यक्रम में 25 युवाओं की भागीदारी के साथ गांवों के समूह में आयोजित किया जाता है। इस अवधि के दौरान कुल 28,275 युवाओं की भागीदारी के साथ 1071 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

घ. डिजिटल सुविधा

इसका उद्देश्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने में डिजिटल फॉर्म भरने के लिए सीखने की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और युवाओं को खुद को और दूसरों को बैंक मित्र के रूप में शामिल करने के लिए जागरूक और शिक्षित करना है। कार्यक्रम प्रति कार्यक्रम 100 युवाओं की भागीदारी के साथ ग्राम/ब्लॉक स्तर पर आयोजित किया जाता है। इस अवधि के दौरान कुल 2.82 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 1019 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

ङ. कैरियर मार्गदर्शन, कैरियर परामर्श और कैरियर मेला

इसका उद्देश्य विभिन्न करियर विकल्पों पर युवाओं को जानकारी और ज्ञान प्रदान करना है, और उन्हें वर्तमान नौकरी क्षेत्र में उपलब्ध नवीनतम और अधिक शानदार करियर के अवसरों के बारे में बताना है। यह जिला स्तर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक जिले में 300 प्रतिभागियों की भागीदारी होती है।

2. यूथ क्लब्स को खेल सामग्रीः

इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति और खेल कौशल को प्रोत्साहित करना और इसे जीवन के एक तरीके के रूप में अपनाना है। इस अवधि के दौरान, 11,263 एनवाईकेएस युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान की गई है।

3. जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और ग्रामीण युवाओं के बीच खेल संस्कृति और खेल कौशल को बढ़ावा देने के लिए खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है। जिला स्तर पर 376 खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 83,276 युवा शामिल हुए।

4. ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

इसका उद्देश्य एनवाईकेएस से संबद्ध युवा क्लबों के बीच ग्रामीण खेलों और खेलों को लोकप्रिय बनाना और प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, यह ग्रामीण भारत में एक प्राकृतिक प्रक्रिया और जीवन के तरीके के रूप में खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। ब्लॉक स्तर पर 3220 खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 4.31 लाख युवा शामिल हुए।

5. कला एवं संस्कृति का जिला स्तरीय प्रचार–प्रसार

इसका उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को अपनी लोक और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का अवसर और मंच प्रदान करना और उन्हें प्रदर्शित करने, संरक्षित करने और बढ़ावा देने में सुविधा प्रदान करना है। यह जिला स्तर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 120 युवाओं को अपनी लोक कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान ऐसे 349 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 86,178 युवा नेताओं ने भाग लिया।

6. स्वच्छ ग्राम – हरित ग्राम पर युवाओं का प्रशिक्षण

इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता, हरियाली और प्लास्टिक सामग्री के गैर–उपयोग की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और प्रेरित करना है, गांवों और आसपास को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त और गंदगी मुक्त बनाने के लिए चुनौतियों और बाधाओं को दूर करना है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल 1.25 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 236 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

7. जल जागरण अभियान पर युवाओं का प्रशिक्षण

इसका उद्देश्य जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, अपव्यय को कम करने और पानी के पुनः उपयोग पर युवा नेताओं को जागरूक और शिक्षित करना है। यह एक दिन का कार्यक्रम है जो ब्लॉक स्तर पर प्रति कार्यक्रम 50 युवाओं की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कुल 57,380 युवाओं की भागीदारी के साथ 767 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8. यूथ क्लब विकास कार्यक्रम – कार्य योजना का निर्माण

समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करना, नए युवा क्लबों का गठन करना और नए सदस्यों का नामांकन करना है। यह एक दिन का कार्यक्रम है जिसमें संबद्ध युवा मंडलों के 80 युवा शामिल हैं। युवा नेताओं की क्षमता का विस्तार आसपास के गांवों में नए युवा क्लब बनाने, नए सदस्यों को नामांकित करने और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करने के लिए किया जाता है। प्रतिवेदन अवधि के दौरान ऐसे 2,024 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 12.90 लाख युवा नेताओं ने भाग लिया।

9. जिला युवा अधिवेशन

युवा नेताओं को चर्चा करने, व्यक्त करने, अनुभव साझा करने और युवा विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का सुझाव देने का अवसर प्रदान करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें इतनी ही संख्या में यूथ क्लबों के कम से कम 100 युवा शामिल होते हैं। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान ऐसे 325 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 50,223 युवा नेताओं ने भाग लिया।

10. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास (टुगेदर वी ग्रो, टुगेदर वी प्रोस्पर, टुगेदर वी ट्राई, टुगेदर वी बिल्ड ए स्ट्रॉन्ग एंड इनक्लूसिव इंडिया)

की थीम के साथ 'देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण' पर राष्ट्रव्यापी उद्घोषणा प्रतियोगिता। इसका उद्देश्य युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की दिशा में भाग लेने और योगदान करने का अवसर प्रदान करना है और देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में उनकी रुचि को विकसित करने के लिए युवाओं की सतत लामबंदी करना है। प्रखंड, जिला व राज्य स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, तथा जिला व राज्य स्तर पर विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए। प्रतिवेदन अवधि के दौरान, 1,230 युवाओं की भागीदारी के साथ 81 भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

11. सघन स्वैच्छिक सेवक नामांकन कार्यक्रम

इसका उद्देश्य प्रत्येक जिले में व्यक्तिगत क्षमता में स्वैच्छिक सेवकों को नामांकित करना है। कार्यक्रम पूरे वर्ष आयोजित किया जाता है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, 545 जिलों में 6,233 बैठकें आयोजित की गईं जिनमें कुल 4.04 लाख स्वैच्छिक सेवक नामांकित थे।

12. सेवा–स्वैच्छिक कार्य के माध्यम से सेवा और सशक्तिकरण

इसका उद्देश्य अधिकतम पहुंच और प्रचार सुनिश्चित करके जिला नेहरू युवा केंद्र द्वारा शुरू की गई प्रति माह कम से कम एक गतिविधि के माध्यम से स्वयंसेवा की भावना का प्रदर्शन करना है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने 1.84 लाख स्वैच्छिक सेवकों की भागीदारी के साथ 502 कार्यक्रम आयोजित किए।

13. नागरिक जागरूकता कार्यक्रम

एनवाईकेएस ने अपनी वार्षिक कार्य योजना–2022–23 कोर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में देश भर के सभी एनवाईके जिलों में 26 नवंबर, 2022 को एक दिवसीय संवैधानिक जागरूकता कार्यक्रम – अपने संविधान को जानें – नागरिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके भाग के रूप में, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रस्तावना, नीति–निर्देशक सिद्धांतों और परस्पर प्रश्नोत्तरी और चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित करके जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। कुल 1.10 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 592 जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए।

14. जिला स्तरीय युवा उत्सव–युवा संवाद/2047

इसका उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के दौरान भारत के स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों का प्रचार–प्रसार करना है, तथा जनता के बीच विविध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में प्रशंसा पैदा करना है। प्रत्येक घटक के तहत जिले से राज्य और राज्य से राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति सुनिश्चित करने के लिए एक समान प्रारूप के साथ जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

प्रत्येक युवा उत्सव में छह घटक होते हैं, युवा कलाकार शिविर – पेंटिंग, युवा लेखक शिविर – कविता, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, सांस्कृतिक उत्सव – समूह कार्यक्रम और युवा संवाद–इंडिया/2047। युवा

उत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में 1.31 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ एनवाईकेएस द्वारा 437 जिला युवा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

15. स्वच्छता अभियान

कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, लोगों को जुटाना और स्वच्छ भारत पहल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है जो पैमाने और पहुंच दोनों के मामले में अद्वितीय था। गतिविधियों में सार्वजनिक स्थानों की सफाई, पॉलिथीन बैग और प्लास्टिक सामग्री आदि का संग्रह शामिल था। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एनवाईके ने 4.12 लाख युवा स्वैच्छिक सेवकों की भागीदारी के साथ 596 कार्यक्रम आयोजित किए।

16. श्रमदान शिविर

ठोस परिणामों के लिए स्वैच्छिक भावना को प्रेरित करने की दृष्टि से, एनवाईकेएस द्वारा कार्य शिविर आयोजित किए गए, ताकि आम लोगों और समुदाय के लाभ के लिए सामुदायिक संपदाओं का निर्माण किया जा सके। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने देश भर में 3,625 युवा स्वैच्छिक सेवकों की भागीदारी के साथ 54 कार्यक्रम आयोजित किए।

17. स्थानीय विषय आधारित कार्यशालाएँ

कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं की पहचान करना है और तदनुसार उन्हें संबोधित करने के लिए कार्य बिंदुओं का सुझाव देना है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने 413 युवाओं की भागीदारी के साथ 8 स्थानीय विषय आधारित कार्यशालाओं का आयोजन किया।

18. युवा नेतृत्व और सामुदायिक विकास में प्रशिक्षण

कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को एक साथ आने, अपने अनुभव साझा करने, विचारों का आदान–प्रदान करने और मिशन मोड दृष्टिकोण के साथ सामुदायिक कल्याण और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों को करने का अवसर प्रदान करना है। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने देश भर में 6,984 युवाओं की भागीदारी के साथ 111 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

19. कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रासंगिक कैरियर को आगे बढ़ाने के बारे में युवाओं को स्पष्ट निर्देश और आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। दिसंबर 2022 के महीने के दौरान, एनवाईकेएस ने 919 युवाओं की भागीदारी के साथ 7 कैरियर मार्गदर्शन कार्यशालाओं का आयोजन किया।

20. कौशल आधारित उद्यमिता कार्यक्रम

कार्यक्रम का उद्देश्य युवा महिलाओं और पुरुषों को अन्य अभिकरणों से उच्च स्तर के कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए हैंडहोल्डिंग (प्रारम्भिक समर्थन) के बारे में जागरूक करने पर जोर देना है ताकि वे अपनी आजीविका के लिए आय पैदा करने वाली इकाइयों की स्थापना करके वे धीरे–धीरे सार्थक रूप से नियोजित या स्व–नियोजित बन सकें। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने 8052 युवाओं की भागीदारी के साथ 274 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए।

21. एनवाईकेएस की आपदा जोखिम न्यूनीकरण समूहों की स्थापना

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने ष्प्रथम मोचनकर्ताओंष के रूप में कार्य करने के लिए युवा स्वैच्छिक सेवकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण में 06 दिनों का अनुकूलित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य पहले उत्तरदाताओं के रूप में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए एनवाईकेएस स्वैच्छिक सेवकों के संगठित और संरचित जुड़ाव के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना है, सामुदायिक जागरूकता और तैयारी के लिए सामान्य समय के दौरान मंच प्रदान करना और प्रशिक्षित स्वैच्छिक सेवकों को शामिल करना और प्रशिक्षित डीआरटी (आपदा मोचन बल) पर रेडी कॉल/तैनाती के लिए व्यापक डेटा बेस बनाए रखना है। वित्त वर्ष 2022–23

में 14 राज्यों के 17 जोखिम प्रवण जिलों से कुल 4110 स्वैच्छिक सेवकों को प्रशिक्षित किए जाने की उम्मीद है। एनडीआरएफ की 10 विभिन्न बटालियनों में दिसंबर 2022 तक 12 राज्यों के 15 जिलों के कुल 1942 स्वैच्छिक सेवकों को प्रशिक्षित किया गया है।

ख. देशभर में अन्य युवा विकास और अधिकारिता के लिए अन्य मंत्रालयों के साथ परियोजनाएँ सहयोग और उनमें वित्त पोषण

अपने मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, एनवाईकेएस अन्य क्षेत्रों में कार्यक्रमों और गतिविधियों के संचालन में और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जैसा कि विभिन्न अवसरों पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने निर्देश दिए गए हैं और साथ ही पीएमओ, नीति आयोग और अन्य मंत्रालय द्वारा निर्देशित किया गया है।

अनुवर्ती उपायों के रूप में, एनवाईकेएस न केवल दिए गए कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और कार्यान्वित करने में सफल रहा है बल्कि यह गुणवत्तापूर्ण परिणाम और दृश्यता हासिल करने में भी सफल रहा है। परिणामस्वरूप, एनवाईकेएस के पास सीमित संसाधनों और सीमित बजट होने के बावजूद इसकी विभिन्न सहयोगी परियोजनाओं/गतिविधियों में सभी वर्गों व क्षेत्रों से युवाओं की भागीदारी में काफी वृद्धि हुई है।

उपरोक्त संदर्भ में, निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्र हैं जहाँ एनवाईकेएस ने प्रयास किया है और काफी प्रभाव डाला है:

1. कैच द रेन प्रोजेक्ट

इस परियोजना का उद्देश्य युवा नेताओं और स्वयंसेवकों, परिवारों और ग्राम समुदायों को जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की आवष्यकता के बारे में जागरूक और शिक्षित करना है और लोगों को अभ्यास करने के लिए शिक्षित करने के लिए युवाओं को प्रमुख भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाना है। परियोजना की प्रमुख गतिविधियों में एनवाईकेएस के अधिकारियों का सवेंदीकरण, राष्ट्रीय स्तर पर लॉन्चिंग, जिला स्तरीय लॉन्चिंग, जल संरक्षण पर शपथ, युवा नेताओं और स्वयंसेवकों का अनुकूलन और प्रेरण, जल संरक्षण हेतु सहभागिता के लिए समर्थन और पर्यावरण संवर्धन, जागरूकता और शिक्षा, समुदाय संघटन और प्रेरण, जल वार्ता और संवाद, ज्ञान प्रतिस्पर्धा और स्वैच्छिक आधार पर सामुदायिक कार्य शिविर शामिल है।

परियोजना के अंतर्गत, प्रमुख निर्दिष्ट गतिविधियों के संबंध में उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

- जल संरक्षण पर शपथ ग्रहण की 39,182 गतिविधियों का आयोजन 10.86 लाख एनवाईकेएस युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा मंडलों के सदस्यों, समुदायों और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ किया गया।
- 42.72 लाख जनमत नेताओं, ग्राम प्रवक्ताओं, पीआरआई के सदस्यों, सेवा प्रदाताओं, युवाओं, एनवाईवी और अन्य की भागीदारी के साथ जल संरक्षण की भागीदारी और पर्यावरण निर्माण हेतु पक्ष–समर्थन कार्यों के लिए 1.44 लाख गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 15.27 लाख राष्ट्रीय युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा नेताओं, पीआरआई और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ नुक्कड़ नाटक, पदयात्राएं/प्रभात फेरियाँ और रैलियों जैसे थीम आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता और शिक्षा की 45,862 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- 66.22 लाख परिवार के सदस्यों/किसानों/पीआरआई के सदस्यों और अन्य को संगठित करने और प्रेरित करने के लिए सामुदायिक एकजुटता और प्रेरणा की 17.27 लाख गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- जल संवाद/जल चौपाल पर 22,209 गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें 5.17 लाख राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया।
- 7.83 लाख युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग और स्लोगन राइटिंग जैसी ज्ञान आधारित प्रतियोगिताओं की 29,804 गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 7.32 लाख एनवाईकेएस अधिकारियों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा स्वैच्छिक सेवकों और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ स्वैच्छिक आधार पर सामुदायिक कार्य शिविरों की 20,996 गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

''कैच द रेन प्रोजेक्ट'' के दूसरे चरण के तहत नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) द्वारा विभिन्न निर्दिष्ट गतिविधियों के माध्यम से कुल 1.55 करोड़ नागरिकों तक पहुंचा गया/शामिल किया गया।

2. जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम

यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय, भारत सरकार के एलडब्ल्यूई प्रभाग के सहयोग और वित्तीय सहायता से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में वामपंथी उग्रवाद के जनजातीय युवाओं को संवेदनशील बनाना और उन्हें विविधता में एकता की अवधारणा को समझाने में सक्षम बनाना है, देश के विभिन्न हिस्सों में विकास गतिविधियों और तकनीकी/औद्योगिक उन्नति की उन्हें जानकारी देना और मुख्य जीवन कौशल की समझ, उनके कौशल विकास की जरूरतों की पहचान करने की समझ को बढ़ाकर और उन्हें आवश्यक करियर परामर्श प्रदान करके उनके व्यक्तित्व का विकास करना है।

इस कार्यक्रम में, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा राज्यों के 31 एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों से अर्थात् बालाघाट (मध्य प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना), लुधियाना (पंजाब), गुरुग्राम (हरियाणा), जम्मू (जम्मू, कश्मीर और लद्दाख), बैंगलोर (कर्नाटक), चेन्नई (तमिलनाडु), मुंबई (महाराष्ट्र), तिरुवनंतपुरम (केरल), भुवनेश्वर (ओडिशा), देहरादून (उत्तराखंड), अहमदाबाद (गुजरात), मध्य दिल्ली (दिल्ली), बैंगलोर (कर्नाटक) और भोपाल (मध्य प्रदेश) में 14 स्थानों पर 3045 आदिवासी युवाओं (टीम लीडर सहित) की भागीदारी के साथ 20 टीम नेताओं के साथ 18–22 वर्ष के आयु वर्ग के 200 युवाओं को आमंत्रित किया गया था।

3. नमामि गंगे में युवाओं का समावेश

परियोजना ''नमामि गंगे में युवाओं का समावेश'' राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा मामले, युवा मामले और खेल मंत्रालय, गंगा नदी के संरक्षण और कायाकल्प हेतु ''नमामि गंगे'' के प्रमुख कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए जल संसाधन विभाग का एक सहयोगी प्रयास है।

जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक, नेहरू युवा केंद्र संगठन, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड द्वारा ''नमामि गंगे कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी'' परियोजना के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं। गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

क. क्षमता और पर्यावरण निर्माण गतिविधियाँ

- **क्षेत्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रमः**— क्षेत्रीय स्तर के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये
- **जिला स्तरीय स्पीयरहेड टीम प्रशिक्षणः**— 51 जिला स्तरीय स्पीयरहेड टीम प्रशिक्षण आयोजित किए गए
- **गंगा दूतों का क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षणः**— गंगादूतों का 877 क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित
- **जिला अधिवेशनः**— 45 जिला अधिवेशनों का आयोजन

ख. ग्राम स्तरीय गतिविधियाँ

- **पौधारोपणः**— 37426 पौधे रोपे गए
- **जागरूकता कार्यक्रमः**— 41134 जागरूकता कार्यक्रम गतिविधियों का आयोजन,
- **स्वच्छता अभियानः**— 22553 स्वच्छता अभियान चलाए गए।
- **द्वार से द्वार जागरूकता गतिविधियाँः**— 13318 द्वार से द्वार अवेयरनेस गतिविधियां की गईं
- **खुले में शौच मुक्त गांवों पर जागरूकता गतिविधियाँः**— 16355 खुले में शौच मुक्त गांवों पर जागरूकता गतिविधियाँ की गईं

इस अवधि के दौरान अन्य विशेष गतिविधियाँ भी की गईं:—

- **मकर सक्रांतिः** 13129 लोगों ने गंगा नदी, उसकी सहायक नदियों के किनारे और घर पर सूर्यनमस्कार किया। 2624 युवाओं व अन्य लोगों द्वारा 100 सफाई अभियान चलाए गए, गंगा को स्वच्छ रखने के लिए 370 जागरूकता अभियान चलाए गए, जिसमें 14389 लोगों को जागरूक किया गया. कोविड—19 पर जागरूकता पैदा करने के लिए 164 गतिविधियां भी आयोजित की गईं जिनमें 19175 व्यक्ति शामिल थे।
- **गंगा स्वच्छता पखवाड़ाः**— 1331 युवाओं की भागीदारी से 39 स्वच्छता अभियान चलाए गए।
- **8 मई 2022 को गंगा जयंतीः**— कुल 7803 व्यक्तियों की भागीदारी से पौधारोपण, रैली, शपथ ग्रहण समारोह, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **5 जून 2021 को पर्यावरण दिवसः** एनवाईकेएस ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जैसे कि प्रतिज्ञा के प्रशासन की 265 गतिविधियाँ, 130 ज्ञान प्रतियोगिताएं, 6733 पौधों के रोपण के साथ 466 वृक्षारोपण गतिविधियाँ, व्याख्यान और वृत्तचित्रों के माध्यम से 67 गतिविधियाँ, संगोष्ठी आदि। 20802 व्यक्तियों की भागीदारी के साथ 19 नुक्कड़ नाटक गतिविधियाँ और सैंड—आर्ट बनाना, गंगा व्याख्या की यात्रा केंद्र आदि संचालित किए गए।
- **योग दिवस (21 जून 2022):**— कोविड—19 के दिशा—निर्देशों के तहत गंगा नदी के 145 घाटों पर आयोजित गतिविधियों में कुल 55 जिलों के 38,359 व्यक्तियों ने भाग लिया।
- **हर घर तिरंगाः**— 5 गंगा बेसिन राज्यों के 51 जिलों के 224 घाटों और अन्य स्थानों पर कुल 574 ध्वजारोहण गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें कुल 30,918 हितधारक शामिल थे, जिनमें युवा स्वैच्छिक सेवक, टीम के प्रमुख सदस्य, युवा क्लब के सदस्य और गंगा दूत, स्थानीय ग्रामीण आदि ने स्वेच्छा से भाग लिया।

- एनवाईकेएस ने 31 अक्टूबर 2022 को 5 राज्यों के 9 जिलों के 14 स्थानों/घाटों में लंबित मामलों के निपटान पर विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जिसमें विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें कुल 1029 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया और कुल 808 युवा भागीदारी के साथ कचरे का निपटान किया गया।

4. निवेशक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) ने निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण, एनवाईकेएस क्षेत्र के पदाधिकारियों और युवा मंडलों के सदस्यों को निवेशक शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक सहयोगी परियोजना शुरू की है, ताकि शिक्षा जागरूकता और निवेशक के अंतिम मील तक सुरक्षा के संदेश का प्रसार किया जा सके।

परियोजना के एक हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने 12,377 युवा स्वैच्छिक सेवकों की भागीदारी के साथ तीन दिनों की अवधि के साथ 150 ब्लॉक स्तरीय अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रशिक्षण के दौरान संसाधन व्यक्तियों और विशेषज्ञों ने न्यूनतम जोखिम के साथ अपनी मेहनत की कमाई को समय पर कैसे और कहाँ निवेश करना है, इस बारे में अपने बहुमूल्य जानकारी और ज्ञान साझा किया। ये प्रशिक्षित युवा नेता उचित समय पर उपरोक्त पर ग्राम जागरूकता कार्यक्रम शुरू करेंगे।

5. वेबिनार के माध्यम से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की कार्यशालाएँ।

इन वेबिनारों का उद्देश्य आम तौर पर युवाओं और विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं को मानवाधिकारों के बारे में

जागरूक बनाना था, युवा मंडलों को मानवाधिकारों के उल्लंघन और उनके द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए शुरू की जा सकने वाली संभावित गतिविधियों के बारे में सतर्क करना था, और मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ काम कर रहे युवा क्लबों का एक नेटवर्क बनाना जो गरीबों और ग्रामीण जनता के लिए एक सुरक्षात्मक परत होगी।

एनएचआरसी–एनवाईकेएस ने एनवाईकेएस अधिकारियों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, लक्षद्वीप, गुजरात, पंजाब और चंडीगढ़, जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में क्रमशः 11 मई, 2022 और 8 जून 2022 को युवा स्वयंसेवकों के लिए वेबिनार के माध्यम से 02 मानवाधिकार जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया है। जिसमें कुल 395 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

घ. अन्य महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम/गतिविधियाँ:

1. राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव

इसका उद्देश्य जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विचार–विमर्श के माध्यम से युवाओं की आवाज सुनना, उन्हें प्रोत्साहित करना और उन्हें सार्वजनिक मुद्दों से जोड़ना, आम आदमी के दृष्टिकोण को समझना, उनकी राय बनाने में मदद करना और उन्हें स्पष्ट रूप से व्यक्त करना और विजन ऑफ न्यू इंडिया पर उनके विचार प्राप्त करना और उनका दस्तावेज तैयार करना है।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2021–2022 का आयोजन ''नए भारत की आवाज बने'' और ''समाधान खोजें और नीति में योगदान दें'' की थीम पर किया गया था।

जिला युवा संसदों का आयोजन 150 जिला स्थानों पर वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया संघ राज्य क्षेत्रों के 701 जिलों (एनवाईके जिले और गैर–जिला एनवाईके दोनों) में 43,350 युवाओं की कुल भागीदारी थी।

कुल 1394 युवाओं की भागीदारी के साथ 29 राज्य युवा संसदों का आयोजन वर्चुअल मोड के माध्यम से किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 10 और 11 मार्च 2022 को संसद के केंद्रीय कक्ष, दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के 82 राज्य स्तरीय विजेताओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी द्वारा 10 मार्च 2022 को किया गया था।

लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने 11 मार्च 2022 को समापन समारोह की शोभा बढ़ाई और दर्शकों को संबोधित किया। श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष, लोकसभा के करकमलों द्वारा पुरस्कार और योग्यता का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। मध्य प्रदेश की सुश्री रागेश्वरी अंजना को प्रथम विजेता के रूप में घोषित किया गया, जबकि राजस्थान के श्री सिद्धार्थ जोशी और सुश्री अमनप्रीत कौर (पंजाब) को दूसरा और तीसरा पुरस्कार विजेता घोषित किया गया।

2. राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी, 2022):

आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में गांव–आधारित युवा क्लबों और अन्य हितधारकों, संस्कृति मंत्रालय और संगठन जैसे श्री रामकृष्ण मिशन और विवेकानंद केंद्रके विभिन्न क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों के समर्थन से एनवाईकेएस ने 12 जनवरी 2022 को देश भर के 623 जिला ने.यु.के. में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई।

उत्सव के एक भाग के रूप में, स्वामी विवेकानंद के जीवन और संदेश पर जागरूकता कार्यक्रम, कबड्डी/खो खो, कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों का लोकप्रियकरण, और जनभागीदारी की भावना के साथ युवाओं की बड़े पैमाने पर

भागीदारी के साथ, प्रतियोगिताओं (निबंध) जैसी विभिन्न गतिविधियाँ प्रश्नोत्तरी, चित्रकला आदि) का आयोजन किया गया।

एनवाईकेएस से संबद्ध गांव–आधारित 40,752 युवा क्लबों के समर्थन और समन्वय के साथ देश के 5,861 ब्लॉकों को शामिल करते हुए लगभग 3.5 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 10,305 गतिविधियाँ आयोजित की गईं। साथ ही, एनवाईकेएस से जुड़े 45.61 लाख युवाओं ने 25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को देखा, जिसे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबोधित किया था।

3. 14 जनवरी 2022 को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सूर्य नमस्कार

एनवाईकेएस ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में मकर संक्रांति के पवित्र त्योहार को चिह्नित करने के लिए 14 जनवरी 2022 को देश भर के 623 जिला एनवाईके में सूर्य नमस्कार करने के लिए युवा स्वैच्छिक सेवकों और युवा क्लबों के सदस्यों और नागरिकों को प्रोत्साहित और प्रेरित किया। इसका उद्देश्य जीवन शक्ति और प्रतिरक्षा में सुधार करना और इस तेजी से चलती और तनाव पैदा करने वाली दुनिया में नागरिकों के मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सहायता प्रदान करना भी था।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने सूर्य नमस्कार के आयोजन की सुविधा प्रदान की जिसमें 8.04 लाख युवाओं और नागरिकों ने 14 जनवरी 2022 को देश भर में सूर्य नमस्कार के आसन किए।

4. पराक्रम दिवस मनानाः 23 जनवरी 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती।

एनवाईकेएस ने 23 जनवरी 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती को देश भर के 623 जिला एनवाईके में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया, जिसका उद्देश्य नेताजी के जीवन और कार्यों और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उनके द्वारा निभाई गई भूमिका का प्रचार करना था।

उत्सव के एक भाग के रूप में, विभिन्न गतिविधियाँ जैसे पराक्रम दिवस का पालन, नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण, नेताजी के जीवन और कार्यों पर फिल्म की स्क्रीनिंग, जीवन, दर्शन और नेताजी के कार्यों पर युवाओं द्वारा व्याख्यान/चर्चा। इसके अलावा ज्ञान आधारित प्रतियोगिताओं (निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, भाषण आदि) का आयोजन किया गया। एनवाईकेएस से संबद्ध कुल 9.1 लाख युवाओं ने देश भर में 26,922 कार्यक्रमों के माध्यम से पराक्रम दिवस समारोह में भाग लिया।

5. शहीदी दिवस 2022 (23 मार्च, 2022)

स्वतंत्रता सेनानियों के कार्यों, जीवन और दर्शन का उत्सव मनाकर युवाओं में कृतज्ञता, गर्व, सम्मान और कर्तव्य की भावना पैदा करने के उद्देश्य से और युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रवाद का निर्माण करने तथा युवाओं को राष्ट्रीय निर्माण गतिविधियों में शामिल करने के उद्देश्य से एनवाईकेएस हर वर्ष 23 मार्च 2022 को शहीदी दिवस मनाता है। भारत के 3 बहादुर क्रांतिकारियों – भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की स्मृति में उपरोक्त कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- एनवाईकेएस के युवाओं के साथ माननीय युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर का वर्चुअल अंतर–संवाद, जिसमें उन्होंने भारत की युवा शक्ति से बलिदान, तपस्या और वीरता के मार्ग पर चलकर शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेने और देश को विकास के पथ पर ले जाने के सक्रिय भागीदार बनने की अपील की।
- 15 स्थानों पर एनवाईकेएस से जुड़े युवा स्वयंसेवकों ने संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।
- अन्य स्थानों पर रक्तदान, रैली, गोष्ठी, ज्ञान आधारित प्रतियोगिताएं (पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, क्विज आदि), व्याख्यान, तिरंगा यात्रा, खेल आयोजन, पड़ोस युवा संसद, जिला युवा सम्मेलन आदि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन मातृभूमि के वीरों को शत शत नमन करने के लिए किया गया।
- 1.39 लाख युवाओं और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ कुल 2137 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

6. चौथा पोषण पखवाड़ा

इसका उद्देश्य पोषण जागरूकता को जनभागीदारी के माध्यम से एक जन आंदोलन में बदलना है, और इस प्रकार समुदाय आधारित गतिविधियों के माध्यम से जनता तक पहुंचना है।

चौथे पोषण पखवाड़ा के एक भाग के रूप में, एनवाईकेएस ने 1.37 लाख युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा मंडलों के सदस्यों और अन्य हितधारकों की भागीदारी के साथ 4,899 जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। एनीमिया के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रभात फेरी/साइकिल रैली, द्वार–से–द्वार व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम, एनीमिया के बारे में जागरूकता का परीक्षण करने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, एनीमिया को रोकने के लिए आयुष आधारित भोजन की

आदतों को बढ़ावा देना, पारंपरिक और क्षेत्रीय पर सेमिनार/वेबिनार जैसी प्रमुख गतिविधियाँ भोजन, पोषण पंचायत और विशेष ग्राम पंचायतों का आयोजन किया गया।

7. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर जयंती

एनवाईकेएस ने 14 अप्रैल, 2022 को देश भर के 623 जिलों में जिला ने.यु.के., युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब सदस्यों के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की 131वीं जयंती मनाई। उत्सव का उद्देश्य सामान्य रूप से नागरिकों और विशेष रूप से युवाओं को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर उनके जीवन व कार्यों के बारे में जानने में सक्षम बनाना तथा समानता के उनके संदेश का प्रसार करना था।

जयंती मनाने के दौरान आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियों में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, रैलियाँ, ज्ञान आधारित प्रतियोगिताएं (प्रश्नोत्तरी, निबंध, भाषण), पोस्टर मेकिंग के माध्यम से जागरूकता, दीवार लेखन, रंगोली, प्रतिज्ञा लेना और वेबिनार आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 2.59 लाख युवा स्वैच्छिक सेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 6,491 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

8. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन

एनवाईकेएस अपने 623 जिला एनवाईके के जरिए, युवा स्वयंसेवकों, यूथ क्लबों के सदस्यों और अन्य हितधारकों के समर्थन एवं सहयोग से हर साल देश भर में पंचायती राज दिवस मनाता है।

इस वर्ष इस मौके पर शामिल मुख्य गतिविधियां थीं– पंचायती राज व्यवस्था पर सेमिनार/सिम्पोजियम, पीआरआई/पूर्व–पीआरआई द्वारा अनुभव साझा करना, अनुभवी पीआरआई सदस्यों को सम्मानित करना, विषय–आधारित ज्ञान प्रतियोगिताएं, गांव/प्रखंड/जिला की बैठक में भाग लेना। युवा स्वयंसेवकों एवं यूथ क्लब के सदस्यों द्वारा पंचायत।

उपरोक्त दिवस को मनाए जाने के एक हिस्से के रूप में, युवा स्वयंसेवकों और यूथ क्लबों के सदस्यों समेत 1.63 लाख नागरिकों की भागीदारी के साथ 10,062 गतिविधियों का आयोजन किया गया।

9. विश्व साइकिल दिवस 2022

शारीरिक तंदुरुस्ती और मजबूती को बढ़ावा देने और कार्बन फुटप्रिंट को घटाने के उद्देश्य से, एनवाईकेएस ने 3 जून 2022 को विश्व साइकिल दिवस मनाया, जिसे केंद्रीय युवा मामलों के मंत्री, माननीय श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, दिल्ली से राष्ट्रीय स्तर पर आरंभ किया गया, जिसके उपलक्ष्य में 750 युवा साइकिल चालकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ 7.5 किमी की साइकिल यात्रा पूरी की गई।

इसके साथ ही, एनवाईकेएस द्वारा 35 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, देश भर के 75 प्रतिष्ठित स्थानों में 'अखिल–भारतीय साइकिल रैलियों' का आयोजन किया गया, जिसमें 1,23,149 साइकिल चालकों ने 8.06 लाख किलोमीटर की दूरी तय की।

10. विश्व पर्यावरण दिवस 2022

5 जून, 2022 को देश भर के 623 जिला एनवाईकेएस में एनवाईकेएस ने विश्व पर्यावरण दिवस 2022 मनाया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करना और सतत विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में लोगों को सक्रिय भागीदार बनाना है। एनवाईकेएस द्वारा आरंभ की गई मुख्य गतिविधियों में शामिल है– पौध–रोपण, विषय आधारित नुक्कड़ नाटक/वन एक्ट प्ले, साइकिल रैलियों के जरिए जागरूकता फैलाना, वॉकेथॉन और घर–घर अभियान, ज्ञान प्रतियोगिता, विषय के विशेषज्ञ द्वारा सेमिनार/लेक्चर्स, स्वच्छता क्रियाकलाप और श्रमदान, बैनर, बैकड्रॉप, फ्लायर्स, पैम्फलेट व अन्य आईईसी सामग्री के प्रदर्शन से जागरुकता फैलाना और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए माहौल बनाना। इसके हिस्से के रूप में, 2.45 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ देश भर में 14,495 गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

11. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

(क) 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एनवाईकेएस ने एकेएम के तत्वावधान में, 21 जून 2022 को पूरे देश में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ "मानवता के लिए योग" विषय के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री माननीय श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुजानपुर स्थित प्रतिष्ठित कटोच किले में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री माननीय श्री निसिथ प्रमाणिक ने हिमाचल प्रदेश में रोहतांग दर्रे में निर्मित अटल सुरंग में समारोह का नेतृत्व किया।

इस कार्यक्रम के दौरान, एनवाईकेएस ने 9.88 लाख युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 947 जिला स्तरीय, 5661 प्रखंड स्तरीय और 23782 ग्राम स्तरी योग कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

(ख) मेगा काउंटडाउन प्रोग्राम– योग महोत्सव और योग महोत्सव 2.0

आइवाईडी 2022 से पूर्व, भारत सरकार ने प्रत्येक मंत्रालय को मेगा योग कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 100 दिनों की उलटी गिनती के दौरान विशिष्ट दिनों को आइवाईडी 2022 के तैयारी कार्यक्रमों के रूप में निर्धारित किया था। इसके अंग के रूप में, 20 जून 2022 को एनवाईकेएस ने कुल 1,73,476 युवाओं और अन्य लोगों की समग्र भागीदारी के साथ देश भर में 6,025 गतिविधियों का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, 100 दिनों के काउंटडाउन योग प्रोग्राम के एक अंग के रूप में, जून, 2022 के महीने में एनवाईकेएस ने 4,250 कार्यक्रम आयोजित किए और इसमें 1.89 लाख युवाओं और अन्य हितधारकों की भागीदारी शामिल थी।

12. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई

एनवाईकेएस ने 6 जुलाई, 2022 को मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प, पौध–रोपण, डॉ. मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण, उनके जीवन पर सेमिनार/सिम्पोजियम, डॉ. मुखर्जी के संदेश और प्लॉग रन्स जैसी गतिविधियों का आयोजन कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। इस कार्यक्रम

के हिस्से के रूप में तहत 2.53 लाख युवाओं और नागरिकों की भागीदारी के साथ 33,720 गतिविधियां आयोजित की गईं।

13. विश्व जनसंख्या दिवस

वैश्विक जनसंख्या समस्याओं पर जागरूकता बढ़ाने और लोगों को उनकी भूमिका के बारे में बताने के लिए, एनवाईकेएस ने 11 जुलाई 2022 को देश भर में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया।

राष्ट्रीय जनसंख्या के मुद्दों पर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने और संदेश का विस्तार करने के लिए, खासकर युवाओं और सामान्य तौर से नागरिकों की व्यापक भागीदारी के साथ एनवाईकेएस ने कई सारी गतिविधियों का आयोजन किया।

अत्यंत महत्वपूर्ण जनसंख्या मुद्दों पर चर्चा को सुगम बनाने के लिए सेमिनार व वेबिनार, थीम आधारित स्किट/नुक्कड़ नाटक, बैनरध्प्लेकार्डध्फ्लायर्स/अन्य आईईसी सामग्री के माध्यम से जागरूकता, जनसंख्या स्थिरीकरण और विकास पर सफलता की कहानियों को साझा करना जैसी गतिविधियां शामिल थीं और साथ ही देश भर में ज्ञान प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

2.16 लाख युवाओं और अन्य लोगों तक पहुँच हासिल कर और उनकी भागीदारी के साथ 4,309 गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

14. चेस ओलंपियाड टॉर्च रिले

माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए ऐतिहासिक टॉर्च रिले का उद्घाटन किया। इस वर्ष, पहली बार, इंटरनेशनल चेस फेडरेशन, एफआइडीई ने चेस ओलंपियाड टॉर्च की स्थापना की है, जो ओलंपिक परंपरा का एक हिस्सा है। चेस ओलंपियाड टॉर्च रिले करने वाला भारत पहला देश है।

टॉर्च रिले देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करते हुए 75 ऐतिहासिक स्थानों से होकर गुजरी। एनवाईकेएस ने उद्घाटन समारोह में 6,000 स्वयं–सेवकों और टॉर्च रिले के मार्ग में पड़ने वाले विभिन्न स्थानों पर 20,000 स्वयंसेवकों को एकत्रित किया है।

15. हर घर तिरंगा

आजादी के 75 वर्ष पूरे होने और भारत के अमृत काल में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में, एनवाईकेएस ने 1 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक **'हर घर तिरंगा'** अभियान चलाया। यह अभियान वास्तव में **'जन भागीदारी और जन आंदोलन'** की समग्र भावना को दिखाता है, क्योंकि इसका आयोजन भारत में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग सभी जिलों के **2.26 लाख** गांवों में किया गया था।

इस लयबद्ध महोत्सव के मुख्य पहलुओं में से एक है– **6 लाख** युवा नेताओं और स्वयंसेवकों के माध्यम से पूर्ण पहुंच का प्रयास, जिसके तहत **3.70 करोड़** घरों तक पहुंच हासिल की गई और एकेएएम और हर घर तिरंगा कार्यक्रम के बारे में जागरूकता फैलाई गई। इस प्रक्रिया में युवा स्वयंसेवकों ने भारत के **9.38 करोड़** नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया और **2 करोड़** से अधिक परिवारों ने अपनी इच्छा से 13–15 अगस्त 2022 के दौरान अपने–अपने घरों पर तिरंगा फहराया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिए **1.16 लाख** सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से प्रेरक व शैक्षिक संदेश, गतिविधियाँ, एक्शन फोटोग्राफ, तिरंगा सेल्फी, वीडियो और नारे फैलाए गए, जिनका **वर्चुअल विस्तार 13.33 लाख** था।

एनवाईकेएस ने 08 अगस्त से 14 अगस्त 2022 तक प्रतीकात्मक सप्ताह भी मनाया और देश भर के प्रतीकात्मक स्थानों पर **7,458 स्वच्छता** गतिविधियाँ चलाई गईं। इन स्वच्छता गतिविधियों के दौरान, **7,047 तिरंगा यात्राएं** आयोजित की गईं और **57,074** औषधीय पौधे रोपे गए।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतिम चरण में, 13 से 15 अगस्त 2022 तक, **76,321 गांवों** और कस्बों को शामिल करते हुए **7.1 लाख** नागरिकों की भागीदारी के साथ **24,519 प्रभात फेरियाँ** संपन्न की गईं।

16. राष्ट्रीय खेल दिवस

एनवाईकेएस ने एक समावेशी और **तंदुरुस्त समाज के लिए थीम स्पोर्ट्स** के साथ, विभिन्न आयु समूहों के किशोरों, युवाओं, लोगों, परिवार सदस्यों को फुटबॉल, टेबल टेनिस, सैक रेस, नींबू–चम्मच दौड़ जैसे विभिन्न खेल और मजेदार कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित

किया। **1.45 लाख** युवाओं की भागीदारी के साथ पूरे देश भर में एनवाईकेएस द्वारा कुल **6,886** निर्धारित गतिविधियों का आयोजन किया गया और डिस्ट्रिक्ट एनवाईके के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर **9468 पोस्ट/ट्वीट** के जरिए कुल **4.56 लाख** लोगों तक पहुंच स्थापित की गई।

17. स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

स्वच्छता को लेकर जागरूकता फैलाने और स्वच्छता और हाईजीन अभियान चलाने के लिए युवाओं को अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर और स्थानीय संसाधनों को जुटाकर देश भर में कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से, एनवाईकेएस ने पूरे देश भर में 1 से 15 अगस्त 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक राष्ट्रव्यापी गहन स्वच्छता और स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके तहत एनवाई स्वयंसेवकों, संबंधित यूथ क्लबों, स्थानीय युवाओं और अन्य प्रमुख हितधारकों को शामिल किया गया।

इसके तहत संपन्न प्रमुख गतिविधियों में शामिल थीं– स्वच्छता प्रतिज्ञा, माननीय प्रधान मंत्री, युवा मामले और खेल मंत्री के संदेश/अपील का वाचन, वॉल पेंटिंग, पोस्टर, घर–घर अभियान, सेमिनार, ज्ञान प्रतियोगिताएँ, प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रह, सार्वजनिक स्थान/परिसंपत्तियों की सफाई, स्वच्छता रैली का आयोजन।

संसूचित अवधि के दौरान, **14.81 लाख** युवाओं और अन्य लोगों की पहुंच व भागीदारी के साथ **34,230** स्वच्छता गतिविधियां संपन्न की गईं।

18. पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई

एनवाईकेएस हर वर्ष 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाता है, जिसके तहत भारत के इस महान नेता के जीवन और विरासत को स्मरण किया जाता है। इस दिन को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पूरे देश में इस दिन को मनाने के लिए एनवाईकेएस ने कई गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन, शिक्षाओं और संदेश पर चर्चा, रैलियां, सांस्कृतिक गतिविधियां, उनके जीवन पर स्किट/नाटक /नुक्कड़ नाटक और संदेश और ज्ञान प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान, एनवाईकेएस ने **1.11 लाख** युवा स्वयंसेवकों, यूथ क्लब के सदस्यों और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ **3,852 गतिविधियों**

का आयोजन किया।

19. राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया

इसका मुख्य उद्देश्य पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और यह जानकारी प्रदान करना था कि कैसे अमुक परिवार अपने बच्चों और गर्भवती/स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पूरक पोषण हेतु सरकारी सेवाओं तक आसानी से पहुंच स्थापित कर सकते हैं।

देश भर में पोषण माह कार्यक्रम के क्रियांवयन के लिए एनवाईकेएस वर्ष 2018 से एक मुख्य भागीदार रहा है। डिस्ट्रिक्ट नेहरू युवा केंद्रों ने प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन, आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से कुपोषण, संतुलित आहार और पारंपरिक भोजन के महत्व के विषयों पर ग्रामीणों को जागरुक बनाने के लिए एनवाईवी और यूथ क्लबों को प्रेरित किया।

महीने भर चलने वाले पोषण माह 2022 के दौरान निम्नांकित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- कुल **13,230 कार्यक्रम/गतिविधियाँ** आयोजित की गईं, जिनमें पोषण के मुख्य मुद्दों पर यूथ क्लबों के सदस्यों और ग्रामीणों को जागरुक बनाना और प्रेरित करना, पोषण के मुख्य मुद्दों को सामने लाने के लिए बैनर/प्रचार सामग्री का प्रदर्शन, पोषण शपथ ग्रहण समारोह, रैलियों का आयोजन, दौड़, पदयात्रा, साइकिल यात्रा, पोषक आहार व कुपोषण पर ज्ञान प्रतियोगिता, दीवार लेखन जैसे आयोजन शामिल थे।
- नेशनल यूथ के स्वयंसेवकों, यूथ क्लबों के सदस्यों द्वारा **22,820 पौधे** रोपे गए।
- ऊपर वर्णित गतिविधियों और सोशल मीडिया के जरिए कुल **5.47 लाख** यूथ क्लब सदस्यों, ग्रामीणों आदि तक पहुंच स्थापित की गई।

20. स्वच्छ भारत कार्यक्रम 2.0

आजादी के अमृत महोत्सव के एक अंग के रूप में, युवा मामलों के विभाग, डवल्ै के मार्गदर्शन में एनवाईकेएस ने 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक ''स्वच्छ भारत'' 2.0 कार्यक्रम की कई गतिविधियों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना, लोगों को लामबंद करना और स्वच्छ भारत अभियान में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था, जो अपनी व्यापकता और भागीदारी के मामले में अनूठा है।

इसका मूल उद्देश्य 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2022 तक देश के ऐतिहासिक स्मारकों और विरासत स्थलों, सामुदायिक

केंद्रों, यूथ क्लब/महिला मंडल भवनों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण अभियान, स्वैच्छिक कार्य शिविरों के माध्यम से स्कूल भवनों, पंचायत भवनों, पारंपरिक जल निकायों की सफाई और रखरखाव के साथ पूरे देश में स्वच्छता गतिविधियों और कचरा संग्रह करना, मुख्य रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे का संग्रह करना था। जनभागीदारी से लेकर जन आंदोलन की रणनीति के साथ इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

1.68 लाख गांवों में **2.22 लाख** कचरा संग्रह गतिविधियां और स्वच्छता अभियान चलाकर इस कार्यक्रम को संपन्न किया गया था। इस दौरान यूथ क्लब के सदस्य, युवा स्वयंसेवक और समाज के अन्य वर्ग के लोगों ने **1.55 करोड़ किलोग्राम** से ज्यादा मात्रा में कचरा एकत्र कियाय जिसमें से **1.54 करोड़ किलोग्राम** कचरे का निस्तारण किया गया। **2,585 पर्यटन स्थलों** की सफाई की गई, 1.13 लाख ग्रामों का सौंदर्यीकरण किया गया और **38.10 लाख** युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ **2.29 लाख** व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियां संपन्न की गईं।

21. 31 अक्टूबर, 2022 को श्राष्ट्रीय एकता दिवसश (नेशनल यूनिटी डे) मनाया गया।

एनवाईकेएस ने आजादी के अमृत महोत्सव के एक हिस्से के रूप में 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती मनाई ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को इन महान नेताओं द्वारा पोषित मूल्यों और विचारों, उनमें निहित शक्ति की पुष्टि कर और हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए वास्तविक और संभावित खतरों का सामना करने के लिए हमारे देश की प्रबल क्षमता से उन्हें प्रेरित किया जा सके।

एनवाईकेएस द्वारा संपन्न की गई प्रमुख गतिविधियों में शामिल थीं– नेशनल यूथ स्वयंसेवकों, यूथ क्लबों के सदस्यों और अन्य हितधारकों के समर्थन और भागीदारी के साथ देश भर में प्रतिज्ञा ग्रहण कार्यक्रम, एकता दौड़, मोटर बाइक रैली और साइकिल रैली।

19.71 लाख युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ एनवाईकेएस ने 'एकता दौड़' की **68,364 गतिविधियों का आयोजन** किया और **1 करोड़ किलोमीटर** दूरी तय की गई।

22. 26 नवंबर, 2022 को संविधान दिवस (संविधान दिवस) मनाया गया।

एनवाईकेएस ने 26 नवंबर 2022 को देश भर में संविधान दिवस मनाया, जिसका सामान्य उद्देश्य लोगों और विशेष रूप से युवाओं को भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों और

भावना से अवगत कराना और उन्हें और उनके साथी समूहों को संविधान के बारे में जागरूकता फैलाने के कार्य में शामिल करना था।

एनवाईकेएस द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों में शामिल थी– संविधान की प्रस्तावना का वाचन, ऑनलाइन क्विज – 'भारत–लोकतंत्र की माता', संविधान की प्रस्तावना और मौलिक कर्तव्यों पर आधारित मौलिक कर्तव्यों पर प्रतिज्ञा ग्रहण, जागरूकता बातचीत/सेमिनार/वेबिनार/कर्तव्य संवाद, मौलिक कर्तव्यों पर संदेश का प्रसार, ज्ञान प्रतियोगिता, रैलियों और नेशनल यूथ स्वयंसेवकों, यूथ क्लबों के सदस्यों और अन्य लोगों के समर्थन और भागीदारी से नाटक।

4.27 लाख युवाओं और अन्य लोगों की भागीदारी से **कुल 16,442 गतिविधियों** का आयोजन किया गया।

23. ''संसद भवन के केंद्रीय हॉल में हमारे राष्ट्रीय नेताओं को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने में हमारे देश के युवाओं की भागीदारी।''

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, उच्च शिक्षा विभाग) और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (युवा मामले विभाग), लोकतंत्र हेतु संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, लोक सभा सचिवालय **'संसद भवन के केंद्रीय हॉल में हमारे राष्ट्रीय नेताओं को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने में हमारे देश के युवाओं की भागीदारी'** पर कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित कर रहे हैं।

इस कड़ी के 5वें और 6वें कार्यक्रम का आयोजन 3 दिसंबर 2022 और 25 दिसंबर 2022 को क्रमशः डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी और पं. मदन मोहन मालवीय जी एवं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के ऊपर किया गया।

इन आयोजनों के दौरान, नेहरू युवा केंद्र संगठन के 49 युवाओं (27 महिला, 22 पुरुष) ने भाग लिया, जिनमें से 16 युवाओं (11 महिला और 5 पुरुष) ने इन राष्ट्रीय नेताओं के जीवन, योगदान और विरासत पर परिचर्चा की।

के 4 कार्यक्रमों (2 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 14 नवंबर और 19 नवंबर 2022) में, एनवाईकेएस के 108 युवाओं ने भाग लिया, जिनमें से 43 ने हमारे राष्ट्रीय नेताओं के जीवन और विरासत पर चर्चा की।

24. नेशनल यूथ पार्लियामेंट महोत्सव–2023:

31 दिसंबर 2017 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा अपने मन की बात में दिए गए विचार से प्रेरणा लेते हुए, नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के माध्यम से युवा मामले एवं खेल विभाग यूथ पार्लियामेंट महोत्सवों का आयोजन करता रहा है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट यूथ पार्लियामेंट, स्टेट यूथ पार्लियामेंट एवं नेशनल यूथ पार्लियामेंट शामिल हैं।

इन यूथ पार्लियामेंट का उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बनाना; अनुशासन की स्वस्थ आदतों को विकसित करना, दूसरों के विचारों के प्रति सहिष्णुता लाना और युवाओं को संसद की प्रथाओं और प्रक्रियाओं के बारे में जानने में समर्थ बनाना है। यूथ पार्लियामेंट सक्रिय नागरिकता के महत्व पर जागरूकता पैदा करने और युवाओं की भागीदारी एवं जुड़ाव को बढ़ावा देने में भी मदद करते हैं। यह युवाओं में नेतृत्व के गुणों को बढ़ावा देता है और उन्हें अपनी पूरी क्षमता का भान कराने और इस प्रक्रिया में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में समर्थ बनाता है।

'एक बेहतर कल के लिए विचार: विश्व के लिए भारत' विषय पर आधारित नेशनल यूथ पार्लियामेंट महोत्सव–2023 का चौथा संस्करण युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में एनवाईकेएस द्वारा आयोजित किया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट एवं स्टेट यूथ पार्लियामेंट का आयोजन पिछले वर्ष की भांति वर्चुअल तरीके से किया गया है। इनमें महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समूहों समेत सभी वर्गों के युवाओं का प्रतिनिधित्व का ध्यान रखा गया है।

उद्देश्य:

- जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विमर्श के जरिए 18–25 वर्ष की आयु के युवाओं की आवाज सुनना।
- युवाओं को सार्वजनिक मुद्दों से जोड़ने हेतु प्रोत्साहित करना, अपनी राय में आम आदमी के दृष्टिकोण को समझना और इसे स्पष्ट तरीके से व्यक्त करना।
- निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना और उसे बढ़ाना।
- दूसरों के विचारों के लिए युवाओं में सम्मान और सहिष्णुता विकसित करना।
- इस बात की समझ विकसित करना कि चर्चा के दौरान नियमों पालन करना आवश्यक होता है।
- नवीन भारत के विजन पर उनके विचार प्राप्त करना और उनका प्रलेखीकरण करना।
- इसे आगे ले जाने के लिए नीति निर्माताओं और लागू कर्ताओं को उनके विचार उपलब्ध कराना।

युवा संसदों का आयोजन तीन स्तरों पर किया गया था:

जिला युवा संसद (डीवाईपी)–

- 4–6 जिलों के समूह के साथ 150 नोडल केंद्रों पर डिस्ट्रिक्ट यूथ पार्लियामेंट्स जिला युवा संसदों का आयोजन किया गया है, ताकि इन 150 डीवाईपी ने देश के सभी 748 जिलों को कवर कर लिया हो। हर जिले से चुने गए युवाओं को लेकर डिस्ट्रिक्ट यूथ पार्लियामेंट (डीवाईपी) का आयोजन वर्चुअली किया गया है।
- एनवाईकेएस और एनएसएस द्वारा देश के हरेक जिले में 25 से 29 जनवरी 2023 तक डीवाईपी का आयोजन किया गया।
- राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में हिस्सा लेने के लिए ज्यूरी द्वारा 150 नोडल केंद्रों पर हर जिले से 2 विजेताओं (कुल 748X2 = 1496) की पहचान की गई है।

स्टेट यूथ पार्लियामेंट (एसवाईपी)–

- सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करने के लिए 29 स्टेट यूथ पार्लियामेंटों (एसवायपी) का आयोजन वर्चुअल मोड में किया गया है। हर डीवाईपी के 2 विजेता राज्य युवा संसद (एसवाईपी) में साथ–साथ शामिल हुए और वर्चुअल मोड पर जूरी की उपस्थिति में दिए गए विषयों पर विवेचना किया। लगभग 1496 (748X2) जिला विजेताओं ने 29 स्टेट यूथ पार्लियामेंटों में भाग लिया।
- एनवाईकेएस और एनएसएस द्वारा देश के प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को सम्मिलित करने के लिए 3 से 7 फरवरी, 2023 तक 29 स्थानों में स्टेट यूथ पार्लियामेंट (एसवाईपी) का आयोजन किया गया।
- नेशनल यूथ पार्लियामेंट में भाग लेने के लिए राज्य

युवा संसदों में प्रत्येक आयोजन–स्थल से 3 विजेता (29x3=87 प्रतिभागी) जूरी द्वारा चुने गए।

राष्ट्रीय युवा संसद (एनवाईपी):

- नेशनल यूथ पार्लियामेंट का आयोजन 1 और 2 मार्च 2023 को नई दिल्ली में संसद के सेंट्रल हॉल में किया गया।
- सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 85 विजेता 29 आयोजन–स्थलों पर सदेह उपस्थित होकर नेशनल यूथ पार्लियामेंट महोत्सव में भाग लिया। उनमें से एसवाईपी के प्रथम स्थान प्राप्त 29 विजेता प्रदत्त विषयों पर बोला जबकि शेष 56 ने कार्यवाही में भाग लिया।

अनुसूची:

- वर्चुअल डिस्ट्रिक्ट यूथ पार्लियामेंट **(25 से 29 जनवरी, 2023)**
- वर्चुअल स्टेट यूथ पार्लियामेंट **(3 से 7 फरवरी, 2023)**
- नेशनल यूथ पार्लियामेंट (सदेह उपस्थिति) **(1 से 2 मार्च, 2023)**

प्रमाण पत्र और पुरस्कार:

- प्रत्येक जिले से 2 विजेताओं को चुने गए।
- प्रत्येक राज्य से 3 विजेता चुने गए।
- डिस्ट्रिक्ट एवं स्टेटयूथ पार्लियामेंट के सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।
- राष्ट्रीय स्तर पर 3 अंतिम विजेताओं को प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे (2,00,000, 150,000 और 100,000 रुपए के नकद पुरस्कार) और यदि कोई हो तो 50,000 रुपए के सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

2023 में तीनों स्तर पर विमर्श के विषय:

(क) डिस्ट्र्क्ट यूथ पार्लियामेंट (25 से 29 जनवरी, 2023)

1. **स्वास्थ्य, आरोग्य और खेलकूद:** युवाओं के एजेंडा
2. **कौशल विकास**– सशक्तीकरण की एक कुंजी
3. **सोशल मीडिया**– युवा परिप्रेक्ष्य

(ख) स्टेट यूथ पार्लियामेंट (3 से 7 फरवरी, 2023)

1. **कार्य का भविष्य:** उद्योग 4.0, नवचार एवं 21वीं सदी के कौशल
2. **जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण:** धारणीयता को जीवनशैली बनाना
3. **भारत में महिला सुरक्षा**– चुनौती और समाधान

(ग) नेशनल यूथ पार्लियामेंट 2022 (1 से 2 मार्च, 2023)

1. **साझा भविष्य:** लोकतंत्र और प्रशासन में युवा
2. **भारत की जी–20 अध्यक्षता**– एक धरती – एक परिवार – एक भविष्यय
3. **शांति और समन्वयन की स्थापना:** युद्ध मुक्त युग की ओर प्रयाण

अध्याय – 5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक नई स्कीम शुरू की। एनवाईसी स्कीम के उद्देश्य हैं– अनुशासित और समर्पित युवाओं का समूह बनाना जिनका राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने के प्रति झुकाव और भावना हो, समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को साकार करने के कार्य को सुकर बनाना, सूचना, के प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करना, समुदाय में बुनियादी ज्ञान, समहू मॉड्यूलेटर तथा साथी समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना, युवा वर्ग के लिए विशेषकर सार्वजनिक आचार, ईमानदारी तथा श्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

इस स्कीम के तहत, 2022–23 के दौरान, **13,206 के लक्ष्य की तुलना में 744 जिलों में कुल 12,154** स्वयंसेवक हर साल तैनात किए गए। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम/डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को केवल 2 वर्ष की अवधि के लिए तैनात किया जाता है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से **5000/**–रु. प्रति माह का मासिक मानदेय दिया जा रहा है जो पहले प्रति स्वयंसेवक मात्र 2,500/– रु. था। स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित नेहरू युवा केंद्र/विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

ये स्वयंसेवक कोविड–19 से संबंद्ध कार्यकलापों सहित एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ–साथ ग्राम/समुदाय स्तर पर युवा क्लबों और महिला क्लबों को प्रेरित करने और मजबूत करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रस्तावनाः

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करन के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित हैं। बिल्कुल उचित रूप से एनएसएस का आदर्श वाक्य "मैं नहीं, बल्कि आप" (स्वयं से पहले आप) है। एक एनएसएस स्वयंसेवी 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्यः

एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना हैः

क) उस समुदाय को समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझाना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना।

च) नेतृत्व के गुण तथा लोकतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना; और

ज) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "परिसर और समुदाय", "कॉलेज और गांव" तथा "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस 1969 में 37 विश्वविद्यालयों में शुरू किया गया था जिसमें लगभग 40,000 स्वयंसेवक शामिल थे, जो अब 657 विश्वविद्यालयों और 512 परिषदों /निदेशालयों में फैल गया है, जिसमें 20,669 कॉलेज/तकनीकी संस्थान और 11,988 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। स्थापना के बाद से, 7 करोड़ से अधिक छात्र एनएसएस से लाभान्वित हुए हैं।

एनएसएस की बुनियादी कार्यक्रम संरचनाः

एनएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित किया जा रहा है। एनएसएस की अभिकल्पना में इस बात की परिकल्पना की गई है कि योजना के तहत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में संख्या कम हो सकती है) वाली कम से कम एक एनएसएस यूनिट हो जिसका प्रमुख एक अध्यापक हो जिसे कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में नामोद्दिष्ट किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस यूनिट एक गांव या मलिन बस्ती को अपने कार्यकलापों का संचालन करने के लिए अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए निम्नलिखित कार्य/कार्यकलाप करना अपेक्षित हैः

क) नियमित एनएसएस कार्यकलापः प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटों अर्थात् 2 वर्षों में कुल 240 घंटों की सेवा देनी होती है। यह कार्य एनएसएस यूनिट द्वारा अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों या विद्यालय/कॉलेज केंपस में सामान्यतः पढ़ाई के घंटों के बाद या सप्ताहांत में किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिविन्यास के लिए चिन्हित किए जाते हैं ताकि उन्हें व्याख्यानों, चर्चाओं, कार्यस्थल का भ्रमण, श्रव्य–दृश्य आदि के माध्यम से एनएसएस की मूलभूत जानकारी दी जा सके।

ख) **विशेष शिविर कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस यूनिट अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों में छुट्टियों के दौरान स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए किसी विशिष्ट परियोजना पर 7 दिनों का विशेष शिविर आयोजित करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए 2 वर्ष की अवधि के दौरान ऐसे विशेष शिविर में एक बार भाग लेना अनिवार्य है। इस प्रकार एक यूनिट के लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक विशेष शिविर में प्रतिभागिता करते हैं।

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों का स्वरूपः

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों को मुख्यतः दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है यथाः

1. **मुख्य कार्यकलापः** एनएसएस के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होते रहते हैं। एनएसएस द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यकलापों की उदाहरणस्वरूप एक सूची नीचे दी गई हैः–

क) शिक्षाः प्रौढ़ शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा, पढ़ाई छोड़ चुके व्यक्तियों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता करना, सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए कार्यक्रम आदि।

ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता आदि।

ग) पर्यावरण संरक्षणः पौधारोपण और उनका परिरक्षण/देखरेख, सड़कों, नालों की सफाई और अनुरक्षण आदि।

घ) समाज सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, दिव्यांगजनों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानों आदि में कार्य करना।

ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिला अधिकारों के संबंध में जारूकता उत्पन्न करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

च) उत्पादन–उन्मुख कार्यक्रमः लोगों को उन्नत कृषि संबंधी पद्धतियों के संबंध में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास के लिए मार्गदर्शन आदि।

छ) आपदा राहत और पुनर्वासः बचाव एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य कार्यकलाप/कार्यक्रमः** एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के अलावा अन्य कार्यकलाप भी किए जाते हैं। उदाहरण के लिएः

क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता।

ख) साहसिक गतिविधियों में सहभागिता।

ग) पूर्वोत्तर एनएसएस समारोहों का आयोजन।

घ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रषिक्षण।

ङ) राष्ट्रीय अखण्डता शिविर।

च) महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय आदि जैसे संबंधित मंत्रालयों के कार्यक्रम।

प्रशासनिक ढाँचाः

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस यूनिट का प्रमुख "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में नामित एक अध्यापक होता है जो अपने अंतर्गत एनएसएस यूनिट के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर, विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलजों में सभी एनएसएस इकाइयों के संबंध में एनएसएस गतिविधियों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामित कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) है। इसी प्रकार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एक एनएसएस सेल बनाया गया है।

राज्य स्तर पर, उच्च शिक्षा/युवा कार्यक्रम और खेल विभाग में स्थित एक राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ है जो एनएसएस इकाइयों को अनुदान जारी करने को नियंत्रित करता है। रीडर्स/एसोसिएट प्रोफेसर वेतनमान में राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर एक राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) होता है, जो राज्य एनएसएस सेल की गतिविधियों और कार्यों को देखता है। राज्य एनएसएस सेल का पूरा खर्च भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर, एनएसएस का एक निदेशालय है, जो अहमदाबाद, बेंगलुरू, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ,

पटना, पुणे और तिरुवनंतपुरम में स्थित 15 क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है।

उपरोक्त के अलावा, राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और संस्थान स्तर पर सलाहकार समितियां हैं, जिनमें सरकारी और गैर–सरकारी सदस्य होते हैं, जो एनएसएस पदाधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

वित्तीय तंत्रः

वर्तमान में, कोर एनएसएस गतिविधियों को चलाने के लिए नियमित एनएसएस गतिविधियों के लिए 700 रुपये प्रति स्वयंसेवक प्रति वर्ष और विशेष शिविर गतिविधियों के लिए 400 रुपये प्रति स्वयंसेवक (किसी विशेष वर्ष में स्वयंसेवकों का 50 प्रतिषत) के लिए धन उपलब्ध कराया

जाता है। सभी धनराशि का उपयोग एनएसएस गतिविधियों को चलाने के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नकद भुगतान नहीं किया जाता है। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़े शिक्षण संस्थानों में स्थापना लागत को भी नियमित गतिविधियों की निधि से पूरा करना आवश्यक है।

2015–16 तक एनएसएस एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित की गई। तथापि, 01.04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व–वित्त पोषण ईकाइयाँ (एसएफयू):

विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषित इकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र की शुरुआत की है ताकि पर्याप्त सरकारी वित्त पोषण की कमी से एनएसएस का विस्तार बाधित न हो। इस तंत्र के तहत स्थापित ईकाइयों का स्तर किसी अन्य एनएसएस इकाई के समान होता है। अन्तर केवल इतना है कि इन इकाइयों को, इकाइयों की स्थापना करने वाले संस्थानों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। अब तक एनएसएस की 3390 स्व–वित्त पोषित इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें 3,39,000 स्वयंसेवक शामिल हैं।

2022–23 में कार्य निष्पादन रिपोर्ट

गांवों/मलिन बस्तियों को गोद लेनाः एनएसएस इकाइयों ने समुदाय में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के लिए 31,673 गांवों/मलिन बस्तियों को गोद लिया।

एनएसएस विशेष शिविरों का आयोजनः विशेष शिविर एनएसएस का एक अभिन्न अंग हैं, जिसमें स्वयंसेवकों को ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से काम करने, उनके जीवन के तरीके को समझने, उनके साथ सात दिनों तक रहने और विभिन्न विकास गतिविधियों को निष्पादित देने का अवसर मिलता है। इस वर्ष अब तक 7,986 विशेष शिविरों का आयोजन किया जा चुका है जिसमें 4,33,363 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

पौधे रोपणः पौधे लगाना और उनका रखरखाव एनएसएस के तहत सबसे लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। विभिन्न स्थानों जैसे सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसरों, एवेन्यू वृक्षारोपण, वन क्षेत्रों आदि में 20,48,115 पौधे लगाए गए।

रक्तदानः गरीबों, जरूरतमंदों, और अस्पतालों में आपात स्थितियों के दौरान रक्तदान करने के लिए एनएसएस के स्वयंसेवक देश में हमेशा सबसे आगे रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अधिकांश एनएसएस ईकाइयां इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थान एनएसएस स्वैच्छिक रक्तदाताओं की एक निर्देशिका रखते हैं, जिनसे जरूरत के

समय संपर्क किया जा सकता है। पूरे भारत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कुल 1,20,634 यूनिट रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरणः एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे देश में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो ड्रॉप्स पिलाने में मदद की। कुल 6,018 एनएसएस स्वयंसेवकों ने बच्चों के पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए लाने सहभागिता की और इस कार्यक्रम से 11,092 बच्चे लाभान्वित हुए।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरः एनएसएस इकाइयों ने गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य, नेत्र और टीकाकरण शिविर के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई, वे विशेषज्ञ को जुटाते हैं और सामान्य स्वास्थ्य शिविर, कैंसर जागरूकता और पहचान शिविर, अंधापन नियंत्रण शिविर आदि के आयोजन के लिए सामान्य दवाएँ भी एकत्र करते हैं। इस क्रम में 6,018 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 2,97,728 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियानः नियमित गतिविधि के एक भाग के रूप में एनएसएस इकाइयों ने समुदाय के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियान आयोजित किए। पिछले वर्ष 78056 जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियान आयोजित किए गए, जिनमें 44,51,552 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण: देश में संबंधित एनएसएस इकाइयों के माध्यम से 22,439 एनएसएस बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

श्रमदान: राष्ट्रीय सेवा योजना के अभिन्न अंग के रूप में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान के 2.8 करोड़ स्वैच्छिक घंटों का योगदान दिया गया।

राष्ट्रीय युवा दिवस–2022: एनएसएस द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस– 2022 का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, देश भर में एनएसएस द्वारा ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन मोड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी एनएसएस निदेशालयों के तहत एनएसएस विश्वविद्यालयों/एनएसएस इकाइयों ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे– आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2022 के उद्घाटन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखना, रैलियों, वेबिनार, व्याख्यान, अभिभाषण, ऑनलाइन/ऑफलाइन निबंध लेखन और पेंटिंग, पोस्टर निर्माण, क्विज, वक्तृत्व और स्वामी विवेकानंद पर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन। इसके अलावा, स्वच्छता गतिविधियों, शपथ ग्रहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि जैसी कई अन्य गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इस समारोह में देश भर के 20,279 संस्थानों से 21,05,861 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव–2022: 12 से 13 जनवरी, 2022 को पुडुचेरी में राष्ट्रीय युवा महोत्सव–2022 का आयोजन वर्चुअल मोड में किया गया। राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन आदरणीय प्रधानमंत्री ने वर्चुअल मोड में किया और देश के युवाओं को संबोधित किया। एनएसएस स्वयंसेवकों से '2047 में मेरे सपनों का भारत' और 'स्वतंत्रता संग्राम के विस्मृत नायक' जैसे विषयों पर लेख/निबंध आमंत्रित किए गए जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 12,41,631 एनएसएस स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रम को वर्चुअल मोड पर देखा।

नेशनल यूथ पार्लियामेंट: 10 और 11 मार्च, 2022 को संसद के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया। स्तरीय युवा संसद में चयनित 87 युवाओं ने इस राष्ट्रीय युवा संसद में राज्य भाग लिया और 87 में से राज्य स्तरीय युवा संसद के प्रथम विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और उन्हें संसद में जूरी के सदस्यों के समक्ष दिए गए विषयों पर बोलने का अवसर मिला। नेशनल यूथ पार्लियामेंट के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को लोकसभा के अध्यक्ष, युवा कार्यक्रम एवं खेल–कूद मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2022: 8 मार्च, 2022 को पूरे देश में एनएसएस द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए, एनएसएस इकाइयों द्वारा ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे– रैलियां, वेबिनार, व्याख्यान, भाषण, निबंध लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताएं, व्याख्यान, लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण, स्वच्छता गतिविधियां, वृक्षारोपण, रक्तदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि। इनमें 14,015 संस्थानों के 7,78,951 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

शहीदी दिवस–2022: वर्तमान में मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंग के रूप में, देश भर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा शहीदी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में देश भर के 10,926 संस्थानों सहित 457 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। संपन्न की गई गतिविधियों में प्रभात फेरी निकालना, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की शपथ लेना, परिसर की सफाई, रक्तदान, शहीद भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारियों पर चर्चा और राष्ट्रवाद के लिए उनके योगदान, स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों की सफाई, पेंटिंग और पोस्टर तैयार करना, वेबिनार और ऑनलाइन गतिविधियां शामिल की गईं। 5,22,588 स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की शपथ दिलाई गई। इन स्वयंसेवकों को अनेक देशभक्तों की फिल्में दिखाई गईं। कहीं–कहीं देशभक्ति गीतों, प्रेरक कविताओं और क्रांतिकारी मूल्य और साहस पर परिचर्चाओं की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कुल 9,31,933 स्वयंसेवकों और अन्य युवाओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रमों में भाग लिया।

विश्व साइकिल दिवस – एनएसएस इकाइयों द्वारा साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया जिसमें 3,28,601 स्वयंसेवकों और अन्य लोगों ने भाग लिया एवं पूरे देश में 16,43,005 किलोमीटर की दूरी तय की।

विश्व पर्यावरण दिवस– एनएसएस इकाइयों ने पूरे देश में 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, जिसमें 3,43,517 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2022– एनएसएस इकाइयों ने 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2022 मनाया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें 27,55,928 एनएसएस स्वयंसेवकों और अन्य लोगों ने पूरे देश में 31,795 संस्थानों से भाग लिया।

हर घर तिरंगा अभियान – एनएसएस द्वारा 1 से 15 अगस्त, 2022 तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया, जिसमें 32,657 संस्थानों के 42,06,547 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह – एनएसएस द्वारा 8 से 14 अगस्त, 2022 तक हर घर तिरंगा का प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह मनाया गया, जिसमें 443 संस्थानों के 25,198 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा – एनएसएस द्वारा 1 से 15 अगस्त, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें देश भर के 11,929 संस्थानों के 8,12,279 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर'' अभियान – एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा ''स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर'' अभियान के तहत चिन्हित समुद्र तटों पर सफाई गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिसमें 14,089 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 119 समुद्र तटों से 8,810 किलोग्राम कचरा एकत्र किया।

राष्ट्रीय पोषण माह– देश भर में एनएसएस इकाइयों द्वारा 1 से 30 सितंबर, 2022 तक राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एनएसएस इकाइयों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें 5,09,521 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

फिट इंडिया प्लॉग रनः 2 अक्टूबर, 2022 को एनएसएस इकाइयों ने गांधी जयंती मनाने के लिए फिट इंडिया प्लॉग रन का आयोजन किया, जिसमें 2,436 संस्थानों के 3,56,197 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और पूरे देश में 3,34,287 किलोमीटर की दूरी तय की।

फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0– एनएसएस द्वारा भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मनाने के लिए 2–31 अक्टूबर, 2022 को फिट इंडिया फ्रीडम रन 3.0 मनाया गया, जिसमें देश भर में कुल 12,28,775 प्रतिभागियों ने 25,98,415 किलोमीटर की दूरी तय की और इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लिया।

स्वच्छ भारत अभियान 2.0– भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 1–31 अक्टूबर, 2022 तक स्वच्छ भारत अभियान 2.0 का आयोजन किया गया, इस राष्ट्रव्यापी अभियान में कुल 38,27,394 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 60,51,427 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र की।

राष्ट्रीय एकता दिवसः एनएसएस इकाइयों ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए 31 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया और एकता दौड़ का आयोजन किया। पूरे देश के 28,307 संस्थानों से 36,98,424 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारतः एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत देश के विभिन्न राज्यों में छात्र युवाओं के बीच देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना एवं जोश पैदा करने के लिए 15 राष्ट्रीय एकता शिविर आयोजित किए गए। राष्ट्रीय स्तर के इन शिविरों में देश भर से आए 3,150 एनएसएस स्वयंसेवकों ने टीम लीडरों के साथ भाग लिया।

साहसिक कार्यकलाप –

अक्तूबर और नवंबर, 2022 में एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अटल बिहारी

बाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान द्वारा हिमाचल प्रदेश में अपने चार केंद्रों धर्मशाला, सोलंग, पोंग बांध और मनाली में आयोजित साहसिक शिविरों में कुल 1260 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

एनएसएस पुरस्कार प्रदान किया जाना – वर्ष 2020–21 के एनएसएस पुरस्कार 24 सितंबर, 2022 को राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों (2 पुरस्कार), सर्वश्रेष्ठ यूनिटों/कार्यक्रम अधिकारियों (10 पुरस्कार) और सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों (30 पुरस्कार) को प्रदान किए गए।

'आजादी का अमृत महोत्सव' एनएसएस द्वारा यथोचित तरीके से मनाया जा रहा है। इस अवसर के उपलक्ष्य में, एनएसएस द्वारा देश भर में ऑफलाइन के साथ–साथ ऑनलाइन मोड में विभिन्न कार्यकलाप का आयोजन किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2023: गणतंत्र दिवस परेड शिविर जनवरी के महीने में नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों से आए 15 दल नेताओं के साथ 198 एनएसएस स्वयंसेवक (पुरुष और महिला) भाग ले रहे हैं।

जनवरी 2023 के महीने में नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023 का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों से आए 15 दल नेताओं के साथ 198 एनएसएस स्वयंसेवकों (पुरुष और महिला) ने भाग लिया। शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दल नेताओं, एनएसएस अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति से मुलाकात की, जहां माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (राज्य) श्री निशिथ प्रामाणिक, सचिव (युवा कार्यक्रम), संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023 के दौरान, एनएसएस के स्वयंसेवकों, दल नेताओं, एनएसएस के अधिकारियों ने उप राष्ट्रपति आवास में भारत के माननीय उप राष्ट्रपति से मुलाकात की जहां माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (राज्य) श्री निशिथ प्रामाणिक, संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023 के दौरान एनएसएस के स्वयंसेवकों, दल नेताओं, एनएसएस अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास में भारत के माननीय प्रधानमंत्री से मुलाकात की जहां माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (राज्य) श्री निशिथ प्रामाणिक, सचिव (युवा कार्यक्रम), संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दल नेताओं, एनएसएस अधिकारियों ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री (राज्य) श्री निशिथ प्रामाणिक से मुलाकात की जहां संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्तर पूर्व में एनएसएस कार्यकलाप की संक्षिप्त रिपोर्टः

भारत में एनएसएस के पंद्रह क्षेत्रों में से एक गुवाहाटी (असम) में स्थित क्षेत्र है जो आठ पूर्वोत्तर राज्यों नामतः अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के एनएसएस कार्यकलाप को देखता है।

1. अरुणाचल प्रदेशः अरुणाचल प्रदेश में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 17800 है। उन्होंने बड़े पैमाने पर नदी सफाई कार्यक्रम चलाया है जिसमें स्वयंसेवकों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर प्लास्टिक कचरे को एकत्र किया और उचित विधि से उसका निपटान किया। एनएसएस ने रक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में उत्तर पूर्व से आए 200 एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए भूमि और पानी से जुड़े साहसिक कार्यकलाप का आयोजन किया जो अब यहाँ की नियमित विशेषता बन चुकी है।

2. असमः असम में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 64100 है। एक नई पहल के रूप में एनएसएस ने यूनिसेफ के सहयोग से यू–रिपोर्ट इंडिया की शुरुआत की, जो एक निःशुल्क टूल है और जो सामुदायिक भागीदारी के लिए एक सोशल मीडिया मंच है। इसे युवा लोगों के रुचिकर मुद्दों पर ध्यान देने के लिए डिजाइन किया गया है। यू–रिपोर्ट इंडिया देश भर के युवाओं तक पहुंचने के लिए फेसबुक मैसेंजर और व्हाट्सएप का उपयोग करती है। असम के माननीय राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने 18 जुलाई 2022 को यू–रिपोर्ट का शुभारंभ किया।

कछार, हैलाकांडी और करीमगंज जिले के एनएसएस स्वयंसेवकों ने बाढ़ पीड़ितों को बचाने और बाढ़ राहत शिविरों के सुचारू प्रबंधन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिगबोई कॉलेज, असम के स्वयंसेवकों ने गोद लिए गए गाँव में वर्मिन–कल्चर पर प्रशिक्षण दिया।

3. मणिपुरः मणिपुर में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 20900 है। मणिपुर के एनएसएस स्वयंसेवकों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विश्व साइकिल दिवस 2022 में भागीदारी और श्रमदान करके प्लास्टिक कचरे के संग्रहण जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया।

4. मिजोरमः मिजोरम में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 30100 है। पिछले लगातार तीन वर्षों से, एनएसएस मिजोरम ने राज्य में किसी भी एकल संगठन द्वारा अधिकतम रक्तदान करने में पहला स्थान प्राप्त किया है।

एनएसएस मिजोरम ने विशेष शिविर के दौरान सार्वजनिक आराम स्थल, सार्वजनिक शौचालय वॉटर प्वाइंट आदि के रूप में कई सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण किया है और स्वयंसेवक नियमित कवायद के रूप में सामुदायिक परिसंपत्तियों का नवीकरण कर रहे हैं।

5. मेघालयः मेघालय में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 37400 है। लोयोला कॉलेज, विलियमनगर, ईस्ट गारो हिल्स, मेघालय की एनएसएस इकाई ने गोद लिए गए गांव चिरिंगग्रो के निवासियों के लिए आय के स्रोत के रूप में 150 दालचीनी के पौधों और काली मिर्च के पौधों की खेती आरंभ की।

6. सिक्किमः सिक्किम राज्य में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 16400 है। राज्य एनएसएस सेल, सिक्किम ने 26 अगस्त से 31 अगस्त 2022 तक उत्तर पूर्व एनएसएस महोत्सव का आयोजन किया, जहां पूर्वोत्तर राज्यों के 300 एनएसएस स्वयंसेवकों ने महोत्सव में भाग लिया। इस महोत्सव का उद्घाटन संसद सदस्य श्री इंद्र हैंग सुब्बा ने किया।

एनएसएस सिक्किम गोद लिए गए गांव के सदस्यों और स्कूलों एवं कॉलेज के छात्रों को प्रशिक्षण देकर तथा संस्थान परिसर में जैविक किचन गार्डन तैयार करके जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है।

NSS units to set up organic kitchen gardens in schools

7. त्रिपुराः त्रिपुरा में एनएसएस स्वयंसेवकों की वर्तमान संख्या 34300 है। त्रिपुरा के एनएसएस स्वयंसेवकों ने संस्था परिसर में किचन गार्डन तैयार किया है। इन सब्जियों का उपयोग स्कूलों में दिए जाने वाले मध्याह्न भोजन में किया जाता है।

अध्याय – 7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

प्रस्तावना

आरजीएनआईवाईडी एक शीर्ष संस्थान है जो महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है, जिसमें युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान का कार्य करने और देशभर में विस्तार और लोकसंपर्क पहल करने के अलावा अत्याधुनिक विशिष्ट शैक्षणिक कार्यक्रम चलाएं जा रहे है।

संस्थान मंत्रालय के एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है और देश में युवाओं से संबंधित गतिविधियों का एक प्रमुख संगठन है। शीर्ष संस्थान के रूप में, यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के साथ घनिष्ठ सहयोग में काम करता है। यह संस्थान ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों में युवा विकास गतिविधियों के एक सूत्रधार के रूप में युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए नोडल एजेंसी है।

आरजीएनआईवाईडी देश में एक युवा वेधशाला और डिपॉजिटरी के रूप में कार्य करता है, जिससे युवाओं से संबंधित मुद्दों पर निगरानी की जाती है। युवाओं के कल्याण और विकास के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों के साथ इसका व्यापक नेटवर्क है। भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के कुलाध्यक्ष हैं।

संस्थान की विविध गतिविधियों की निगरानी इसके वैधानिक निकायों जैसे कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और भवन और निर्माण समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो विभिन्न स्कूलों, विभागों और केंद्रों के माध्यम से संस्थान के दिन–प्रतिदिन के कामकाज के लिए जिम्मेदार होता है।

2022 – 2023 के दौरान आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम और गतिविधियाँ

शैक्षणिक प्रभाग की गतिविधियाँ

शैक्षणिक प्रभाग देश में युवा विकास के लिए सक्षम पेशेवरों का एक संवर्ग विकसित करने का प्रयास करता है, जो विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में अध्ययन के उचित रूप से डिजाइन और दक्षतापूर्वक वितरित पाठ्यक्रम के माध्यम से युवाओं की उभरती विकास आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के लिए प्रासंगिक है और युवा कार्य पदाधिकारियों के राष्ट्रीय मूल्य और पेशेवर नैतिकता के अनुरूप है। वर्तमान में चलाए जा रहे अकादमिक पाठ्यक्रम दुनिया भर में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे और ये अंतरराष्ट्रीय मानकों और पाठ्यक्रम आवश्यकताओं अनुरूप हैं।

प्रभाग के प्रमुख कार्यों में शामिल हैं:

- ज्ञान, कौशल, नैतिकता, मूल्यों आदि के संबंध में युवा विकास में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करना, जिससे इच्छुक युवा पेशेवरों जो युवा विकास के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं और देश के अन्दर और देश के बाहर को संस्थान के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तक व्यापक पहुंच प्रदान की जा सके।
- संस्थान के शिक्षण/प्रशिक्षण संकाय की व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ संकाय सदस्यों के लिए आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित करना।
- प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ छात्र आदान–प्रदान कार्यक्रमों का प्रबंधन, जिसमें छात्र अपनी पसंद के विषय में दक्षता हासिल कर पाएंगे।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ छात्रों के लिए इंटर्नशिप चलाना और रोजगार दिलाने की व्यवस्था करना ताकि उन्हें व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं के लिए आवश्यक परस्पर अनुभव प्राप्त कर सके, इस प्रकार, उन्हें वैश्विक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा सके।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के मौजूदा पाठ्यक्रम की समीक्षा करना ताकि उन्हें रोजगार एजेंसियों की जरूरतों के

अनुरूप बनाया जा सके और देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के मानकों के साथ समानता सुनिश्चित की जा सके।

- संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रमों के अनुसंधान, प्रशिक्षण और शिक्षण में सहायता के लिए डॉक्टरेट फेलोशिप की प्रदान करना
- संस्थान के छात्रों और संकायों को विशेषज्ञ अकादमिक प्रवचन प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों, प्रोफेसरों और उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता का उपयोग करना।

युवा अध्ययन में उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थान के रूप में, आरजीएनआईवाईडी ने निम्नलिखित मास्टर डिग्री प्रोग्राम (दो वर्ष की अवधि) चलाना जारी रखाः

- एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (डेटा साइंस)
- एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग)
- एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (साइबर सुरक्षा)
- एम.एससी. गणित
- एम.एससी. एप्लाइड मनोविज्ञान
- एम.ए. अंग्रेजी
- एम.ए. समाजशास्त्र
- एम.ए. विकास अध्ययन
- एम.ए. लोक प्रशासन
- एम.एस.डब्ल्यू. (युवा और सामुदायिक विकास)

आरजीएनआईवाईडी द्वारा चलाए ज रहे ये स्नातकोत्तर कार्यक्रम सामग्री और संरचना के मामले में अद्वितीय हैं जो छात्रों को युवा कार्य और समकालीन मुद्दों के बारे में दक्षता और सैद्धांतिक ज्ञान से लैस करने के लिए एक अंतःविषय दृष्टिकोण को अपनाते हैं। विद्वानों की खोज और क्षेत्र अभ्यास का एक विवेकपूर्ण मिश्रण, प्रत्येक पीजी कार्यक्रम शिक्षार्थियों को युवा विकास में पेशेवरों के रूप में ढालता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अलावा, आरजीएनआईवाईडी निम्नलिखित स्नातक कार्यक्रम चलाता हैः

- बी.वोक. परिधान निर्माण और उद्यमिता
- बी.वोक. फैशन डिजाइन और रिटेल

ये कार्यक्रम देश भर के 25 केंद्रों के माध्यम से आरजीएनआईवाईडी, परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) और परिधान प्रबंधन संस्थान (आईएएम) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से पेष चलाए जाते हैं।

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल (डब्ल्यूडब्ल्यूआई), मुंबई आरजीएनआईवाईडी से संबद्ध है और फिल्म प्रौद्योगिकी से संबंधित निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत कर रहा हैः

- बीएससी. (एनीमेशन)
- बीएससी. (फिल्म निर्माण)
- बीएससी. (गेम डिजाइन)
- बी.ए. (फैशन)
- बी.ए. (विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइन)
- बीबीए. (इवेंट मैनेजमेंट)
- बीबीए. (मीडिया और संचार)
- एमए. (फिल्म निर्माण)
- एमए. (कॉस्ट्यूम डिजाइन)
- एमबीए। (इवेंट मैनेजमेंट)
- एमबीए। (मीडिया और मनोरंजन)
- एनिमेशन में पीजीडी
- गेम डिजाइन में पीजीडी
- विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइन में पीजीडी

आरजीएनआईवाईडी ने 2020 से 2022 के दौरान नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), जालंधर और एनआईटी त्रिची और उद्योग जगत के साथ मिलकर डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर युवाओं के लिए एक सप्ताह के निरूशुल्क ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया।

आरजीएनआईवाईडी विभिन्न विषयों में युवा संबंधी और अंतर–विषयक डॉक्टरेट कार्यक्रमों की पेशकश भी कर रहा है। 2020–2022 के दौरान, संकाय सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रभावी पत्रिकाओं में काफी संख्या में लेख प्रकाशित किए।

अध्याय – 8

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) स्कीम राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है, नामतः

क. युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण

ख. राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय अखण्डता शिविर, अंतर राज्य युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम, युवा महोत्सव, बहु–सांस्कृतिक गतिविधियां आदि)।

ग. साहस का संवर्धनय तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

घ. किशोर विकास और सषक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस आदि)

ङ. तकनीकी और संसाधन विकास (युवा संबंधी मुद्दों पर अनुसंधान और अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)

परिचालन दिशानिर्देश

सहायता के पात्र संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, षिक्षा संस्थान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह के किषोर होते हैं। स्कीम के तहत प्रत्येक प्रकार की गतिविधि के लिए सहायता के वित्तीय मानदंड स्कीम में दिए गए हैं।

सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता वाली परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर सहायता स्वीकृत की जाती है।

26वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव

एनपीवाईएडी के घटक (बी) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के तहत, स्वामी विवेकानंद (12 जनवरी) की जयंती मनाने के लिए हर साल जनवरी के महीने में एक राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाता है, जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह महोत्सव किसी ऐसे राज्य में आयोजित किया जाता है जो इसकी मेजबानी करने के लिए इच्छुक और सुसज्जित है। व्यय केंद्र और मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में युवा शिखर सम्मेलन, ध्यान और योग कार्यशाला, स्वदेशी खेल जागरूकता कार्यकलाप, विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा कृति (युवा क्लबों द्वारा बनाई गई वस्तुओं की प्रदर्शनी), फूड फेस्टिवल, युवा कलाकार शिविर, साहसिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

इस वर्ष, 26वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव (**एनवाईएफ**) 12 से 16 जनवरी, 2023 तक हुबली – धारवाड़, कर्नाटक में आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न भागों से कुल 6,815 युवाओं ने भाग लिया।

युवाओं में रचनात्मकता को बढ़ावा देने और उन्हें महोत्सव से जोड़ने के उद्देश्य से **थीम, लोगो और मास्कट** के बारे में जनता से सुझाव आमंत्रित किए गए थे। 70 लोगो, 9 थीम, 11 मास्कट संबंधी प्रविष्टियां प्राप्त हुईं तथा लोगो और मास्कट प्रत्येक के लिए 50,000 रुपये उस युवा व्यक्ति को दिए गए जिसने इन्हें डिजाइन किया था। महोत्सव के लिए थीम, लोगो और मास्कट कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री तथा माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा 7 जनवरी 2023 को वर्चुअल मोड में लॉन्च किए गए है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 से संबंधित समस्त सूचनाओं को प्रस्तुत करने और सभी प्रतिभागियों के ऑनलाइन पंजीकरण को सक्षम करने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा एक वेबसाइट शुरू की गई थी। महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की अनुसूची तथा उनका आयोजन–स्थल भी वेबसाइट पर डाला गया ताकि युवा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले सकें। वेबसाइट का यूआरएल इस प्रकार हैः https://nationalyouth

festival2023-com/A

इस महोत्सव का उद्घाटन 12 जनवरी 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पिछले 10 वर्षों में पहली बार वास्तविक मोड में किया गया था। उनके उद्घाटन भाषण में लगभग 30000 लोग कार्यक्रम स्थल नामतः हुबली में रेलवे खेल मैदान पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न सोशल मीडिया मंचों नामतः फेसबुक और यूट्यूब पर किया गया। साथ ही, कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज और अन्य मीडिया चौनलों पर भी किया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम को सीधा वेबकास्ट भी किया गया।

ये कार्यकलाप मोटे तौर पर महोत्सव के प्रत्येक दिन 4 चरणों में आयोजित किए गए थे। जागी–जागी सुबहें (माइन्ड्फल मॉर्निंग्स); युवा शिखर सम्मेलनय स्वदेशी खेल जागरूकता और सांस्कृतिक संध्या।

जागी–जागी सुबह के सत्र में, युवाओं को स्वयं में स्वास्थ्यकर आदतें पैदा करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए ध्यान एवं योग कार्यशालाओं में भाग लेने का अवसर दिया गया। इस सत्र के दौरान, एक विशाल समारोह अर्थात 15 जनवरी 2023 को योगाथन का आयोजन किया गया था, जिसमें कर्नाटक भर से कुल 4,05,255 लोगों ने भाग लिया था, इस आयोजन ने 2018 में राजस्थान में भाग लेने वाले 1,00,984 लोगों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर एक विश्व रिकॉर्ड बनाया।

भारत ने इस वर्ष जी20 की अध्यक्षता संभाली है। यूथ 20 (वाई20–जी20) नियोजन के अंतर्गत, राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2023 के दौरान युवा शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए निम्नलिखित पांच विषय तय किए गए, जो वर्तमान सामाजिक–सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मुद्दों के अनुरूप हैं:

1. कार्य, उद्योग, नवाचार और 21वीं सदी के कौशलों का भविष्य
2. जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम में कमी लाना
3. शांति स्थापना और सुलह
4. साझा भविष्य – लोकतंत्र और अभिशासन में युवा
5. स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती

स्वदेशी खेल जागरूकता सत्रों में भाग लेने वाले युवाओं को विभिन्न स्वदेशी खेलों जैसे कलारीपयट्टू, कबड्डी, मल्ल–खंब, गटका आदि के बारे में जानने का अवसर मिला। लगभग 125 खिलाड़ियों ने अपने राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में खेले जाने वाले खेलों का प्रदर्शन किया।

माननीय प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न विषयगत घटकों को सम्मिलित किया गया। विषयों की समाभिरूपता के आधार पर कर्नाटक पविलियन के अधीन स्टॉल भी लगाए गए थे।

प्रतिभागी युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की विविध संस्कृति से परिचित कराने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए लोक नृत्य और लोक गीत जैसे प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोक नृत्य प्रतियोगिता में 31 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया जबकि लोक गीत प्रतियोगिता में 27 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया।

निम्नलिखित गैर–प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए:

1. **युवा कलाकारों का शिविर** जिसमें 194 युवा कलाकारों (91 स्थानीय कलाकारों सहित) को अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिला।
2. **साहसिक कार्यकलाप** का आयोजन किया गया जिनमें दीवार पर चढ़ने, स्कूबा डाइविंग, माउंटेन बाइकिंग आदि शामिल थे ताकि प्रतिभागी युवाओं में साहस की भावना को बढ़ावा दिया जा सके।
3. **युवाकृति** जिसमें युवा कारीगरों को अपनी कला और शिल्प का प्रदर्शन करने का अवसर देने के लिए 90 स्टॉल लगाए गए थे।
4. **फूड फेस्टिवल** जिसमें राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के बृहत लक्ष्य के साथ प्रतिभागी युवाओं को विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर देने के लिए 45 स्टॉल लगाए गए थे। वर्ष 2022–23 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किए जाने के कारण मिलेट मेले के साथ फूड फेस्टिवल के तहत स्टॉल भी लगाए गए थे। मिलेट से तैयार विभिन्न खाद्य पदार्थों वाले हैम्पर्स भी प्रतिभागियों के बीच वितरित किए गए।
5. **अग्निवीर स्टाल:** सेना में अपने करियर के अवसरों के बारे में युवाओं को जागरूक करने और उन्हें सरकार की अग्निवीर योजना से परिचित कराने के लिए भारतीय सेना द्वारा एक स्टाल भी लगाया गया था। स्टॉल पर प्रतिदिन 1000 युवाओं का आना–जाना लगा रहता था।

महोत्सव का समापन समारोह 16 जनवरी 2023 को कर्नाटक के माननीय राज्यपाल, कर्नाटक के माननीय

मुख्यमंत्री तथा माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। समापन समारोह के दौरान, 19 व्यक्तियों और 6 संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2019–20 प्रदान किए गए। इसके अलावा, महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों नामतः लोकनृत्य, लोकगीत और योगाथन के लिए भी पुरस्कारों का वितरण किया गया।

देश भर के युवा इस मंत्रालय के विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से इस महोत्सव के विभिन्न आयोजनों से जुड़े। संबंधित आँकड़े इस प्रकार हैं:

सोशल मीडिया रिपोर्ट #NYF2023 दिनांक (16/01/2023 तक)			
प्लैटफॉर्म	**पोस्ट की संख्या**	**इंप्रेशन की संख्या**	**नियुक्ति की संख्या**
ट्विटर	25,235	1,91,88,919	1,24,38,668
फेसबुक	20,633	1,54,89,609	1,52,60,963
इंस्टाग्राम	22,909	1,65,13,051	1,21,56,094
कुल	68,777	5,11,91,579	3,98,55,725

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2022 के लिए, यह समारोह युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2022 के सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से 31,35,800 लोगों तक पहुंचा। एनवाईकेएस (45,61,000) और एनएसएस (23,30,561) के सोशल मीडिया मंचों से इस पहुंच को और बढ़ाया गया, जिससे कुल पहुंच संख्या 1,00,27,361 हो गई।

26वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव ऐसा पहला हरित महोत्सव था जिसमें पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाया गया था जैसे एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाना, 3 आर (रीसायकल, रीयूज और रिडयूज) आदि के उपयोग पर जोर देना।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

राष्ट्र निर्माण/सामुदायिक सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा व्यक्तियों और गैर सरकारी संगठनों को हर वर्ष राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 1,00,000/– रुपये का नकद पुरस्कार एक पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है। स्वैच्छिक युवा संगठनों को दिए जाने वाले पुरस्कार में प्रमाणपत्र, पदक और 3,00,000/–रुपये की राशि शामिल होती है। कर्नाटक के हुबली–धारवाड़ में 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के समापन समारोह के दौरान 16.01.2023 को 19 व्यक्तियों और 6 संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2019–20 प्रदान किया गया।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार (टीएनएनएए)

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार भूमि, समुद्र और वायु पर साहसिक कार्य के क्षेत्र में हासिल उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार साहसिक कार्य के क्षेत्र में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए भी दिया जाता है। इस पुरस्कार में प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक कांस्य प्रतिमा, प्रमाणपत्र, रेशमी टाई/साड़ी के साथ एक ब्लेजर और 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दिया जाना शामिल है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समकक्ष है। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा विभिन्न खेल पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष, तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2021 दिनांक 30.11.2022 को 3 व्यक्तियों को भूमि, जल और लाइफ टाइम अचीवमेंट की तीन श्रेणियों में साहसिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस

17वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) कार्यक्रम के दौरान, युवा प्रवासी भारतीय दिवस विदेश मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी में 8.1.2023 को ''नवाचारों और नई प्रौद्योगिकियों में प्रवासी युवाओं की भूमिका'' विषय पर मनाया गया। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि ऑस्ट्रेलिया की संसद सदस्य सुश्री जैनेटा मैस्करेनहस थीं।

अध्याय – 9

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

विभाग विभिन्न युवा मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं के बीच एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य बनाने का प्रयास करता है। विभाग संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ विभिन्न युवा–संबंधित मुद्दों पर भी सहयोग करता है। विभाग ने कौशल प्रषिक्षण प्रदान करने और युवाओं को लाभकारी रोजगार प्रदान करने के लिए जुलाई, 2020 से **संयुक्त राष्ट्र बाल कोष** (यूनिसेफ) के साथ सहयोग शुरू किया है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा आदान – प्रदान कार्यक्रम (आईवाईईपी)

विभिन्न देषों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और शांति और समझ को बढ़ावा देने के लिए मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान पारस्परिक आधार पर किया जाता है। इससे युवाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।

चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मालदीव, श्रीलंका, नेपाल, बहरीन, रूस, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान आदि के साथ नियमित वार्षिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हालांकि, महामारी के कारण, वित्त वर्ष 2022–2023 के दौरान अधिकांश युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए हैं। हालाँकि, भौतिक रूप में भी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

वित्तीय वर्ष 2022–23 ख्01.04.2022 से 31.12.2022, के दौरान आयोजित युवा विनिमय कार्यक्रमों एवं अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

1.	19–20 अप्रैल, 2022 के दौरान न्यूयॉर्क में वर्चुअल मोड में आयोजित आर्थिक और सामाजिक परिषद युवा मंच में भाग लेने के लिए इस विभाग द्वारा एक भारतीय युवा प्रतिनिधि नामित किया गया।
2.	संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) ने 23 मई और 30 मई 2022 को 15वीं एससीओ युवा परिषद की बैठक की तैयारी के लिए वर्चुअल विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया।
3.	19–21 जून, 2022 तक राष्ट्रमंडल युवा मंच में भाग लेने के लिए 3–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का रवांडा दौरा हुआ।
4.	सचिव (युवा कार्यक्रम) और निदेशक (आईसी) ने 17–24 जुलाई, 2022 तक इंडोनेशिया में आयोजकों के गोलमेज सम्मेलन (अनुषंगी कार्यकलाप) में अधिकारियों और प्रतिभागियों के रूप में वाई20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
5.	माननीय मंत्री ने 2 अगस्त 2022 को 11:00 बजे (मास्को समयानुसार) द्वितीय ब्रिक्स युवा शिविर के उद्घाटन समारोह में पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश द्वारा अपनी बात कही।
6.	संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) ने 3 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित 11वें भारत–दक्षिण अफ्रीका विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी–) में भाग लिया।
7.	संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम ने 14 सितंबर, 2022 को पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश के माध्यम से चीन में ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
8.	सचिव (युवा कार्यक्रम) ने 22 सितंबर, 2022 को इंडोनेशियन यूथ डिप्लोमेसी के अधिकारी, श्री माइकल विक्टर सियानिपर (वाई20 इंडोनेशिया सह–अध्यक्ष) और यूनिसेफ/युवाह के साथ 2023 में भारत की वाई 20 अध्यक्षता पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।
9.	12–19 अक्तूबर, 2022 तक बांग्लादेश के 102–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा।
10.	श्री देवाशीष भारद्वाज (उप सचिव) ने 14 अक्तूबर, 2022 को वर्चुअल मोड में 6वीं राष्ट्रमंडल युवा

	मंत्रिस्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में भाग लिया। बैठक किगाली, रवांडा में आयोजित की गई थी।
11.	2–9 नवंबर, 2022 तक वियतनाम के 5–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा।
12.	17–23 नवंबर, 2022 तक मध्य एशियाई देशों (किर्गिस्तान, कजाकस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान) के 80 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा।
13.	श्री सिबनाथ देब (निदेशक, आरजीएनआईवाईडी) ने 06 दिसंबर, 2022 को प्री–10 सीवाईएमएम मंत्रिस्तरीय वक्तव्य वर्चुअल ड्राफ्टिंग सत्र में भाग लिया।

बांग्लादेश युवा प्रतिनिधिमंडल ने 12 से 19 अक्टूबर, 2022 तक भारत का दौरा किया

वियतनाम युवा प्रतिनिधिमंडल ने 02 से 09 नवंबर, 2022 तक भारत का दौरा किया

मध्य एशियाई देशों (किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान) के युवा प्रतिनिधिमंडल ने 17 से 23 नवंबर, 2022 तक भारत का दौरा किया

विदेशी प्रतिनिधियों को माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया

यह मंत्रालय भागीदार देशों के साथ वास्तविक रूप में युवा विनिमय कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग के पास अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रमों और युवा मामलों पर सहयोग के लिए विभिन्न देशों नामतः आर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, बेलारूस, ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, कुवैत, किर्गिस्तान, मोरक्को, नेपाल, फिलिस्तीन, रूस, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, ट्यूनीशिया, वियतनाम, फिजी, मालदीव, ग्रीस, तुर्कमेनिस्तान, सेनेगल, सऊदी अरब, मिस्र और एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के साथ 25 समझौता ज्ञापन/संयुक्त वक्तव्य हैं। कुछ और देशों नामतः सर्बिया, मलावी, जर्मनी, उज्बेकिस्तान, म्यांमार और अजरबैजान के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के संबंध में कार्य चल रहा है।

यूएन एजेंसियों/सीवाईपी के साथ सहयोगः

संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी):

मंत्रालय विभिन्न युवा मुद्दों पर इन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का प्रयास कर रहा है। मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग की मंजूरी के साथ यूएनवी कार्यक्रम में भारत के स्वैच्छिक योगदान के रूप में प्रति वर्ष 20,000 अमेरिकी डॉलर जारी करता है।

एनवाईकेएस और एनएसएस का सुदृढ़ीकरणः

वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से वित्तीय वर्ष 2015–16 में ''एनवाईकेएस और एनएसएस के सुदृढ़ीकरण'' के लिए यूएनडीपी/यूएनवी के साथ संयुक्त रूप से विकसित एक परियोजना शुरू की गई है। परियोजना का पहला चरण 2018 में 29 जिलों को कवर करते हुए समाप्त हुआ। आर्थिक कार्य विभाग के परामर्श और उचित अनुमोदन के बाद, 2018–20 से ''एनवाईकेएस और एनएसएस को मजबूत करने'' पर परियोजना के चरण–II के कार्यान्वयन के लिए इस विभाग और यूएनडीपी/यूएनवी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। परियोजना के लिए जनशक्ति की भर्ती, प्रशिक्षण और क्षेत्र में तैनाती की गई है। चरण II (2018–20 और बिना किसी अतिरिक्त लागत के 31 दिसंबर, 2022 तक विस्तारित) में परियोजना को भारत के 29 से 58 जिलों तक विस्तारित किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक जिला युवा समन्वयक (यूएनवी डीवाईसी) रखे गए हैं।

आशय का विवरण (एसओआई):

मंत्रालय ने 20.07.2020 को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ भारत में 'युवा, जनरेशन अनलिमिटेड (जेनयू)' की स्थापना के लिए एक **स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट** (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए, ताकि युवाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक, नागरिक और आर्थिक पहल में। उनकी सार्थक सहभागिता और भागीदारी को सुविधाजनक बनाकर उनकी क्षमता विकसित की जा सके। इस पहल के तहत, युवाह साझेदारी के तहत सहयोग और अवसरों पर एनएसएस और एनवाईकेएस की सहभागिता के लिए और राज्य कार्य योजनाओं के विकास के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर की बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी):

सीवाईपी (CYP) 1973 से अस्तित्व में है और पहले यह लंदन में मुख्यालय और भारत, गुयाना, जाम्बिया और सोलोमन द्वीप में 4 क्षेत्रीय केंद्रों से संचालित किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान, सीवाईपी ने चंडीगढ़ सहित अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया। भारत राष्ट्रमंडल सचिवालय को वार्षिक वचबद्ध राशि का योगदान देता है। वर्ष 2021–22 के लिए भारतीय वार्षिक योगदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को जीबीपी 143,562 (लगभग 1.46 करोड़ रुपये) का योगदान दिया गया है।

यूथ 20 (वाई20) शिखर सम्मेलन–पूर्वावलोकन कार्यक्रमः

जी–20 फ्रेमवर्क के तहत, युवा कार्यक्रम विभाग को यूथ–20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य वाई20 (Y20) के पूर्व कार्यक्रमों के रूप में, विभाग ने विभिन्न कार्यकलाप/कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है।

उपर्युक्त के अनुसरण में, युवा कार्यक्रम विभाग ने वाई20 सचिवालय – डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन (एसपीएमआरएफ) के सहयोग से 6 जनवरी 2023 को आकाशवाणी रंग भवन, नई दिल्ली में वाई20 शिखर सम्मेलन के लिए पूर्वावलोकन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पूर्वावलोकन कार्यक्रम में लगभग 500 आमंत्रित व्यक्तियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में वाई20 सचिवालय के प्रतिनिधियों, नॉलेज पार्टनर्स के प्रतिनिधियों, वाई20 के पूर्व–प्रतिनिधियों, एनवाईकेएस और एनएसएस के स्वयंसेवकों/युवाओं, मंत्रालय/एनवाईकेएस/एनएसएस के अधिकारियों, अन्य युवा प्रतिनिधियों और युवा नेताओं की भागीदारी देखी गई। आयोजन के दौरान, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने वाई20 शिखर सम्मेलन भारत की थीम, लोगो और वेबसाइट लॉन्च की।

उपर्युक्त के अलावा, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग ने विभिन्न वाई20 परामर्शों के आयोजन के लिए 14 विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

G20 भारत 2023 INDIA

Y20 भारत 2023 INDIA

एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य

यूथ 20 स्थापना बैठक (06 – 08 फरवरी 2023 गुवाहाटी, असम):

भारत की जी20 अध्यक्षता के अंतर्गत, यूथ20 समूह की पहली स्थापना बैठक 6–8 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित की गई थी, ताकि राष्ट्र के युवाओं से बेहतर कल के लिए नए विचारों पर परामर्श किया जा सके और पांच चिह्नित वाई20 विषयों पर कार्रवाई के लिए कार्यसूची तैयार की जा सके।

आयोजन के पूर्व–कार्यक्रमों के रूप में, असम के लगभग 36 कॉलेजों में 10,000 छात्रों ने वाई20 पर सेमिनार, वाद–विवाद, कार्यशालाओं और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। लगभग 4000 स्कूलों में 10 लाख छात्रों ने भाग लिया। मुख्य कार्यक्रमों में 21 विदेशी प्रतिनिधियों और 200 भारतीय प्रतिनिधियों ने भाग

6 फरवरी को, सांस्कृतिक संध्या आयोजन के बाद एक आइस–ब्रेकर कार्यकलाप आयोजित किए गए थे। सांस्कृतिक संध्या के दौरान लाचित घाट द्वीप पर गायक पापोन ने प्रस्तुति दी।

7 फरवरी, 2023 को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आईआईटी गुवाहाटी में सभी प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद में भाग लिया। उन्होंने कहा कि वाई20 समूह युवा केंद्रित प्रयासों की मिसाल बनेगा। वाई20 शिखर सम्मेलन युवाओं द्वारा विचारित नीतिगत उपायों को प्रदर्शित करेगा।

बैठक के दौरान निम्नलिखित विषयों पर कुल 5 पैनल चर्चाएँ हुईं:

- कार्य का भविष्यः उद्योग 4.0, नवाचार और 21वीं सदी के कौशल
- जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम में कमी लानाः संपोषणीयता को जीवन का एक तरीका बनाना
- शांति स्थापना और सुलहः युद्ध रहित युग की शुरुआत
- साझा भविष्यः लोकतंत्र और अभिशासन में युवा
- स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और खेलः युवाओं के लिए एजेंडा

उपर्युक्त पैनल चर्चाओं में निम्नलिखित गणमान्य लोगों ने भाग लियाः

- जनरल वी. के सिंह (केंद्रीय राज्य मंत्री, पूर्व सेनाध्यक्ष)
- तेजस्वी सूर्य (बेंगलूरू से संसद सदस्य)
- लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ (पूर्व सेना कमांडर और रणनीति विशेषज्ञ)
- बिपुल कलिता उर्फ प्रदीप भराली, शिवसागर, असम के निवासी (यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम–उल्फा के पूर्व सदस्य)।
- बिन्यूअल वारी, (नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोरोलैंड–एनडीएफबी के पूर्व सदस्य)।
- ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (पुलिस महानिदेशक, असम)
- श्री हिरेन चंद्र नाथ एडीजीपी, असम।
- डॉ. उमा महेश्वर, जीई एविएशन में मुख्य परामर्श इंजीनियर।
- प्रेम कुमार, आईआईटी गुवाहाटी के पूर्व छात्र, मारुतड्रोनेटेक के संस्थापक।
- डॉ जी डी धानुका, उद्योगपति।
- डॉ मुथुकुमार, प्रोफेसर आईआईटी गुवाहाटी, तिरुपति हाइड्रोजन एनर्जी लैब।
- श्रीमती सरिता देवी, विश्व चैंपियन मुक्केबाज।
- ओ डॉ आशिमा हाओबिजम।
- सुश्री श्रेयसी सिंह, खिलाड़ी।

8 फरवरी, 2023 को समापन समारोह आयोजित किया गया। माननीय शिक्षा मंत्री, असम सरकार ने युवा कार्यक्रम और खेल के माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को 5 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए। युवा कार्यक्रम और खेल के माननीय केंद्रीय कैबिनेट मंत्री द्वारा श्वेत पत्र जारी करके समापन समारोह की निष्पत्ति की गई।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर और असम के शिक्षा मंत्री श्री रणोज पेगू, द्वारा श्वेत पत्र का विमोचन, अध्यक्ष वाई20 अनमोल सोवित, युवा कार्यक्रम विभाग और असम सरकार के अधिकारी

अध्याय – 10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

वर्ष 2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में, युवाओं में नेतृत्व गुणों को विकसित करने के उद्देश्य से एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर, 2014 में शुरू की गई थी ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी, राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप, 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के युवा हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य एक संस्थागत मंच तैयार करना है जहां युवा अपने विचारों को व्यक्त कर सकें और स्थानीय प्रशासन का ध्यान ऐसे मुद्दों/चिंताओं की ओर आकर्षित कर सकें जो उनके जीवन को प्रभावित करते हैं, युवाओं को समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में शिक्षित किया जा सके और वे सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण गतिविधियों पर अपने विचार और अनुभव साझा कर सकें। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, विषयों की आठ श्रेणियों से मुद्दे तैयार किए गए। कार्यक्रमों के दौरान विषय विशेषज्ञों के अलावा बड़ी संख्या में माननीय सांसदों, माननीय मंत्रियों जनप्रतिनिधियों पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, युवा क्लबों के सदस्यों और युवा स्वयंसेवकों ने कार्यक्रमों के विचार–विमर्श के दौरान भाग लिया।

नेबरहुड यूथ पार्लियामेंटः

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनवाईकेएस को जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तरों पर 'नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट' (एनवाईपी) नामक योजना के अपने प्रमुख घटक को लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

एनवाईपी के उद्देश्य निम्नानुसार हैंः

- ग्राम स्तर तक एक ऐसा संस्थागत मंच तैयार करना, जहां युवा विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त कर सकें और उनके जीवन को प्रभावित करने वाले ऐसे मुद्दों/सरोकारों की ओर स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर सकें।
- जीवंत 'नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट' के रूप में युवा क्लबों के मंच को और विकसित करना ताकि युवा क्लब के सदस्यों को ऐसे समसामयिक सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में जानकारी दी जा सके जो सामान्यतः स्थानीय समुदायों और विशेषतः युवाओं का सामने खड़े हैं और उन्हें ऐसे मुद्दों पर चर्चा/वाद–विवाद में शामिल करना।
- उनके अनुभव और विचार साझा करना; पंचायती राज संस्थाओं, विकास भागीदारों, सेवा प्रदाताओं, ग्राम समुदायों और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 'नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट' के माध्यम से समाज और विशेष रूप से युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करना।
- समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों और महिला मंडलों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत करना और उन्हें बढ़ावा देना।

जिला स्तरीय आस पड़ोस युवा संसद

प्रतिवेदन अवधि के दौरान, 3.13 लाख युवाओं की भागीदारी के साथ 481 जिला स्तरीय 'नेबरहुड यूथ पार्लियामेंट' आयोजित की गईं।

अध्याय – 11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावास, युवा यात्रा को बढ़ावा देने और युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने में सक्षम बनाने के लिए बनाए गए हैं। युवा छात्रावास का निर्माण केंद्र और राज्य सरकारों का संयुक्त उपक्रम है। जहां निर्माण की लागत केंद्र सरकार वहन करती है, वहीं राज्य सरकार पूरी तरह से पानी की आपूर्ति, बिजली और पहुंच सड़कों के साथ मुफ्त विकसित भूमि प्रदान करती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्य के क्षेत्रों, शैक्षिक केंद्रों, पर्यटन स्थलों आदि में स्थित है। युवा छात्रावास युवाओं के लिए उचित दरों पर अच्छा आवास प्रदान करते हैं, और इनकी देखरेख केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों और वार्डन द्वारा की जाती है।

देश भर में कुल 84 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है और कोटा में एक और युवा छात्रावास निर्माणाधीन है। 84 युवा छात्रावासों में से, 11 छात्रावासों को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को युवाओं और खेल विकास के लिए इष्टतम उपयोग के लिए हस्तांतरित कर दिया गया है। युवा छात्रावासों की सूची **अनुबंध–IV और V** में है। तीन युवा छात्रावास, अर्थात् डलहौजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान) और मैसूर (कर्नाटक) को आईएसओ 9001 प्रमाणन मिला है।

चालू वित्तीय वर्ष यानी 2022–23 में युवा छात्रावास स्कीम के तहत, 6 करोड़ रुपये का बजट आवंटन है जिसमें तीन घटक शामिल हैं प्रबंधकों और वार्डनों को मानदेय जारी करना, नए युवा छात्रावासों का निर्माण और युवा छात्रावासों की मरम्मत/नवीनीकरण।

अध्याय – 12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

देश में स्काउट और गाइड आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए, स्काउटिंग और गाइडिंग की योजना, जो एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू की गई थी। यह एक अंतरराष्ट्रीय आंदोलन है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र, आत्मविश्वास का निर्माण करना, आदर्शवाद और देशभक्ति की भावना और सेवा पैदा करना है। इस प्रक्रिया में

स्काउटिंग और गाइडिंग का उद्देश्य भी लोगों के बीच संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना चाहता है।

योजना के तहत विभिन्न कार्यक्रमों जैसे प्रशिक्षण षिविरों का आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, जंबोरियों का आयोजन आदि के लिए स्काउटिगं और मार्गदर्शन सगंठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। गतिविधियों में अन्य बातों के साथ–साथ वयस्क साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता और सफाई के संवर्धन से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएस एंड जी) और हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स (एचएसएंड जी) नामक दो गैर–सरकारी संगठन हैं जिन्हें स्काउटिगं आरै गाइडिगं की गतिविधियों के संचालन के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। देशभर में वर्ष 2021–22 के दौरान विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों के संचालन के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 37.50 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की।

सत्यमेव जयते

खेल विभाग

विषय–सूची

खेल विभाग

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
1.	खेल विभाग का परिचय	79
2.	वित्त वर्ष 22–23 में खेल में महत्वपूर्ण कार्यक्रम	82
3.	खेलो इंडिया	84
4.	खिलाडियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएँ	96
5.	खेल विभाग के प्रमुख संस्थान	104
6.	खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की योजनाएँ	140
7.	खेलों में समावेशिता	144
8.	2022–23 के दौरान खेलों में अन्य प्रमुख कार्यक्रम	147
9.	अनुबंध	151

अध्याय – 13

खेल

राष्ट्र में खेलों की भूमिका अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए राष्ट्र के लिए एक मंच बनने से राष्ट्र के समग्र विकास के लिए एक बहुआयामी घटक में बदल गई है। हाल ही के दिनों में खेल एक स्वस्थ राष्ट्र, प्रमुख आर्थिक गतिविधि और सामुदायिक जुड़ाव का मंच बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, इसके अलावा यह राष्ट्र को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए मंच बना रहा है।

भारत सरकार राष्ट्र–निर्माण में खेलों की भूमिका को भलीभांति पहचानती है और इस विभाग के माध्यम से एथलीटों और खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अन्य प्रमुख हितधारकों को खेल के संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कई प्रमुख योजनाओं और पहलों को लागू कर रही है। देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रमुख खेल राष्ट्रों के बराबर विकसित करने के लिए, खेल विभाग की गतिविधियों के दायरे को प्रमुख खेलो इंडिया योजना, राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना, और अनुसंधान, आदि राष्ट्रीय खेल विज्ञान केंद्र सहित विभिन्न प्रमुख पहलों के माध्यम से विस्तारित किया गया है।

शारीरिक शिक्षा, खेलकूद और खेल पिछले कई दशकों से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। हालाँकि, भारत ने 1982 में IX एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही नीति के विषय के रूप में ''खेल'' पर ध्यान देना शुरू किया। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए एक संगठित और व्यवस्थित ढांचा विकसित करने की दिशा में पहला कदम था और वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 की अग्रदूत थी।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 के दो पहलू राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ''खेलों का व्यापक आधार'' और ''खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करना'' हैं।

खेल विभाग (डीओएस) की योजनाएं

खेल विभाग की सभी योजनाओं को राष्ट्रीय खेल नीति–2001 में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''खेलों का व्यापक आधार'' और ''खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करना''। ऐसी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

1. खेलो इंडिया:

खेलो इंडिया योजना को खेलो इंडिया योजना (2021–22 से 2025–26) के रूप में संशोधित किया गया है, जिसमें संशोधित खेलो इंडिया योजना की मूल वस्तु/दृष्टि और संरचना को बरकरार रखा गया है। हालांकि, इस मंत्रालय के अनुभव के आधार पर संशोधित खेलो इंडिया योजना को लागू करने के साथ–साथ तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ताओं और अन्य हितधारकों के पुनर्मूल्यांकन/सिफारिशों के आधार पर, संशोधित खेलो इंडिया योजना (2021–22 से 2025–26) के घटकों को हटा दिया गया है। समान घटकों में से कुछ को परत वाले घटकों के साथ विलय/सम्मिलित करके पुनर्व्यवस्थित और युक्तिसंगत बनाया गया है, इस प्रकार बारह वर्टिकल को घटाकर पांच घटकों में बदल दिया गया है। संशोधित खेलो इंडिया योजना के 5 घटक हैं: खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन; खेल प्रतियोगिता और प्रतिभा विकास; खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां; फिट इंडिया मूवमेंट; और खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना।

खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता हासिल करना है और साथ ही पूरे देश में खेलों को प्रोत्साहित करना है, जिससे लोग अपने क्रॉस–कटिंग प्रभाव, अर्थात् बच्चों और युवाओं के समग्र विकास के माध्यम से खेल की शक्ति का उपयोग कर सकें, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसर हासिल कर सकें।

खेलो इंडिया योजना के माध्यम से विभिन्न प्रमुख खेल विकास पहल की जा रही हैं जिनमें शामिल हैं: –

- 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 250 स्वीकृत बुनियादी ढांचा परियोजनाएं।
- खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया विंटर गेम्स आदि सहित अंतर्राष्ट्रीय मानकों की वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

- खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थापित किया गया था।
- 700 से अधिक खेलो इंडिया जिला केंद्र समर्थित हैं।
- इस योजना के माध्यम से पहचाने गए एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए 250 से अधिक अकादमियों को मान्यता दी गई है।
- 2800+ एथलीटों की पहचान की गई है और उन्हें इस योजना के माध्यम से आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस और अन्य सहायता प्रदान की जाती है
- गतका, थंग–ता, कलरीपयट्टू, मल्लखंब, योगासन सहित स्वदेशी खेलों को बढ़ावा दिया जाता है।
- 10 खेल विधाओं के लिए विशेष महिला लीग/प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं

2. राष्ट्रीय खेल संघों को सहायताः

इस योजना के तहत, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल संघों (NSFs) और अन्य खेल संगठनों को भारत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने, विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने, कोचिंग शिविर आयोजित करने, खेल उपकरण खरीदने, और विदेशी कोच की सेवा लेने के लिए सहायता प्रदान करती है।

3. नकद पुरस्कारः

अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों के लिए नकद पुरस्कार की योजना वर्ष 1986 में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने और युवा पीढ़ी को खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। इस योजना के तहत, पुरस्कार विजेता उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में उनकी उपलब्धियों के लिए ₹1.00 लाख से ₹75 लाख तक का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

4. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (एनएसए):

राष्ट्रीय खेल दिवस (अर्थात् 29 अगस्त) को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्कृष्ट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेलों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को एनएसए प्रदान किए जाते हैं। एनएसए में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार, मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल हैं।

इन पुरस्कारों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया हैः

- **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार** वर्ष 1991–92 में शुरू किया गया था, यह योजना किसी खिलाड़ी को खेल के क्षेत्र में उसके शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ₹25.00 लाख के नकद पुरस्कार के साथ एक पदक देने के लिए है। इसमें जिस वर्ष के दौरान पुरस्कार दिया जाना है, उससे ठीक पहले के चार वर्षों की अवधि का मापदंड है।
- **अर्जुन पुरस्कार** 1961 में स्थापित किया गया था और यह उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, और नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन की भावना का प्रदर्शन किया है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹15.00 लाख की पुरस्कार राशि दी जाती है।
- **द्रोणाचार्य पुरस्कार** 1985 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उन प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और आजीवन श्रेणी में ₹15.00 लाख और नियमित श्रेणी में ₹10.00 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है।
- **खेलों और क्रीड़ा में लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 2002 में की गई थी। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्ति के बाद भी खेलों को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक मूर्ति, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹10.00 लाख का पुरस्कार दिया जाता है।
- **मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफीः** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, इंटर–यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स

टूर्नामेंट में समग्र विजेता विश्वविद्यालय को ₹15.00 लाख के नकद पुरस्कार के साथ एमएकेए ट्रॉफी दी जाती है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः ₹7.5 लाख और ₹4.5 लाख प्रत्येक को नकद पुरस्कार दिया जाता है।

- राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल के विकास में किए गए योगदान को मान्यता देने के लिए, सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, खेल को बढ़ावा देना उत्कृष्टता की अकादमियां, एलिट खिलाड़ियों को सहायता और खिलाड़ियों को रोजगार।

5. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशनः

वर्ष 1994 में शुरू की गई इस योजना क`तहत, वे खिलाड़ी, जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक खेलों, विश्वकप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं, और जिन्होंने आयु प्राप्त कर ली है 30 वर्ष के हैं, और एक सक्रिय खेल कैरियर से सेवानिवृत्त हुए हैं, वे आजीवन पेंशन के पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें ₹12,000/– से ₹20,000/– प्रतिमाह हैं।

6. पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण कोषः

खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष (PDUNWFS) की स्थापना मार्च, 1982 में अतीत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सहायता करने की दृष्टि से की गई थी, जो अभावग्रस्त परिस्थितियों में रह रहे थे, जिन्होंने खेलों में देश का गौरव बढ़ाया था। चिकित्सा उपचार सहित विभिन्न आधारों पर फंड से सहायता की मात्रा ₹ 2 लाख से ₹ 10 लाख तक है।

7. खेलों में मानव संसाधन विकासः

खेल में मानव संसाधन विकास की योजना, एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना, 'प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण की योजना' के गहन संशोधन के बाद वित्तीय वर्ष 2013–14 में डीओएस द्वारा शुरू की गई थी। योजना का मुख्य फोकस खेल प्रबंधन के अकादमिक और बौद्धिक पक्ष पर जोर देना है, जहां मानव संसाधन अपर्याप्त पाए जाने वाले खेल और खेलों के विशिष्ट विषयों में मास्टर्स और डॉक्टरेट स्तर पर विशेष अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फैलोशिप प्रदान करते हैं।

8. राष्ट्रीय खेल विकास कोषः

राष्ट्रीय खेल विकास कोष (NSDF) की स्थापना 1998 में धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1890 के तहत निजी/कॉर्पोरेट क्षेत्र और अनिवासी भारतीयों सहित गैर–सरकारी स्रोतों से संसाधन जुटाने के उद्देश्य से की गई थी।

अध्याय – 14

वर्ष 2022–23 के दौरान खेलों में महत्वपूर्ण कार्यक्रमएं

1. खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी): केआईयूजी का दूसरा संस्करण 24.04.2022 से 03.05. 2022 तक जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक सहित 5 स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुल 3894 प्रतियोगियों ने मल्लखंभ और योगासन जैसे स्वदेशी खेलों सहित 20 विभिन्न विषयों में केआईयूजी में भाग लिया। उद्घाटन समारोह 24.04.2022 को कर्नाटक के माननीय राज्यपाल, माननीय खेल मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की शुभ उपस्थिति में कांथीरवा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। समापन समारोह 3 मई, 2022 को उसी स्थान – कांथीरवा स्टेडियम में आयोजित किया गया था, जिसमें माननीय गृह मंत्री की उपस्थिति थी। केआईयूजी, 2021 में जैन यूनिवर्सिटी ने मेडल टैली में टॉप किया, इसके बाद लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और पंजाब यूनिवर्सिटी का स्थान रहा।

2. थॉमस एंड उबेर कप: देश में खेल के क्षेत्र में दो ऐतिहासिक कार्यक्रम मई, 2022 में हुए, प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय थॉमस कप (बैडमिंटन) टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार भारतीय पुरुष टीम बैंकॉक, थाईलैंड में 14 बार के विश्व चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर चैंपियनशिप जीती। इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री ने 21 मई, 2022 को टीम के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सम्मान प्रदान किया। उबेर कप चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को भी सम्मानित किया गया। इसी तरह, डिफ्लैम्पिक्स ब्राजील 2021 के लिए भारतीय दल को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 21 मई, 2022 को देश के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए सम्मानित किया गया, जहां उन्होंने 16 पदक (8 स्वर्ण, 1 रजत और 7 कांस्य) जीते।).

3. खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG): खेलो इंडिया यूथ गेम्स (KIYG) का चौथा संस्करण, जो महामारी के कारण विलंबित हो गया था, 04.06.2022 से 13.06.2022 तक हरियाणा के पंचकुला में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 4700 से अधिक प्रतियोगियों ने 5 स्वदेशी खेलों सहित 25 विभिन्न अनुशासनों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग लिया। हरियाणा राज्य ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2021 में महाराष्ट्र और कर्नाटक के बाद पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2021 में भारोत्तोलन और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल विधाओं में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए गए।

4. युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन: राज्यों /केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से 25 जून, 2022 से 24 जून, 2022 के बीच केवडिया (गुजरात) में आयोजित किया गया था। खेल के क्षेत्र में विचार–विमर्श और भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण के लिए आगे के रास्ते पर चर्चा की गई। 15 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों और 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने की।

5. 44वां फिडे शतरंज ओलंपियाड: 44 वें फिडे शतरंज ओलंपियाड (28 जुलाई, 2022 से 10 अगस्त, 2022) का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने 28.07.2022 को जेएलएन इंडोर स्टेडियम, चेन्नई में किया। इस आयोजन में 188 देशों के 2000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो शतरंज ओलंपियाड के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक है। ओलंपियाड के बाद "शतरंज ओलंपियाड के लिए मशाल रिले" 19 जून, 2022 से इंदिरा गांधी स्टेडियम, नई दिल्ली में शुरू हुई। इस मशाल को 40 दिनों की अवधि में देश भर के 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर ले जाया गया, जिसके बाद यह अंततः शतरंज ओलंपियाड के आयोजन स्थल महाबलीपुरम, तमिलनाडु में पहुंची।

6. बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल : भारतीय दल ने 22 स्वर्ण पदक सहित कुल 61 पदकों के साथ अपने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान को चौथे स्थान पर समाप्त किया। शूटिंग और ग्रीको–रोमन कुश्ती जैसे उच्च पदक संभावित खेलों की अनुपस्थिति के बावजूद, भारतीय एथलीटों ने कुश्ती (12) और भारोत्तोलन (10) के विषयों में उत्कृष्ट

प्रदर्शन के साथ देश को राष्ट्रमंडल खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक दिया। भारतीय लॉन बाउल्स टीमों ने राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया, जहां महिला टीम और पुरुषों की टीम ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते।

7. राष्ट्रीय खेल दिवसः राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त, 2022 को पूरे देश में बड़े पैमाने पर मनाया गया। खेल प्रोत्साहन बोर्डों, खेलो इंडिया अकादमियों, राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्रों, साई केंद्रों आदि सहित विभिन्न संगठनों द्वारा देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। 10 लाख से अधिक उत्साही प्रतिभागियों के साथ 6900 से अधिक उल्लेखनीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मंत्रालय के अधिकारियों ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। खेल सितारे योगेश्वर दत्त, अखिल कुमार, जफर इकबाल, राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता तेजस्विन शंकर और अंडर–15 जूडो कैडेट विश्व चैंपियन लिनथोई चनमबम ने जेएलएन स्टेडियम में समारोह की शोभा बढ़ाई।

8. राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022: राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022, जो राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA), राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (NDTL) और अन्य डोप परीक्षण सुविधाओं के कामकाज के लिए एक वैधानिक ढांचा प्रदान करता है, लोकसभा में 27.07. 2022 को और उसके बाद राज्यसभा में 03.08.2022 को पारित किया गया था। नया कानून देश में खेलों में डोपिंग रोधी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए खेल में डोपिंग रोधी राष्ट्रीय बोर्ड के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

9. 36वें राष्ट्रीय खेलः 12 अक्टूबर, 2022 को पंडित दीनदयाल इंडोर स्टेडियम, सूरत, गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेलों का सफल समापन हुआ। सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) ने खेलों में 128 पदक (61 स्वर्ण सहित) के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया, इसके बाद खेलों में महाराष्ट्र और हरियाणा का स्थान रहा। खेलों का उद्घाटन 29 सितंबर को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा अहमदाबाद में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री के साथ–साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया था। देश भर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 15,000 से अधिक खिलाड़ी, कोच और अधिकारी 36 खेल विधाओं में भाग ले रहे हैं, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा राष्ट्रीय खेल बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सात साल के अंतराल के बाद दोबारा शुरू हुए खेलों के आयोजन में इस मंत्रालय की अहम भूमिका रही है।

अध्याय – 15

खेलो इंडिया

इस विभाग की प्रमुख योजना के रूप में वर्ष 2016–17 से मंत्रालय द्वारा एक केंद्रीय क्षेत्र योजना, अर्थात् खेलो इंडिया – खेल के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है। खेलो इंडिया योजना को वर्ष 2017–18 में नया रूप दिया गया था। यह योजना 2021–22 से 2025–26 तक पांच वर्षों की एक और अवधि के लिए जारी है। मौजूदा खेलो इंडिया योजना के बुनियादी उद्देश्यों, दृष्टि और संरचना को बरकरार रखा गया है। हालांकि, मौजूदा योजना को लागू करने के साथ–साथ तीसरे पक्ष के मूल्यांकनकर्ता के मूल्यांकन/सिफारिशों को लागू करते समय इस मंत्रालय के अनुभव के आधार पर, योजना के घटकों को पुनर्व्यवस्थित किया गया है और कुछ समान घटकों को बड़े के साथ मिलाकर/समाहित करके युक्तिसंगत बनाया गया है, इस प्रकार कम किया गया है। 12 मौजूदा घटकों से 5 घटकों को नीचे दर्शाया गया है: –

क्र. सं	संशोधित खेलो इंडिया योजना के घटक (2021–22 से 2025–26)	क्र.सं	खेलो इंडिया योजना के क्षेत्र (2017–18 से 2019–20)
1	खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन	1	अवसंरचना के सृजन/उन्नयन का उपयोग
		2	खेल मैदान का विकास
2	खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकास	3	वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं
		4	प्रतिभा खोज और विकास
		5	सामुदायिक कोचिंग विकास
3	खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां	6	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र
		7	राष्ट्रीयक्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता
4	फिट इंडिया मूवमेंट	8	बच्चों की शारीरिक फिटनेस
5	खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना	9	स्पोर्ट्स फॉर पीस एंड डेवलपमेंट
		10	ग्रामीण और स्वदेशी/आदिवासी खेलों को बढ़ावा देना
		11	दिव्यांग व्यक्तियों के बीच खेलों को बढ़ावा देना
		12	महिलाओं के लिए खेल

खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता हासिल करना है और साथ ही पूरे देश में खेलों को प्रोत्साहित करना है, इस प्रकार जनसंख्या को अपने क्रॉस–कटिंग प्रभाव के माध्यम से खेल की शक्ति का उपयोग करने की अनुमति मिलती है, अर्थात, बच्चों और युवाओं का समग्र विकास, सामुदायिक विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसर।

विभिन्न घटकों को अनुवर्ती पैराग्राफों में संक्षेप में समझाया गया है: –

1. **खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन:** इस योजना के तहत खेल अवसंरचना के निर्माण और उन्नयन के घटक का उद्देश्य मंत्रालय के अधीन भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) को राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को पूंजी प्रदान करके पूरे देश में खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन करना है। आधुनिक खेल बुनियादी ढांचे के साथ–साथ मौजूदा खेल, खेल विज्ञान और खेल उपकरण और अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए युवा कार्यक्रम और खेल और अन्य पात्र संस्थाएं जैसे केंद्रीय/राज्य शैक्षणिक संस्थान, रक्षा/अर्धसैनिक संगठन आदि। रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और राज्य सरकार/केंद्र सरकार की कोई अन्य योजना। इसमें पायलट आधार पर मॉडल प्लेफील्ड्स का विकास भी शामिल होगा। इस योजना में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों प्रकार की खेल अवसंरचना परियोजनाओं की एक विस्तृत विविधता को सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है, बशर्ते उनका उद्देश्य मौजूदा मांगों को पूरा करने के लिए खेल के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटना हो। तदनुसार, सभी आवेदनों में स्पष्ट रूप से भागीदारी प्रदर्शित करने वाली एक कार्य योजना शामिल करनी होगी, विशेष रूप से प्रस्तावित परियोजना (परियोजनाओं) के माध्यम से आसपास के क्षेत्र में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

1.1 खेल अवसंरचना का उपयोग, निर्माण और उन्नयन

1.1.1 उद्देश्य:

- सभी के लिए खेल अवसंरचना का निर्माण
- बड़े पैमाने पर आम जनता के लिए बुनियादी ढांचे की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में वृद्धि करना और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण खेल बुनियादी ढांचे का विकास करना।

1.1.2. उपलब्धियां :

- 34 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न पात्र संस्थाओं के संबंध में 294 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है
- स्वीकृत कुल राशि– रु. 2,712.15 करोड़
- डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी स्मार्ट सिटी, वाराणसी, (सिगरा) के पुनर्विकास की एक मेगा परियोजना को 2022–23 में 315.48 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है और रु. 27.08 करोड़ जारी किए गए हैं। परियोजना का विवरण इस प्रकार है:–
- ''सिगरा स्टेडियम, वाराणसी के विकास और आधुनिकीकरण'' के लिए एक प्रस्ताव खेल विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार से 383.44 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर प्राप्त हुआ था। 315.48 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना को मंजूरी दी गई है। और रु. 27.08 करोड़ जारी किए गए हैं।
- इस परियोजना में तैराकी, एथलेटिक्सशाला, स्क्वैश, पुस्तकालय, खेल संग्रहालय, मुक्केबाजी, कुश्ती, तलवारबाजी, निशानेबाजी, एक खेल छात्रावास और सुविधाओं के साथ खुले मैदान जैसे लड़ाकू खेलों के लिए उत्कृष्टता का एक राष्ट्रीय केंद्र के साथ डिजाइन और निर्माण समुदाय और प्रतिस्पर्धा क्षेत्र शामिल है। एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, लॉन टेनिस, क्रिकेट मैदान, फुटबॉल सह हॉकी मैदान और ओपन जिम के लिए। यह सुविधा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए एक स्थान के रूप में काम करेगी और देश भर में खेल/एथलीटों को बढ़ावा देने के लिए अकादमियों का उपयोग करेगी। परियोजना के विकास से यह सुनिश्चित होगा कि विभिन्न खेल आम जनता विशेषकर उत्तर प्रदेश के एथलीटों के लिए आसानी से सुलभ हों।
- सिगरा स्टेडियम के विकासात्मक स्तंभ निम्नलिखित होंगे:

  क) **समावेशी:** एक खेल परिसर जो समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी है: दिव्यांग व्यक्ति, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक।

  ख) **प्रायोगिक:** एक ऐसा स्थान जो सभी एथलीटों और दर्शकों के लिए वापस लेने योग्य/पोर्टेबल बैठने सहित अत्याधुनिक सुविधाओं के माध्यम

से खेल के अनुभव को समृद्ध और गहरा करता है।

ग) **सौन्दर्यशास्त्रः** एक संकुल जो सौन्दर्यात्मक रूप से मनभावन और सांस्कृतिक रूप से प्रतिनिधित्व करता है।

घ) **सततः** सभी भवन और बाहरी सुविधाएं सतत विकास के 3 आर का अनुपालन करती हैं: कम करें, रीसायकल करें और पुनः उपयोग करें।

ङ) **उत्कृष्टताः** एक ऐसा स्थान जो प्रत्येक सुविधा में उत्कृष्टता प्रदर्शित करता है।

- परियोजना की आधारशिला माननीय प्रधान मंत्री द्वारा वाराणसी में 07.07.2022 को एक कार्यक्रम में रखी गई थी। खेल परिसर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल निकायों के मानकों का पालन करेगा और सभी आवश्यक जरूरतों और सेवाओं को समायोजित करेगा।

1.1.3 प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) – जम्मू–कश्मीर में खेल अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धिः

i. माननीय प्रधान मंत्री ने 07.11.2015 को जम्मू–कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और घोषणा की जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ प्रशिक्षकों/प्रशिक्षकों/फर्नीचर/प्रतियोगिता/प्रोत्साहन/पुरस्कार राशि की खेल बुनियादी सुविधाओं के लिए ₹260 करोड़ के पैकेज शामिल हैं। इसमें कार्य प्रगति पर हैं। एक बार खेल अवसंरचना परियोजनाएं पूरी हो जाने के बाद, उनका संचालन और उपयोग सरकार द्वारा किया जाएगा। राज्य में खेल प्रोत्साहन गतिविधियों के लिए जम्मू और कश्मीर में यह योजना चल रही है। इन परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

ii. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएं :

(करोड़ रूपये में)

क्र.सं.	परियोजनाएं	राशि चिन्हित	दर्जा
1.	फीफा मानक के अनुसार बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर का नवीनीकरण और विकास	44.00	प्रोजेक्ट पूरा हो गया है।
2.	अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए आईसीसी मानक के अनुसार मौलाना आजाद स्टेडियम, जम्मू का नवीनीकरण और विकास	40.00	प्रोजेक्ट पूरा हो गया है।
	कुल (क)	84.00	

iii. जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएंः

(करोड़ रूपये में)

क्र.सं.	परियोजनाओं	राशि चिन्हित	दर्जा
1.	22 इंडोर हॉल का निर्माण i. सहपोरा गांदरबल ii. शादीपोरा, सुंबल, बांदीपोरा iii. कैमोह, कुलगाम iv. बिजबेहरा, अनंतनाग v. त्राल, पुलवामा vi. रामनगर, उधमपुर	88.00 (22 इनडोर हॉल के लिए 4.00 करोड़ रूपये प्रत्येक)	सोलह इनडोर हॉल (गंदरबल में सेहपोरा, शादीपोरा, सुंबल बांदीपोरा, रामनगर उधमपुर, बिलावर कठुआ, भगवती नगर, सांबा, कैमोह कुलगाम, बिजबेहरा अनंतनाग, त्राल पुलवामा, बडगाम, इलाहीबाग श्रीनगर, कोटरंका, राजपोरा, मीर गुंडपट्टन और रियासी में पूरा हो गया है और अन्य इनडोर हॉल का काम प्रगति पर है।

क्र.सं.	परियोजनाओं	राशि चिन्हित	दर्जा
	vii. सांबा viii. भगवती नगर, जम्मू ix. बिलावर, कठुआ x. मीर गुंडपट्टन, बारामूला xi. सोइबग, बडगाम xii. राजपोरा, पुलवामा xiii. जादीबल, श्रीनगर xiv. शोपियां xv. कुबथांग, कारगिल xvi. कोटरनंका, राजौरी xvii. मंडी, पुंछ xviii. गूल, रामबन xix. डोडा xx. किश्तवाड़ xxi. रियासी xxii. हंदवाड़ा, कुपवाड़ा		
2.	राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन	4.00	पुरा होना।
3.	उधमपुर, जम्मू में सुभाष स्टेडियम का उन्नयन/समापन	10.00	पुरा होना।
4.	जम्मू और श्रीनगर (नेहरू पार्क, श्रीनगर और रंजीत सागर बांध, बसोहली) में जल क्रीड़ा अवसंरचना का विकास	6.00 (प्रत्येक परियोजना के लिए 3)	नेहरू पार्क का काम पूरा हो चुका है और रंजीत सागर बांध, बसोहली का काम प्रगति पर है।
5.	टीआरसी ग्राउंड/गनी स्टेडियम में लाइटिंग सिस्टम	2.63	पूरा किया।
6.	खेल उपकरण, कोच/प्रशिक्षक आदि।	5.37	पूरा किया।
	कुल (ख)	**116.00**	
	कुल योग (क+ख)	**200.00**	

क्र.सं.	परियोजनाओं	राशि चिन्हित	दर्जा
1.	स्वर्गीय श्री अरुण जेटली की स्मृति में कठुआ जिले में मिनी स्टेडियम का निर्माण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर	60.00	जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है, टेंडरिंग चल रही है।
	कुल (ग)	60.00	

iv. प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) का बजट आवंटन और उपयोग – वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान जम्मू–कश्मीर में खेल बुनियादी सुविधाओं की वृद्धिः

(₹ करोड़ में)

वर्ष	स्वीकृत आवंटन		वास्तविक व्यय (31.12.2022 तक)
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2022–23	50.00	–	–

1.2 खेल मैदान का विकास

- उनके इष्टतम उपयोग के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म पर खेल के मैदानों और खेल के बुनियादी ढांचे की एक राष्ट्रीय सूची तैयार करना।
- उपलब्धियांः 13682 खेल मैदानों को जियो–टैग किया गया है।

2. खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकासः ''खेल प्रतियोगिता और प्रतिभा विकास'' घटक के तहत, खेलो इंडिया प्रतिभाशाली एथलीटों के लिए प्रतिभाशाली बच्चों के लिए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करने में मदद करता है। केंद्र सरकार उच्च प्राथमिकता/प्राथमिकता वालीखेल विधाओं, जैसे तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, देश भर में विभिन्न स्थानों पर हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती आदि में मदद करती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और यूनिवर्सिटी गेम्स विभिन्न हितधारकों जैसे एनएसएफ, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, एआईयू आदि के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में एथलीट राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

2.1 खेल प्रतियोगिताएं

2022–23 में खेलो इंडिया योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम निम्नलिखित हैंः

i. खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) का दूसरा संस्करण 24.04.2022 से 03.05.2022 तक जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक सहित 5 स्थानों पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुल 3894 प्रतियोगियों ने मल्लखंभ और योगासन जैसे स्वदेशी खेलों सहित 20 विभिन्न विधाओं में केआईयूजी में भाग लिया। उद्घाटन समारोह 24.04.2022 को कर्नाटक के माननीय राज्यपाल, माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की शुभ उपस्थिति में कांथीरवा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। समापन समारोह 3 मई, 2022 को उसी स्थान – कांथीरवा स्टेडियम में आयोजित किया गया था, जिसमें माननीय गृह मंत्री की उपस्थिति थी। केआईयूजी, 2021 में जैन यूनिवर्सिटी मेडल टैली में सबसे ऊपर है, इसके बाद लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और पंजाब यूनिवर्सिटी है।

ii. खेलो इंडिया यूथ गेम्स (ज्ञप्ल्ळ) का चौथा संस्करण, जो महामारी के कारण विलंबित हो गया था, का आयोजन 04.06.2022 से 13.06.2022 तक पंचकुला, हरियाणा में सफलतापूर्वक किया गया था। 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 4700 से अधिक प्रतियोगियों ने 5 स्वदेशी खेलों सहित 25 विभिन्न विषयों में केआईयूजी में भाग लिया। 2021 में हरियाणा राज्य ने केआईयूजी, महाराष्ट्र और कर्नाटक के बाद पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। केआईयूजी, 2021 में भारोत्तोलन और एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल विधाओं में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए गए।

iii. केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेलमंत्री ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 20 अक्टूबर, 2022 को आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से अगले साल मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाले 5वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स की घोषणा की।

2.2 कौशल विकास

खेलो इंडिया टैलेंट आइडेंटिफिकेशन एंड डेवलपमेंट (KITD) खेलो इंडिया स्कीम के सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों में से एक है। भौतिक विशेषताओं के मामले में विशाल विविधता वाला देश खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अपार अवसर प्रदान करता है, बशर्ते खेल प्रतिभा की सही समय और उम्र में पहचान हो, ओलंपिक में पदक जीतने के उद्देश्य

को प्राप्त करने के लिए खेल विज्ञान की मदद से कोचों द्वारा उचित पोषण किया जाता है।

प्रतिभा पहचान और विकास समिति (TIDC) की सिफारिश के आधार पर, चयनित प्रतिभा की पहचान खेलो इंडिया एथलीट (KIA) के रूप में की जाती है, जिन्हें प्रशिक्षण के उद्देश्य से साई या गैर–साई मान्यता प्राप्त अकादमी में शामिल होने का विकल्प दिया जाता है। केआईए जो खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण करते हैं, वे 5.00 लाख रूपये प्रति वर्ष और इसके अलावा रु 10,000/– प्रति माह आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस (ओपीए) के रूप में रुपये वित्तीय सहायता के हकदार हैं। केआईए, जो किसी भी अकादमी में शामिल नहीं हुए हैं, को केवल ओपीए प्रदान किया जाता है। कुल 2841 केआईए को वर्तमान में 21 विषयों में समर्थन मिल रहा है और लगभग 266 अकादमियों को खेलो इंडिया योजना के तहत विभिन्न खेल विधाओं में मान्यता दी गई है।

2.3. सामुदायिक कोचिंग विकास

- कम्युनिटी कोचिंग डेवलपमेंट वर्टिकल का उद्देश्य स्पोर्ट्स–ड्रिवन नेशन का निर्माण करना है।
- यह जमीनी स्तर पर प्रशिक्षकों के कौशल विकास के लिए एक अवसर प्रदान करने की भी परिकल्पना करता है ताकि बच्चों के प्रारंभिक चरणों के दौरान उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करते हुए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण और मान्यता प्रदान की जा सके।
- खेलो इंडिया योजना के लिए 23000 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को प्रशिक्षकों के एक समुदाय के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

3. खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां:

i. प्रशिक्षकों/अंशकालिक कोचों, फिजियोथेरेपिस्ट और मालिश करने वालों जैसे सहायक कर्मचारियों, उपकरणों, खेल के उचित मैदान, उपभोग्य सामग्रियों, डे बोर्डिंग सुविधाओं आदि की कमी के कारण देश भर में बड़ी संख्या में स्थापित खेल बुनियादी ढांचे का इष्टतम उपयोग नहीं किया जा रहा है। साथ ही आवर्ती व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता का अभाव है।

ii. खेल प्रतियोगिताओं और अन्य प्रतिभा पहचान तंत्रों से पहचान की गई प्रतिभा को साईएनसीओई, टॉप्स, गैर–साईएनसीओई या खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमी में शामिल होने का विकल्प दिया जाता है ताकि पर्याप्त प्रशिक्षण सहायता प्रदान की जा सके। सहायता के लिए उपयुक्त शिक्षाविदों के चयन की सुविधा के लिए शिक्षाविदों की रेटिंग के लिए एक प्रणाली विकसित की जाएगी, पैरा–एथलीटों के लिए सुविधाएं भी अकादमियों की रेटिंग के लिए एक पैरामीटर होंगी। दी जाने वाली धनराशि की मात्रा रेटिंग तंत्र के आधार पर तय की जा सकती है।

iii. ओलंपिक में उत्कृष्टता के लिए भारत की खोज और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मौजूदा केंद्रों को विश्व स्तर के स्तर तक बढ़ाने के प्रयास के रूप में, मौजूदा प्रशिक्षण केंद्रों में से एक को राज्य स्तर के तहत खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (केआईएससीई) के रूप में नामित किया जाएगा। यह खेलो इंडिया योजना का खेलो इंडिया सेंटर (एसएलकेआईसी) वर्टिकल है।

iv. 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 30 केंद्रों को केआईएससीई के रूप में अधिसूचित किया गया है, जहां व्यवहार्यता अंतर विश्लेषण करने के बाद जनशक्ति, खेल उपकरण, खेल विज्ञान सहायता आदि के संदर्भ में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

v. जमीनी स्तर पर देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सरकार के दृष्टिकोण के एक हिस्से के रूप में, एक कम लागत वाली, प्रभावी खेल प्रशिक्षण तंत्र तैयार किया गया है, जिसमें पूर्व ष्चैंपियन एथलीटष युवाओं के लिए कोच और सलाहकार बनेंगे, जो खेल प्रशिक्षण चला रहे हैं। एक स्वायत्त तरीके से, और अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस प्रयास के एक भाग के रूप में, देश के सभी जिलों में 04 वर्षों की अवधि में 1,000 केआईसी स्थापित करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में, 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 733 प्रशिक्षण केंद्रों को पहले ही खेलो इंडिया सेंटर (केआईसी) के रूप में अधिसूचित किया जा चुका है।

vi. सेना के अनुशासित माहौल और उपलब्ध बुनियादी ढांचे का उपयोग करने की दृष्टि से सेना के सहयोग से आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी योजना शुरू की गई जिसमें 8–14 वर्ष की आयु के युवा प्रतिभाओं की पहचान की जाती है और उन्हें योजना में भर्ती किया जाता है। वर्तमान में देश में 26 एबीएससी, 01 नेवी

बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी और 01 एयर फोर्स बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी स्क्वाड्रन हैं।

vii. प्रायोगिक परियोजना के रूप में 09 पब्लिक स्कूलों को स्पोर्ट्स स्कूल के रूप में नामित किया गया है। इन 09 विद्यालयों में से 04 आवासीय सुविधाओं वाले केन्द्रीय विद्यालय वर्तमान में खेलकूद विद्यालयों के रूप में संचालित हैं। शेष विद्यालयों को कोविड महामारी के कारण संचालित नहीं किया जा सका। छात्रों का चयन वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर मापदंडों के माध्यम से किया जाता है। उनके रहने, खाने, शिक्षा, प्रशिक्षण, प्रतियोगिता में भाग लेने, चिकित्सा आदि से संबंधित व्यय को भारत सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

4. फिट इंडिया मूवमेंटः

i. फिट इंडिया मूवमेंट" घटक के तहत सरकार एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगी। फिट इंडिया अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी के साथ स्वैच्छिक आधार पर चलाया जाने वाला जन–केंद्रित आंदोलन है और यह एक सतत गतिविधि है।

ii. नागरिकों को हर दिन (कम से कम 30 मिनट) समय बिताने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है – ''फिटनेस की खुराक, आधा घंटा रोज'', ''फिटनेस आसान है, फिटनेस मजेदार है और फिटनेस कोई भी कभी भी कर सकता है'', ''हम फिट तो इंडिया फिट'' – किसी भी रूप में शारीरिक गतिविधियों पर, चाहे वह खेल हो, क्रीड़ा हो, चलना हो, जॉगिंग, साइकिल चलाना, नृत्य करना, प्लॉगिंग, योगासन, फिटनेस क्विज, फिटनेस इवेंट्स में भागीदारी या किसी अन्य प्रकार की शारीरिक गतिविधि, जागरूकता कार्यक्रम या संयोजन हो।

iii. फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत 29 अगस्त, 2019 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा फिटनेस को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से की गई थी। प्रधान मंत्री ने जीवन शैली में सरल परिवर्तनों के बारे में राष्ट्र से अपील की जो हमारे नागरिकों को एक स्वस्थ भारत की ओर बढ़ने में मदद कर सके। इस लॉन्च इवेंट के दौरान मशहूर हस्तियां, खिलाड़ी और फिटनेस इंफ्लुएंसर एक साथ आए और सामूहिक रूप से फिट रहने और ''हम फिट तो इंडिया फिट'' के विजन में योगदान देने का संकल्प लिया।

iv. इस मूवमेंट का मिशन व्यवहार परिवर्तन लाना और अधिक शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन शैली की ओर बढ़ना है। इस मिशन को प्राप्त करने की दिशा में, फिट इंडिया निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न पहल करने और कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव करता है।

क. फिटनेस को आसान, मजेदार और मुफ्त के रूप में बढ़ावा देना

ख. केंद्रित अभियानों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देने वाली फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना

ग. स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना

घ. फिटनेस को हर स्कूल, कॉलेज/यूनिवर्सिटी, पंचायत/गाँव आदि तक पहुँचाना।

ड. जानकारी साझा करने, जागरूकता बढ़ाने और व्यक्तिगत फिटनेस कहानियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भारत के नागरिकों के लिए एक मंच तैयार करना

च. मूवमेंट की समग्र दृष्टि को बढ़ावा देने के लिए नीति अभिसरण प्राप्त करना।

v. स्थापना के बाद से, फिट इंडिया मिशन सक्रिय रूप से फिटनेस के बारे में जागरूकता फैला रहा है जो सामान्य शारीरिक गतिविधियों को प्रदर्शित करता है जो हमेशा हमारी भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है ताकि हम सामूहिक रूप से हमेशा की सक्रिय जीवन शैली में वापस आ सकें।

vi. फिट इंडिया मिशन कई केंद्रीय मंत्रालयों के साथ मिलकर काम कर रहा है और अभिसरण के क्षेत्रों की पहचान की है और लगभग 8–10 मंत्रालयों/विभागों के साथ कार्य योजना तैयार की है।

vii. फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 की अवधि के दौरान विभिन्न पहलें और गतिविधियाँ की गई हैं:

क. फिट इंडिया फ्रीडम रन – फिट इंडिया फ्रीडम रन का तीसरा संस्करण 02 अक्टूबर को शुरू किया गया था और 31 अक्टूबर 2022 तक जारी रहा, जहां संगठनों बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, एनएसजी, भारतीय रेलवे और एनवाईकेएस ने

भाग लिया। इस 30 दिवसीय अभियान के दौरान, कुल भागीदारी 7,08,71,387 थी, जिसमें संचयी दूरी 18,40,69,332 किलोमीटर थी।

ख. **फिट इंडिया प्लॉग रन** : प्लॉगिंग एक अनूठी गतिविधि है जो फिटनेस और स्वच्छता – सफाई और स्वास्थ्य को जोड़ती है – जिसमें प्रतिभागी जॉगिंग करते समय कूड़े को इकट्ठा करते हैं। फिट इंडिया प्लॉग रन, फिट इंडिया मूवमेंट के हिस्से के रूप में आयोजित एक वार्षिक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम, फिट इंडिया फ्रीडम रन के हिस्से के रूप में 02 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया था और इसमें 1.72 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

ग. माननीय प्रधान मंत्री द्वारा शुरू किए गए 'आयु–उपयुक्त फिटनेस प्रोटोकॉल' के अनुसार नागरिकों को उनकी शारीरिक फिटनेस का आकलन करने के लिए **फिट इंडिया मोबाइल ऐप** की संकल्पना की गई है। फिट इंडिया मोबाइल ऐप में एक्टिविटी ट्रैकर, कैलोरी काउंट आदि जैसी विशेषताएं भी हैं और इसके अलावा स्वास्थ्य और फिटनेस में सुधार के तरीके सुझाते हैं। फिट इंडिया मोबाइल ऐप में कस्टमाइज्ड डाइट प्लान भी पेश किए गए हैं। इसे 29 अगस्त 2021 को यानी फिट इंडिया मूवमेंट की दूसरी वर्षगांठ पर माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री और माननीय राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल द्वारा लॉन्च किया गया था। यह एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और 31.12.2022 तक फिट इंडिया मोबाइल ऐप को 5 लाख से ज्यादा लोगों ने डाउनलोड किया है।

घ. डाउनलोड के लिंक इस प्रकार हैं:

- Android- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.sai.fitIndia
- आईओएस– https://apps.apple.com/us/app/fit-india-mobile- app/id1581063890

ड. फिट इंडिया क्विज भारत का पहला राष्ट्रव्यापी क्विज है, जिसे माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा 1 सितंबर 2021 को एक आभासी कार्यक्रम के माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में लॉन्च किया गया था। राज्य और राष्ट्रीय दौर वर्ष 2022 में नीचे दिए गए अनुसार आयोजित किए गए थे:

क. राज्य राउंड: अप्रैल 2022 में 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से प्रत्येक द्वारा फिट इंडिया मिशन के समर्थन से प्रारंभिक दौर के बाद योग्य स्कूलों के बीच आयोजित किया गया। 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 360 टीमों ने भाग लिया और कुल 144 दौर आयोजित किए गए। स्टेट चैंपियंस का सम्मान जुलाई 2022 में आयोजित किया गया था।

ख. नेशनल राउंड: फाइनल राउंड जिसमें फिट इंडिया क्विज 2021 के राष्ट्रीय विजेता के टॉप टाइटल के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की विजेता टीम ने भाग लिया। 13 राउंड में कुल 36 टीमों ने भाग लिया। राष्ट्रीय चैंपियंस का सम्मान अगस्त 2022 में आयोजित किया गया था।

ग. फिट इंडिया क्विज 2022 का दूसरा संस्करण 29 अगस्त 2022 को लॉन्च किया गया था।

च. फिट इंडिया स्कूल वीक

- फिट इंडिया स्कूल वीक की परिकल्पना 2019 में की गई थी, जिसमें न केवल बच्चों बल्कि उनके माता–पिता, शिक्षकों और स्कूल के कर्मचारियों को भी फिटनेस के बारे में जागरूकता पैदा करने की अनिवार्य आवश्यकता थी। किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधियों और/या पेंटिंग प्रतियोगिताओं, संगोष्ठी आदि जैसे स्वास्थ्य और फिटनेस पर आधारित कार्यक्रमों में शामिल होकर स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति सप्ताह के 4 से 6 दिन मनाने की अवधारणा है। कार्यक्रम को फिट इंडिया मूवमेंट का फ्लैगशिप कार्यक्रम माना जा रहा है।
- चौथे संस्करण में, समारोह 15 नवंबर 2022 से शुरू हुआ और 31 जनवरी 2023 तक योजनाबद्ध है। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2022 तक 3 लाख से अधिक स्कूलों की भागीदारी की सूचना दी है। वर्तमान संस्करण में नई पहलें हैं:

i. स्कूलों में वार्षिक खेल दिवस मनाया जाएगा

पप. स्कूलों को असाधारण खेल प्रतिभाओं की पहचान करनी होगी और फिटइंडिया पोर्टल पर पहचानी गई प्रतिभाओं के विवरण की रिपोर्ट करनी होगी

- फिट इंडिया स्कूल सर्टिफिकेशन : सरल और आसान मापदंडों के साथ एक प्रणाली तैयार की जाती है जहां स्कूलों को शारीरिक गतिविधियों और स्कूल में उपलब्ध बुनियादी ढांचे के आधार पर फिट इंडिया फ्लैग, 3–स्टार और 5–स्टार प्रमाणपत्र दिए जाते हैं। फिट इंडिया स्कूल सर्टिफिकेशन सिस्टम में कुल 4,52,341 स्कूलों को फिट इंडिया फ्लैग से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, कुल 43,294 और 13,048 स्कूलों ने क्रमशः फिट इंडिया 3 स्टार और 5 स्टार स्कूल प्रमाणन के लिए आवेदन किया है।

- फिट इंडिया चैंपियंस और फिट इंडिया एंबेसडर : फिट इंडिया मिशन ने फिट इंडिया अभियान से जुड़ने के लिए फिट इंडिया अभियान से जुड़ने के लिए फिटनेस प्रभावित करने वालों और मशहूर हस्तियों की एक प्रणाली विकसित की है, जैसे कि फिट इंडिया मिशन के आयोजनों/गतिविधियों को बिना किसी वित्तीय सहायता के प्रचारित करने के लिए अपने सोशल मीडिया नेटवर्क का लाभ उठाना। फिट इंडिया मिशन पर प्रभाव उनकी सोशल मीडिया पहुंच के आधार पर उन्हें मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

  i. फिट इंडिया आइकॉन– 10 लाख से अधिक सोशल मीडिया पहुंच वाली हस्तियां

  ii. फिट इंडिया चैंपियंस – सोशल मीडिया 1 लाख और उससे अधिक की पहुंच। पैरालिंपियन दीपा मलिक, विश्वनाथन आनंद जैसी कुछ प्रतिष्ठित हस्तियों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग इस श्रेणी में शामिल हैं।

  iii. फिट इंडिया एंबेसडर – 10 हजार से अधिक सोशल मीडिया पहुंच वाले फिटनेस विशेषज्ञ, फिटनेस प्रमोटर इस श्रेणी में शामिल हैं।

  iv. सिस्टम को फिट इंडिया वेब पोर्टल पर फरवरी 2021 के पहले सप्ताह में लॉन्च किया गया था, यह एक सतत प्रक्रिया है जहां लोग आवेदन करते हैं और मानदंड के अनुसार राजदूत/चैंपियन के रूप में पहचाने जाते हैं। 32.12.2021 तक, 15 फिट इंडिया आइकन, 30+ फिट इंडिया चैंपियन और 160+ फिट इंडिया एंबेसडर नेटवर्क का हिस्सा हैं।

4.1 स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए शारीरिक स्वास्थ्य

i. इसका उद्देश्य क्षेत्रवार राष्ट्रीय फिटनेस पैरामीटर विकसित करना और स्कूल जाने वाले सभी बच्चों की शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूलकिट प्रदान करना है। खेलो इंडिया मोबाइल एप्लिकेशन को आम जनता को खेल के विभिन्न पहलुओं (कैसे खेलें), भारत भर में उपलब्ध खेल के मैदानों (जहां खेलें) या युवा स्कूल के फिटनेस मापदंडों की मैपिंग के बारे में जानकारी प्राप्त करने में आसानी के लिए लॉन्च किया गया था।

ii. शारीरिक फिटनेस मूल्यांकन के लिए खेलो इंडिया मोबाइल एप्लिकेशन में 2,18,139 स्कूल और 3,51,686 मूल्यांकनकर्ता पंजीकृत हैं। 70,13,614 छात्र प्रोफाइल बनाए गए हैं और इनमें से 23,33,714 फिटनेस आकलन किए गए हैं। 307 ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीओटी) आयोजित किए गए हैं और इस वर्टिकल के तहत स्वचालित ऑनलाइन टीओटी के लिए वेब आधारित ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया गया है जिसमें 82,338 शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया था।

5. खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना:

खेलो इंडिया योजना में आतंकवाद और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के साथ–साथ अन्य अशांत क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमा के साथ–साथ स्थानीय आबादी के बीच विश्वास निर्माण को बढ़ावा देने और युवाओं को एक साथ लाने के लिए शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए खेलों के उपयोग की परिकल्पना की गई है। मुख्यधारा में लाना और उन्हें स्वस्थ और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करना भी उद्देश्य हैं। भारत सरकार, जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष पैकेज के तहत केंद्र शासित प्रदेश में खेल सुविधाओं की वृद्धि के लिए धन उपलब्ध करा रही है। इस पैकेज के तहत गतिविधियों को इस योजना के साथ जोड़कर किया

जाएगा। इन बुनियादी ढांचे का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कोच, उपकरण, उपभोग्य सामग्रियों, तकनीकी सहायता, प्रतियोगिताओं आदि के संदर्भ में सॉफ्ट सपोर्ट प्रदान किया जाएगा।

5.1 शांति और विकास के लिए खेल

i. उद्देश्यः

जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर राज्यों और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित राज्यों में लोकप्रिय खेल विधाओं में ग्रामीण स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके युवाओं की ऊर्जा को उत्पादक रूप से चैनलाइज करना।

ii. उपलब्धियां :

- खेलो इंडिया विंटर गेम्स (ज्ञॅप्ळ) 2020 का पहला संस्करण फरवरी–मार्च 2020 के दौरान लद्दाख और जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया गया था।
- खेलो इंडिया विंटर गेम्स (KIWG) 2021 का दूसरा संस्करण जनवरी–फरवरी 2021 में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया गया था।
- शीतकालीन खेलों को अब राष्ट्रीय खेल कैलेंडर की नियमित विशेषता बना दिया गया है
- खेल प्रतियोगिताओं के लिए जम्मू–कश्मीर में प्रति ब्लॉक 10 लाख रुपये स्वीकृत
- 14 वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित राज्यों के 95 जिलों में खेल प्रतियोगिताएं कराने के लिए 10 लाख रूपये की निधि
- पूर्वोत्तर राज्यों सहित शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राज्यों के अशांत क्षेत्रों में 25 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए।
- युवाओं के बीच एकीकरण और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्तर–पूर्वी राज्यों में इस वर्टिकल के तहत समर्थित स्थानीय और क्षेत्रीय बाइक और कार रैलियां

5.2 ग्रामीण और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना

i.. आज तक, 04.06.2019 को खेल सचिव, एमवाईएएस की अध्यक्षता में आयोजित डीपीएसी में खेलो इंडिया योजना के तहत ''ग्रामीण और स्वदेशी/जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने'' के कार्यक्षेत्र के तहत समर्थन के लिए मल्लखंब, कलारिपयट्टू, गतका और थांग–टा की पहचान की गई है। अवसंरचना विकास, उपकरण सहायता, प्रशिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए।

ii. एनएसएफ के लिए उपकरण समर्थन सहित बुनियादी ढांचे के विकास/उन्नयन के लिए एनएसएफ को एकमुश्त अनुदान मंजूर किया गया है (मल्लखंब के लिए 2.5 लाख रुपये प्रति केंद्र, कलरीपयट्टू के लिए 40 लाख रुपये प्रति केंद्र, गतका के लिए प्रति केंद्र 05 लाख रुपये और गतका के लिए 5 लाख रुपये प्रति केंद्र)। थांग–टा के लिए 05 लाख)। वर्तमान में कुल 108 प्रशिक्षण केंद्र हैं (100 मल्लखम्ब के लिए, 02 कलारिपयट्टू के लिए, 03 गतका के लिए और 03 थांग–टा के लिए)। कुल 21 कोच (मल्लखंब के 05, थांग–टा के 06, गतका के 06 और कलारीपयट्टू के 04) अक्टूबर 2019 से त्रैमासिक आधार पर वेतन प्राप्त कर रहे हैं (प्रति कोच प्रति वर्ष 05 लाख रुपये) इन्हें एनएसएफ द्वारा अनुशंसित किया गया है।

iii. मल्लखंब, कलारिपयट्टू, गतका और थांग–ता के संबंध में 335 पदक विजेताओं के लिए छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। (@ रु. 10,000/– प्रति एथलीट एक वर्ष की अवधि के लिए)। वर्तमान में, 283 एथलीटों को एनएसएफ द्वारा अनुशंसित 1 अक्टूबर 2019 से जून 2021 तक छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है।

iv. इसके अलावा, 28 राज्य सरकारों और 09 केंद्र शासित प्रदेशों को ऐसे स्वदेशी ग्रामीण और आदिवासी खेलों की पहचान करने के लिए पत्र भेजे गए हैं जो अभी भी सक्रिय रूप से अभ्यास/खेले जा रहे हैं ताकि ऐसी प्रचलित स्वदेशी खेल गतिविधि को बढ़ावा दिया जा सके। जिनमें से 20 राज्यों और 04 केंद्र शासित प्रदेशों ने बेहतर संचार और परियोजना शुरू करने के लिए प्वाइंट ऑफिसर नियुक्त किए हैं।

5.3 दिव्यांग व्यक्तियों के बीच खेलों को बढ़ावा देना

जिला और राज्य खेलों का समर्थन करने के लिए 5.7 करोड़ रुपये राशि पर सहमति हुई। भविष्य के तौर–तरीकों पर संबंधित संघों यानी स्पेशल ओलंपिक भारत, ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के परामर्श से काम किया जा रहा है।

5.4 एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)

ईबीएसबी कार्यक्रम के तहत 01.04.2022 और 31.12.2022 के बीच निम्नलिखित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया:–

क्र.सं	गतिविधियों की प्रकृति	स्थान/संस्थान	तारीख	प्रतिभागियों की संख्या
1	ईबीएसबी रोल बॉल चैंपियनशिप बॉयज जोन 1	रोल बॉल स्टेडियम, बानर, पुणे	27–29 नवंबर 2022	युग्मित राज्यों से 127 प्रतिभागी
2	ईबीएसबी रोल बॉल चैंपियनशिप गर्ल्स जोन 1	रोल बॉल स्टेडियम, बानर, पुणे	27–29 नवंबर 2022	महाराष्ट्रः ओडिशा, गुजरातः छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेशः अरुणाचल प्रदेश और मेघालय, हिमाचल प्रदेश केरल, कर्नाटकः उत्तराखंड, मध्य प्रदेशः मणिपुर, नागालैंड
3	ईबीएसबी शूटिंग बॉल चैंपियनशिप यूथ बॉयज जोन 1	एचआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, रुड़की रोड, लक्सर, हरिद्वार (यूके) में 09 से 11 दिसंबर 2022 तक	9– 11 दिसंबर 2022	युग्मित राज्यों से 105 प्रतिभागी
4	ईबीएसबी शूटिंग बॉल चैंपियनशिप यूथ गर्ल्स जोन 1	एचआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, रुड़की रोड, लक्सर, हरिद्वार (यूके) में 09 से 11 दिसंबर 2022 तक	9– 11 दिसंबर 2022	उत्तराखंड–कर्नाटक, यूपी–अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र–ओडिशा, झारखंड–गोवा

6. खेलो इंडिया योजना के तहत वर्ष 2022 में की गई विभिन्न पहलें:

- 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 30 खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (केआईएससीई) अधिसूचित किए गए हैं।
- एसएलकेआईसी वर्टिकल के तहत 67 साई–एसटीसी में 4639 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है।
- 21 खेल विधाओं में खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए 266 अकादमियों को मान्यता दी गई।
- दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम (एलटीएडी) के तहत समर्थित केआईए के रूप में 2841 एथलीट पहचाने गए।
- 4453 एथलीटों की भागीदारी के साथ 4 जून से 13 जून, 2022 तक पंचकूला में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2021' का आयोजन किया गया।
- 3894 एथलीटों की भागीदारी के साथ 23 अप्रैल से 3 मई 2022 तक बेंगलुरु में आयोजित किया गया था।

7. वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20, 2020–21, 2021–22 और 2022–23 के दौरान खेलो इंडिया योजना का बजट आवंटन और उपयोग (31.12.2022 तक):

(₹करोड़ में)

वर्ष	स्वीकृत आवंटन		वास्तविक व्यय (31.12.2022 तक)
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2017– 18	350.00	350.00	346.99
2018– 19	520.09	500.09'	342.24
2019– 20	500.00	578.00	575.52
2020– 21	338.93	338.93	338.93
2021– 22	657.71	869.00	801.61
2022– 23	974.00	600.00	233.52

दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 की अवधि के दौरान 'खेल अधोसंरचना के उपयोग एवं निर्माण/उन्नयन' के अंतर्गत जारी अनुदान का विवरण अनुबंध–VI में दिया गया है।

दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अन्य कार्यक्षेत्रों के तहत जारी अनुदान का विवरण अनुबंध–VII में दिया गया है।

अध्याय – 16

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएँ

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को खेल खेलने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करता है:–

1. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार योजना:

1.1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार: मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार) वर्ष 1991–92 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत, एक पदक के साथ रुपये का नकद पुरस्कार। किसी खिलाड़ी को पुरस्कार दिए जाने वाले वर्ष से ठीक पहले के चार वर्षों की अवधि में खेल के क्षेत्र में उसके शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी को 25.00 लाख रुपये की राशि दी जाती है। आम तौर पर हर साल केवल एक पुरस्कार दिया जाता है। योजना की शुरुआत से अब तक 55 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

निम्नलिखित खिलाड़ियों को 2022 के दौरान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	अनुशासन
1.	श्री शरथ कमल अचंता	टेबल टेनिस

1.2 अर्जुन पुरस्कार: अर्जुन पुरस्कार 1961 में स्थापित किया गया था और उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना का प्रदर्शन किया है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान पत्र, औपचारिक पोशाक और रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। 15.00 लाख। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष अधिकतम 15 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। विभिन्न विधाओं के 967 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को अब तक अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए जा चुके हैं।

वर्ष 2022 के लिए निम्नलिखित 25 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	विधा
1.	सुश्री सीमा पुनिया	एथलेटिक्स
2.	श्री एल्डहोज पॉल	एथलेटिक्स
3.	श्री अविनाश मुकुंद साबले	एथलेटिक्स
4.	श्री लक्ष्य सेन	बैडमिंटन
5.	श्री प्रणय एच.एस	बैडमिंटन
6.	श्री अमित	मुक्केबाजी
7.	सुश्री निकहत जरीन	मुक्केबाजी
8.	सुश्री भक्ति प्रदीप कुलकर्णी	शतरंज
9.	श्री आर प्रागनानंदा	शतरंज
10.	सुश्री दीप ग्रेस एक्का	हॉकी
11.	सुश्री शुशीला देवी	जूदो
12.	सुश्री साक्षी कुमारी	कबड्डी
13.	सुश्री नयन मोनी सैकिया	लॉन बॉल
14.	श्री सागर कैलास ओवलकर	मलखंब
15.	सुश्री एलावेनिल वलारिवन	शूटिंग
16.	श्री ओमप्रकाश मिथरवल	शूटिंग
17.	सुश्री श्रीजा अकुला	टेबल टेनिस
18.	श्री विकास ठाकुर	भारोत्तोलन
19.	सुश्री अंशु	कुश्ती
20.	सुश्री सरिता	कुश्ती
21.	श्री परवीन	वुशु
22.	सुश्री मानसी गिरीशचंद्र जोशी	पैरा बैडमिंटन
23.	श्री तरुण ढिल्लों	पैरा बैडमिंटन
24.	श्री स्वप्निल संजय पाटिल	पैरा स्विमिंग
25.	सुश्री जर्लिन अनिका जे	बधिर बैडमिंटन

1.3 द्रोणाचार्य पुरस्कार: द्रोणाचार्य पुरस्कार 1985 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उन प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है। पुरस्कार विजेताओं

को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 15.00 लाख रुपये (लाइफटाइम श्रेणी) और 10.00 लाख (नियमित श्रेणी) रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष अधिकतम 5 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। इसकी स्थापना के बाद से 147 कोचों को यह पुरस्कार दिया गया है।

निम्नलिखित 7 कोचों को वर्ष 2022 के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	कोच का नाम (स/श्री/सुश्री)	अनुशासन
1.	श्री जीवनजोत सिंह तेजा	तीरंदाजी
2.	श्री मोहम्मद अली कमर	मुक्केबाजी
3.	सुश्री सुमा सिद्धार्थ शिरूर	पैरा शूटिंग
4.	श्री सुजीत मान	कुश्ती
5.	श्री दिनेश जवाहर लाल	क्रिकेट
6.	श्री बिमल प्रफुल्ल घोष	फुटबॉल
7.	श्री राज सिंह	कुश्ती

1.4 खेलों और क्रीड़ा में लाइफ टाइम अचीवमेंट के लिए ध्यानचंद पुरस्कार: यह पुरस्कार वर्ष 2002 में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने सक्रिय खेल करियर में अपने प्रदर्शन के माध्यम से खेल में योगदान दिया है और सेवानिवृत्ति के बाद भी खेल को बढ़ावा देने में योगदान देना जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 10.00 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। स्थापना के बाद से अब तक 85 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

वर्ष 2022 के लिए निम्नलिखित 04 खिलाड़ियों को ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	अनुशासन
1.	सुश्री अश्विनी अकुंजी सी.	एथलेटिक्स
2.	श्री धर्मवीर सिंह	हॉकी
3.	श्री बीसी सुरेश	कबड्डी
4.	श्री नीर बहादुर गुरुंग	पैरा एथलेटिक्स

1.5 मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी: कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी, 15.00 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ अंतर–विश्वविद्यालय खेल टूर्नामेंट में प्रथम स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालय को दी जाती है। दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः 7.5 लाख रुपये और रु. 4.5 लाख प्रत्येक का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2022 के लिए माका ट्रॉफी दी गई।

1.6. राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार: खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल के विकास में किए गए योगदान को मान्यता देने की दृष्टि से, सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, विशिष्ट खिलाड़ियों को सहायता और खिलाड़ियों को रोजगार।

निम्नलिखित संस्थाओं को वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

क्र. सं.	वर्ग	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2022 के लिए अनुशंसित संस्था
1.	नवोदित और युवा प्रतिभा की पहचान और पोषण	ट्रांसस्टेडिया एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान
3.	विकास के लिए खेल	लद्दाख स्की एंड स्नोबोर्ड एसोसिएशन

2. अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों के लिए नकद पुरस्कार की योजना: यह योजना वर्ष 1986 में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने और युवा पीढ़ी को खेलों को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। मंत्रालय ने 29 जनवरी, 2015 को इस योजना को संशोधित किया, जिसमें पदक विजेता खिलाड़ियों को दी जाने वाली नकद राशि में काफी वृद्धि की गई है और योजना के भेदभावपूर्ण खंड

जिसके तहत पैरा–ओलंपिक, विशेष ओलंपिक चैंपियनशिप जैसे बंद कार्यक्रमों में पदक विजेता विकलांग, बधिर, गूंगा, नेत्रहीन आदि को समाप्त कर इन आयोजनों को संशोधित योजना में शामिल किया गया। इस योजना को 20 जून, 2017 को और संशोधित किया गया है, जिसके द्वारा नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को योजना में शामिल किया गया है।

योजनाओं को 11 मार्च 2020 को संशोधित किया गया था, जिसके तहत बधिर खेलों में विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार के लिए शामिल किया गया है। 2 साल में हुए साउथ एशियन गेम्स को भी कैश अवॉर्ड में शामिल किया गया है. इसके अलावा, नकद पुरस्कार के उद्देश्य से बिलियर्ड्स और स्नूकर अनुशासन में विशिष्ट कार्यक्रमों को अद्यतन किया गया है। नकद पुरस्कार के लिए खिलाड़ियों के आवेदन अग्रेषित करने की प्रक्रिया और खिलाड़ियों को भुगतान की प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। इस योजना के तहत, खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने के लिए नीचे दी गई तालिका के अनुसार विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

(क) श्रेणी : ओपन श्रेणी खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5.	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (दो साल में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6.	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित) /ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7.	एशियाई चैंपियनशिप (चार वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8.	एशियाई चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9.	एशियाई चैंपियनशिप (सालाना आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (चार वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13.	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

(ख) श्रेणीः पैरा–स्पोर्ट्स

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	पैरा एशियन गेम्स	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल (पैरा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	आईपीसी विश्व कप/चैम्पियनशिप (द्विवार्षिक रूप से आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	आईपीसी विश्व कप/चैम्पियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित):	10 लाख	7 लाख	4 लाख

#वह कार्यक्रम जो अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (IPC) के हिस्से के रूप में आयोजित नहीं किया जाता है, लेकिन आईपीसी के प्राधिकरण के साथ सक्षम खिलाड़ियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित किया जाता है, वे भी इस शर्त के अधीन नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं कि खेल विधाओं को शामिल किया जाना चाहिए पैरालंपिक खेलों में।

(ग) श्रेणीः नेत्रहीन खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	आईबीएसए विश्व चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

(घ) श्रेणीः बधिर–खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	बधिर खेल	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)@	40 लाख	25 लाख	15 लाख
3.	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (दो साल के चक्र में एक बार आयोजित)@	20 लाख	14 लाख	8 लाख
4.	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (हर साल आयोजित)@	10 लाख	7 लाख	4 लाख

@ यह आयोजन केवल उन खेल विधाओं के लिए योग्य है जो डेफलम्पिक्स खेलों में शामिल हैं।

(ड) श्रेणी : विशेष ओलंपिक– खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	विशेष ओलंपिक (ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

(च) श्रेणीः – ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार राशि की राशि (रुपये में) विजेता
1.	ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप (चार साल में आयोजित)	5 लाख

(छ) श्रेणीः दक्षिण एशियाई खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपये में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	दक्षिण एशियाई खेल (दो वर्षों में आयोजित)	3.00 लाख	2.00 लाख	1.00 लाख

नकद पुरस्कारों की योजना के लिए 2022–23 के दौरान बीई/आरई चरण में 40.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है।

3. मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन की योजनाः यह योजना वर्ष 1994 में उन खिलाड़ियों के लिए शुरू की गई थी, जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक/पैरालिंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों या खेलों, राष्ट्रमंडल खेलमें स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीते हैंय 30 वर्ष की आयु प्राप्त कीय और सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्त हुए हैं, वे आजीवन पेंशन के पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (07 जून, 2018 से) :

क्र. सं.	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दर (रु./प्रति माह)
1	ओलंपिक खेलों/पैरा ओलंपिक खेलों में पदक विजेता	20,000
2	ओलंपिक और एशियाई खेलों के विषयों में विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	16,000
3	ओलंपिक और एशियाई खेलों में विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप में रजत और कांस्य पदक विजेता	14,000
4	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14,000
5	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	12,000

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है, जिसके लिए मंत्रालय एलआईसी को एकमुश्त भुगतान करके व्यक्तिगत पेंशनभोगियों के लिए वार्षिकियां खरीदता है। वर्ष 2022–23 में मेधावी खिलाड़ियों की पेंशन योजना हेतु 15.00 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

4. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष (PDUNWFS): यह कल्याण कोष मार्च, 1982 में अतीत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सहायता के लिए स्थापित किया गया था, जिन्होंने खेलों में देश का गौरव बढ़ाया था, लेकिन अभावग्रस्त परिस्थितियों में रह रहे थे। जुलाई 2009 में इस योजना की समीक्षा की गई और इसे संशोधित किया गया। खिलाड़ियों के राष्ट्रीय कल्याण कोष की योजना को मई 2016 में संशोधित किया गया है।

इस फंड से वित्तीय सहायता के लिए अधिक खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए योजना के दायरे का भी विस्तार किया गया है। 22 सितंबर, 2017 को इस योजना का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल वेलफेयर फंड फॉर स्पोर्ट्सपर्सन रखा गया। इस योजना की फिर से समीक्षा की गई और 29 जनवरी, 2019 को संशोधित किया गया, जिसमें मंत्रालय में समयबद्ध तरीके से प्राप्त आवेदन को संसाधित करने की समयसीमा शामिल की गई। इस कोष से सहायता की मात्रा में भी काफी वृद्धि की गई है। इस योजना की आगे समीक्षा की गई और 15 मई 2020 को संशोधित किया गया। इस फंड से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र होने के लिए सभी स्रोतों से वार्षिक आय की राशि को बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दिया गया है।

संशोधित योजना के तहत, खिलाड़ी और खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य निम्नलिखित वित्तीय सहायता के लिए

पात्र होंगे:

(i) ऐसे उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता जो अब निर्धन परिस्थितियों में रह रहे हैं, इसमें अधिकतम 5.00 लाख रुपये की शर्त है। इसके अतिरिक्त, किसी खिलाड़ी के अनुरोध की योग्यता को ध्यान में रखते हुए, एक विशिष्ट अवधि के लिए 5,000/– (रुपये पांच हजार) रुपये की मासिक पेंशन के प्रावधान पर विचार किया जा सकता है।

(ii) मृतक खिलाड़ियों के परिवारों को 5.00 लाख रूपये की अधिकतम वित्तीय सहायता दी जा सकती है।

(iii) खिलाड़ियों या उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए अधिकतम 10.00 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

(iv) वित्तीय सहायता रुपये से अधिक नहीं। योजना में सूचीबद्ध खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण के दौरान लगी चोटों के लिए 10.00 लाख रुपये प्रदान किए जा सकते हैं, लेकिन इसमें सब जूनियर और जूनियर श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल होंगी।

(v) जिन खिलाड़ियों के माता–पिता अभावग्रस्त परिस्थितियों में रह रहे हैं, उन्हें प्रशिक्षण, उपकरणों की खरीद और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए अधिकतम 2.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। उन खेल विधाओं से संबंधित खिलाड़ी जिनके संघों की या तो मान्यता रद्द कर दी गई है या जिनकी मान्यता सरकार या संघों द्वारा निलंबित कर दी गई है, और जिन्हें अब तक सरकार से मान्यता नहीं मिली है, वे भी इस उद्देश्य के लिए सहायता के पात्र होंगे।

(vi) वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों से जुड़े कोचों और सहायक कर्मियों और अंपायरों, रेफरी और मैच अधिकारियों को अधिकतम 2.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है, जो ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेल विधाओं में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप (वरिष्ठ श्रेणी) और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (वरिष्ठ श्रेणी) के साथ जुड़े हुए हैं और जो गरीब परिस्थितियों में रह रहे हैं या ऐसे मृतक सहायक कर्मियों के परिवार के सदस्य हैं जो गरीब परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं।

(vii) गरीब परिस्थितियों में रहने वाले प्रशिक्षकों और सहायक कर्मियों या गरीब परिस्थितियों में रहने वाले ऐसे मृतक सहायक कर्मियों के परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए 4.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022–23 (31.12.2022 तक) के दौरान, पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत एकमुश्त वित्तीय सहायता निम्नलिखित को दी गई:

क्र. सं.	नाम	अनुशासन	उद्देश्य	राज्य	मात्रा (रुपये में)
1	अन्नपूर्णा ज्योति शर्मा	कराटे	उपकरण/प्रशिक्षण की खरीद	छत्तीसगढ	50,000
2	निकिता यादव	कराटे	उपकरण/प्रशिक्षण की खरीद	छत्तीसगढ	50,000
3	मोनिका शर्मा	पावर लिफ्टिंग	उपकरण/प्रशिक्षण की खरीद	जम्मू और कश्मीर	2,00,000
4	बॉम्बी कामदक	कराटे	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	1,60,000
5	पूजा सिंह	कबड्डी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	50,000
6	डॉली गोला	पैरा एथलीट	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	दिल्ली	2,50,000
7	मनीष कुमार	पैरा एथलीट	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	दिल्ली	2,50,000
8	नितिन कुमार	बैडमिंटन	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	दिल्ली	2,50,000
9	सूरज असवाले	कुश्ती	दरिद्र परिस्थितियाँ	पुणे	2,50,000
10	लतिका रानी	पैरा एथलीट	दरिद्र परिस्थितियाँ	दिल्ली	2,50,000

क्र. सं.	नाम	अनुशासन	उद्देश्य	राज्य	मात्रा (रुपये में)
11	अंकित कुमार	धावक	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	2,50,000
12	तेनजिन पेमा	वुशु/बॉक्सिंग	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	दिल्ली	2,50,000
13	अनीता कुमारी	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	झारखंड	2,50,000
14	अक्षय कदम	बैडमिंटन	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	महाराष्ट्र	2,50,000
15	डोनकेना अनुषा	पावर लिफ्टिंग	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	आंध्र प्रदेश	2,50,000
16	रसनप्रीत कौर	हॉकी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	बैंगलोर	2,50,000
17	संजय कुमार	पैरा एथलीट	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	हरियाणा	2,50,000
18	संध्या	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	तमिलनाडु	1,00,000
19	सुमित्रा के	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	तमिलनाडु	1,00,000
20	नीतीश आनंद	तायक्वोंडो	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	जम्मू और कश्मीर	2,00,000
21	नरेंद्र शर्मा	तायक्वोंडो	दरिद्र परिस्थितियाँ	जम्मू और कश्मीर	2,50,000
22	रंजू कर्मकार	हॉकी	दरिद्र परिस्थितियाँ	असम	1,00,000
23	लोकेश एसपी	पैरा तैराक	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	कर्नाटक	2,00,000
24	स्वस्तिक घोष	टेबल टेनिस	दरिद्र परिस्थितियाँ	महाराष्ट्र	1,50,000
25	शाकिर अहमद डार	किकबॉक्सिंग	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	जम्मू और कश्मीर	2,50,000
26	रमेश	टेबल टेनिस (पैरा)	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	नयी दिल्ली	2,50,000
27	वीरेंद्र सिंह मरकाम	पावर लिफ्टिंग	दरिद्र परिस्थितियाँ	उत्तर प्रदेश	1,50,000
28	के दीनदयालन	टेबल टेनिस	मृत खिलाड़ी के परिवार को एफए	तमिलनाडु	10,00,000
29	प्रतीक्षा पटेल	धावक	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	1,50,000
30	सिद्धि अमोल	कसरत	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	महाराष्ट्र	1,50,000
31	सचिन साहू	धावक	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	मध्य प्रदेश	1,50,000
32	शर्मिला	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	हरियाणा	1,50,000
33	रितु	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	हरियाणा	1,50,000
34	नियास एस	धावक	साई केंद्र में प्रवेश के लिए वित्तीय सहायता	केरल	1,00,000
35	परमिला	फुटबॉल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	हरियाणा	1,50,000
36	मनोरंजन पोरेल	धावक	चिकित्सा उपचार के लिए वित्तीय सहायता	पश्चिम बंगाल	2,50,000
37	पूनम	पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	चंडीगढ़	1,25,000

क्र. सं.	नाम	अनुशासन	उद्देश्य	राज्य	मात्रा (रुपये में)
38	ज्योति रावण शिंदे	कसरत	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	महाराष्ट्र	1,50,000
39	प्रतिष्ठा शर्मा	सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	हिमाचल प्रदेश	2,50,000
40	आकांक्षा कुमारी	तायक्वोंडो	प्रशिक्षकों और सहायक कर्मियों की सहायता के लिए एफए	हिमाचल प्रदेश	2,00,000
41	कृष्ण सूर्यवंशी	तीरंदाजी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	महाराष्ट्र	1,50,000
42	यश कुमार	पैरा कैनॉयिंग और कयाकिंग	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	1,50,000
43	कार्तिक चंद्र नाथ	एथलेटिक्स कोच	चिकित्सा उपचार के लिए	पश्चिम बंगाल	4,00,000
44	आशा वाई	कयाकिंग और कैनोइंग	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	कर्नाटक	15,000
45	श्री ललित जैन	तीरंदाजी	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	पंजाब	1,50,000
46	श्री अमन निम्बेकर	वालीबाल	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	दिल्ली	1,50,000
47	कविता पटेल	खो खो	उपकरण की खरीद/प्रशिक्षण	उत्तर प्रदेश	1,50,000

अध्याय – 17

खेल विभाग की प्रमुख संस्थाएँ

1. भारतीय खेल प्राधिकरणः

भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) की स्थापना खेल विभाग के अंतर्गत वर्ष 1982 में नई दिल्ली में आयोजित 9 वें एशियाई खेलों की लीगेसी को आगे ले जाने के उद्देश्य से 1984 में स्थापना की गई। भाखेप्रा को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने और खेलों को बढ़ावा देने हेतु दो उद्देश्य सौंपे गए है। संकल्प सं.1–1ध83 /भाखेप्रा दिनांक 25 जनवरी, 1984 के अनुसरण में खेल विभाग,भारत सरकार ने सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत यथा विस्तृत खेल और गेम्स को प्रोन्नत करने के उद्दश्य हेतु भाखेप्रा की स्थापना की गई। भारत में खेल विकास में भारतीय खेलों को विकास करने में विशिष्ट खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान करने और उसी समय में युवा प्रतिभा को पहचानने के लिए विभिन्न योजनाओ को प्रचालन करने और विकास करने में भाखेप्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशव्यापी भाखेप्रा के विभिन्न क्षेत्रीय केन्दों द्वारा योजनाएं कार्यान्वित किए जा रहे हैं। इसके अलावा भाखेप्रा द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेलों में अनेक शैक्षणिक कार्यक्रमों का भी आयोजित किए जा रहे है। 1982 में दिल्ली में आयोजित 9 वाँ एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में स्थित निर्मित/नवीकृत निम्नलिखित स्टेडियमों को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से रखरखाव और उपयोगिता की जिम्मेदारी भी भाखेप्रा को सौंपी गई है।

इसके बाद, एक मजबूत खेल प्रोत्साहन निकाय के रूप में साई के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए, खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल के लिए तत्कालीन सोसाइटी फॉर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (SNIPES) में समाहित करके शामिल किया गया था। इसमें नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पोर्ट्स (NSNIS), पटियाला और इसके केंद्रों के साथ–साथ दो अन्य शैक्षणिक संस्थान, ग्वालियर और तिरुवनंतपुरम में स्थित लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन (LNCPE), 1 मई, 1987 से साई के साथ लगा दिए गए हैं। हालाँकि, सितंबर, 1995 में ''डीम्ड यूनिवर्सिटी'' का दर्जा प्राप्त करने पर इन्हें साई से अलग कर दिया गया था। आज, साई देश में खेल और क्रीड़ा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए एक शीष निकाय के रूप में लब्ध प्रतिष्ठ है।

1.1 साईका सामान्य निकाय और शासीनिकायः एसोसिएशन के ज्ञापन और साई के नियमों के अनुसार, भारत सरकार द्वारा साई की सामान्य निकाय (सोसायटी) और शासीनिकाय का गठन किया जाता है। माननीय युवा कार्यक्रम और खेलमंत्री इसके अध्यक्ष के रूप में साई की आम सभा और शासीनिकाय के प्रमुख हैं।

1.2 साई के लक्ष्य और उद्देश्य नीचे दिए गए हैं:

- देश में खेलों को बढ़ावा देने और व्यापक आधार देने के लिए।
- खेल प्रतिभाओं की पहचान करना/खोजना और उनका पोषण करना।
- भारत को एक प्रमुख खेलशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू करना।
- दिल्ली में स्टेडियम का प्रबंधन करना, जिनका निर्माण 1982 में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए किया गया था।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के साथ–साथ देश में खेलों के प्रचार/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करना।
- उच्च क्षमता वाले प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना, संचालन, प्रबंधन और प्रशासन करना।
- देश में खेल के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की योजना, निर्माण, अधिग्रहण, विकास, प्रबंधन, रखरखाव और उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के उन्नयन के लिए

विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को आरंभ करना, शुरू करना, प्रायोजित करना, प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना। और

- देश में खेलों को बढ़ावा देने और खेल उत्कृष्टता के विकास में शामिल अन्य केंद्रीय या राज्यनिकायों और अन्य संस्थानों के साथ मुद्दों को आरंभ करने और/या सहयोग करना।

1.3. संगठनात्मक सेट–अप: महानिदेशक साई संगठन के प्रधान कार्यकारी अधिकारी होते हैं। उन्हें विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुखों की एक टीम द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जिसमें सचिव, कार्यकारी निदेशक और शैक्षणिक संस्थानों/क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख शामिल हैं। वर्ष 2022–23 के लिए एक संगठनात्मक चार्ट इस प्रकार है:

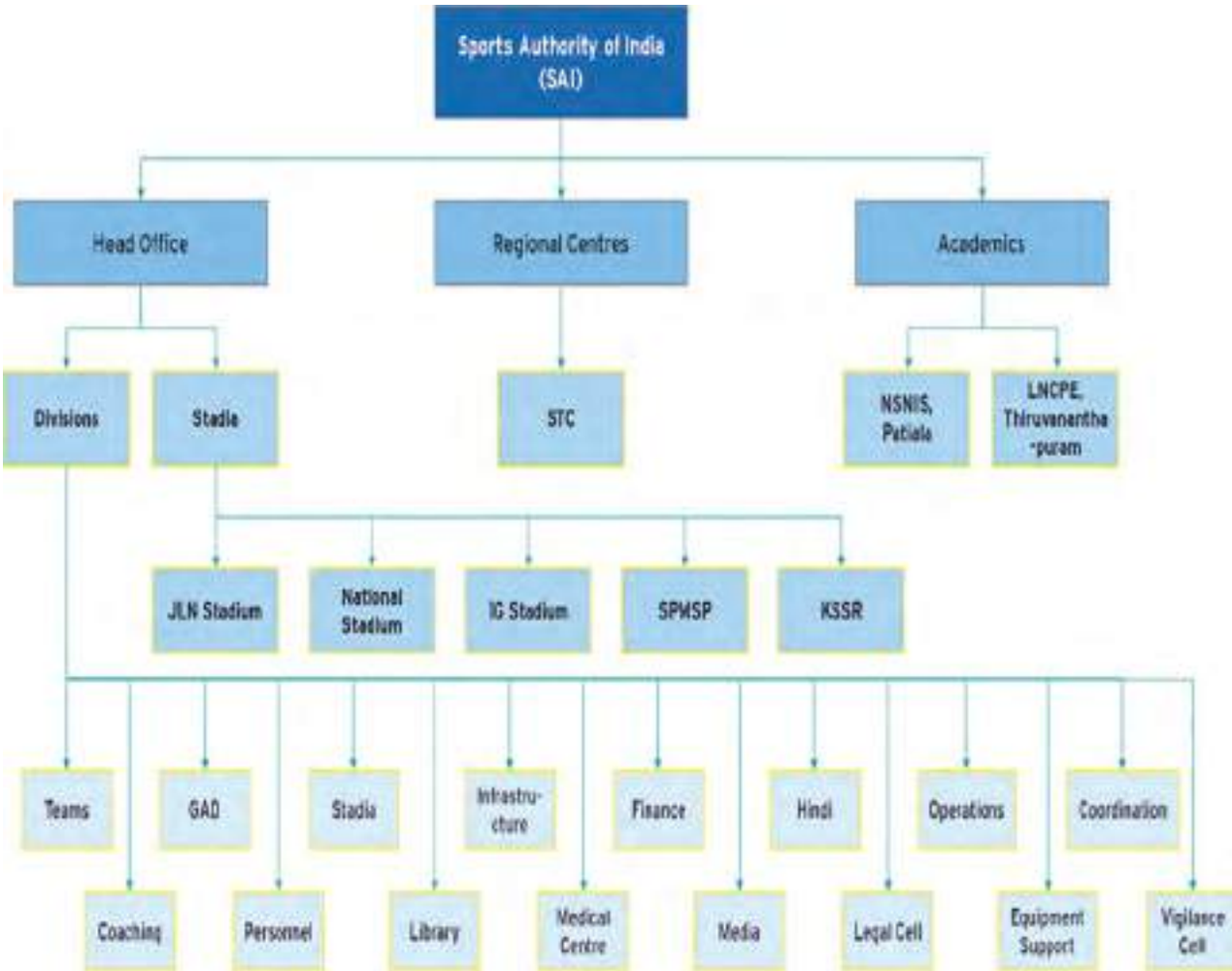

1.4. साई के प्रमुख प्रभागों/संस्थाओं और उनके कार्यात्मक उत्तरदायित्वों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	संभाग का नाम	कार्य
(i)	अकादमिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	स्पोर्ट्स कोचिंग में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स संचालित करना। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षकों के कौशल का उन्नयन करना।
(ii)	अकादमिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करना।

(iii)	संचालन प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा खेल प्रोत्साहन योजनाओं की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी।
(iv)	टीम डिवीजन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल संघों के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से एलीट एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता, जिसमें राष्ट्रीय शिविरों का आयोजन, विदेशी प्रदर्शन और विदेशी प्रशिक्षकों की सेवाओं की सुविधा शामिल है।
(v)	लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स)	चयन, बहिष्करण और प्रस्ताव के अनुमोदन सहित अपने जनादेश को पूरा करने में मिशन ओलंपिक सेल की सहायता करना। इसका उद्देश्य योजना के तहत चुने गए एथलीट की एंड–टू–एंड आवश्यकता के लिए सहायता प्रदान करना है, अर्थात चयन, प्रस्ताव, मंजूरी और प्रदर्शन की समीक्षा।
(vi)	उपकरण सहायता साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई और/या अन्य खेल निकायों के लिए विभिन्न खेल उपकरणों की आवश्यकता का समेकन और स्थानीय के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से इसकी सोर्सिंग।
(vii)	स्टेडियम डिवीजन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में साई स्टेडियम का रखरखाव और उपयोग।
(viii)	इंफ्रास्ट्रक्चर साई हो, नई दिल्ली	देश भर में साई केंद्रों में खेल और क्रीड़ा संबंधी बुनियादी ढांचे का निर्माण, विकास और रखरखाव करना।
(ix)	कार्मिक प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई के अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती और कर्मचारियों के सेवा मामलों से संबंधित है।
(x)	कोचिंग डिवीजन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई के कोचों की भर्ती और सेवा मामलों से संबंधित है।
(xi)	वित्त प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में साई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और फील्ड इकाइयों के लिए वित्तीय योजना और बजट आवंटन से संबंधित है।
(xii)	समन्वय प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों पर एमवाईएएंडएस/अन्य एजेंसियों और साई के विभिन्न प्रभागों के साथ संपर्क के लिए नोडल डिवीजन।
(xiii)	मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस ब्रीफिंग आयोजित करना और एसएआई अधिकारियों की वेबसाइट का रखरखाव करना। इसके अलावा, विदेशी देशों के साथ खेल के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर एमवाईए एंड एस के साथ संपर्क।
(xiv)	सामान्य प्रशासन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	जनरल स्टोर्स की खरीद और रखरखाव, हाउस बिल्डिंग, कम्प्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठक और सेमिनार, आधिकारिक टेलीफोन और एयर टिकटिंग का रखरखाव।
(xv)	लीगल डिवीजन साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई से संबंधित सभी कानूनी मामलों को देखता है।
(xvi)	सतर्कता प्रकोष्ठ साई मुख्यालय, नई दिल्ली	साई से संबंधित सभी सतर्कता मामलों को देखता है।

(xvii)	राजभाषा प्रभाग भा.खे.प्रा. मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।
(xviii)	खेलो इंडिया डिवीजन, साई मुख्यालय, नई दिल्ली	सामूहिक भागीदारी और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करना
(xix)	फिट इंडिया डिवीजन, साई एचओ, नई दिल्ली	फिटनेस को आसान, मजेदार और मुफ्त के रूप में बढ़ावा देना, फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना जो ध्यान केंद्रित अभियानों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, स्वदेशी खेलों और फिटनेस के आसपास की गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं, फिटनेस को हर स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, गांव, पंचायत आदि तक पहुंचाते हैं।
(xx)	कोच विकास और प्रशिक्षण	कोच विकास और प्रशिक्षण प्रभाग की स्थापना कोचों, वैज्ञानिक कर्मचारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों के ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के उद्देश्य से की गई है।

i. दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम जो 1982 में नई दिल्ली में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए निर्मित/नवीनीकृत किए गए थे और बाद में 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIXवें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए पुनर्निर्मित किए गए थे, उनका रखरखाव और उपयोग साई द्वारा किया जा रहा है: –

क. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर

ख. इंदिरा गांधी खेल परिसर

ग. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल परिसर (पूर्व में तालकटोरा स्विमिंग पूल के रूप में जाना जाता था)

घ. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व में राष्ट्रीय स्टेडियम के रूप में जाना जाता था)

ड. डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (पहले शूटिंग रेंज तुगलकाबाद के नाम से जाना जाता था)

1.5 साई की खेल प्रोत्साहन योजनाएँ: संचालन प्रभाग राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजने और उनका पोषण करने के उद्देश्य से साई की विभिन्न खेल प्रोत्साहन योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित है।

इन योजनाओं को साई द्वारा बेंगलुरु, कोलकाता, गांधीनगर, कांदिवली (मुंबई), भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल में स्थित अपने क्षेत्रीय केंद्रों के साथ–साथ एनएसएनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम में स्थित अकादमिक विंग के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। स्थापित खेल विज्ञान केंद्र पटियाला, बेंगलुरु और कोलकाता में अच्छी तरह से विकसित है और इन सुविधाओं को अन्य केंद्रों में भी उन्नत किया जा रहा है।

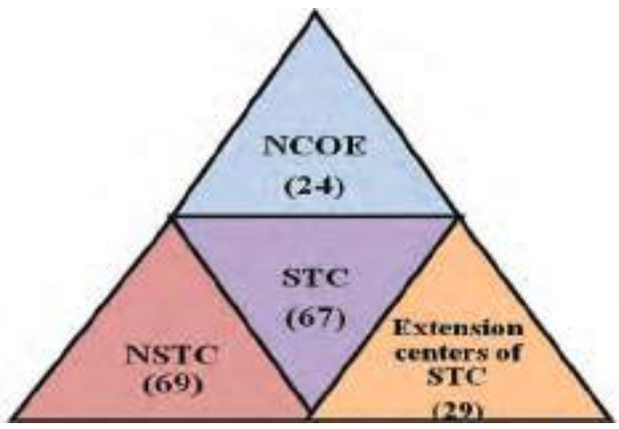

1.6 साई नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (NCOE): भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) देश भर में क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और साई प्रशिक्षण केंद्रों (STC) में विभिन्न खेल प्रचार योजनाओं को लागू कर रहा था, ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सके और उन्हें उत्कृष्ट बनाया जा सके।

वित्तीय मानदंडों की एकरूपता बनाए रखने के लिए और भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र/अकादमिक संस्थानोंध्स्टेडिया में एक ही परिसर/परिसर में एथलीटों के बीच भेदभाव को दूर करने के लिए भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा एक निर्णय लिया गया था। भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या के–11020/4/2019–स्पोर्ट्स–V दिनांक 18.09.2019 के

माध्यम से साई क्षेत्रीय केंद्र/शैक्षणिक संस्थानों और स्टेडियम में एक ही परिसर में संचालित सभी योजनाओं को साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के रूप में विलय किया गया।

एक ही परिसर और स्टेडियम आदि में संचालित एसएआई प्रचार योजनाओं के विलय के बाद 20 एनसीओई को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अपग्रेड किया गया। हालाँकि, क्षमता और बुनियादी ढाँचे को देखते हुए बाद में 3 और NCOE जोड़े गए। अभी तक, 24 एनसीओई में से 13 प्राथमिकता और 11 अन्य खेल विधाओं में पूरे भारत में परिचालन कर रहे हैं।

ओलंपिक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एथलीटों को प्रशिक्षित करने के अपने प्रयास में, भारतीय खेल प्राधिकरण ने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और खेल सुविधाएं प्रदान करके होनहार एथलीटों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देश भर में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केंद्र (एनसीओई) स्थापित किए हैं। इनमें खिलाड़ियों को खेल विज्ञान बैकअप, प्रशिक्षित पोषण विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित व्यक्तिगत आहार और सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षकों, योग्य सहायक कर्मचारियों और उच्च प्रदर्शन निदेशकों के तहत समग्र पर्यवेक्षण किया जाता है। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र भारत में जूनियर्स के बीच सर्वोत्तम उपलब्ध प्रतिभाओं के लिए नियमित कोचिंग शिविरों के रूप में कार्य करते हैं और संभावित खिलाड़ियों की समवर्ती परतें प्रदान करते हैं, राष्ट्रीय टीमों के चयन के लिए प्रतिभा और निरंतरता का व्यापक विकल्प देते हैं और वैकल्पिक दूसरे और तीसरे विकल्प भी प्रदान करते हैं। एनसीओई अभिजात वर्ग के विकास एथलीटों को समायोजित करने में सक्षम है।

1.6.1 एनसीओई द्वारा कवर की जाने वाली विधाएं: एनसीओई में 13 केंद्रित/प्राथमिकता वाले विषयों और 11 अन्य विषयों को शामिल किया गया है जहां भारतीय एथलीट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके पास अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों/चैंपियनशिप/खेलों में पदक जीतने की संभावना है।

1.6.2. केंद्रित खेल अनुशासन: तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, हॉकी, जूडो, रोइंग, तैराकी, निशानेबाजी, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती।

1.6.3. अन्य विषय: फुटबॉल, जिम्नास्टिक, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, खो–खो, कयाकिंग और कैनोइंग, पैरा स्पोर्ट्स, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल और वुशु।

1.6.4. स्वीकृत क्षमता: बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, पदक की संभावनाओं, खेल की लोकप्रियता और कई अन्य कारकों के आधार पर, साई समय–समय पर एथलीटों की संख्या निर्धारित करता है, जिन्हें प्रत्येक NCOE में प्रत्येक अनुशासन में प्रशिक्षित किया जा सकता है। सभी लिंगों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कुल स्वीकृत शक्ति को आगे आवासीय और गैर–आवासीय एथलीटों में और आगे पुरुष और महिला एथलीटों में विभाजित किया गया है। एनसीओई में एथलीटों की वर्तमान स्वीकृत स्वीकृत संख्या 4662 (2272 आवासीय, 2390 गैर–आवासीय) है। हालांकि, चालू वर्ष के लिए कामकाजी ताकत 3108 एथलीट (1678 लड़के और 1430 लड़कियां) हैं।

1.6.5 प्रवेश मानदंड: सभी विषयों की प्रतिभा पहचान और विकास समितियों, जिनमें उनके संबंधित विषयों के प्रतिष्ठित एथलीट, प्रतिष्ठित कोच, एनएसएफ प्रतिनिधि आदि शामिल हैं, को एनसीओई से एथलीटों को चुनने/छंटने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

1.6.6 प्रशिक्षित और कुशल जनशक्ति:

i. **कोचिंग स्टाफ:** एनसीओई में एथलीटों के प्रशिक्षण के लिए सर्वोत्तम प्रशिक्षण वातावरण और कोचिंग प्रदान कर रहे हैं। एथलीटों को सर्वोत्तम प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, योग्य साई कोचों के अलावा, प्रतिष्ठित और अनुभवी कोचों को नियुक्त किया जा रहा है या अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लिया जा रहा है।

ii. **वैज्ञानिक स्टाफ:** युवा एथलीटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन/समर्थन करने के लिए, प्रत्येक एनसीओई में स्पोर्ट्स एंथ्रोपोमेट्री, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियोथेरेपी आदि के विशेष क्षेत्र में वैज्ञानिक विशेषज्ञों को नियुक्त किया जा रहा है।

iii. **प्रशासनिक कर्मचारी:** एनसीओई के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक एनसीओई में पर्याप्त प्रशासनिक कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

iv. **मेस स्टाफ:** प्रत्येक एथलीट की दैनिक आधार पर आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान करने के लिए मेस के प्रभावी कामकाज की देखभाल के लिए विशेष मेस स्टाफ को लगाया गया है।

v. खेल विज्ञान सुविधाएं: एनसीओई में वैज्ञानिक बैक अप के संबंध में, युवा एथलीटों के प्रदर्शन के मूल्यांकन/बढ़ाने के लिए आवश्यक विशेष उपकरण

एनसीओई में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एनसीओई में नवीनतम वैज्ञानिक उपकरण खरीदे गए हैं/जा रहे हैं। एनसीओई में वैज्ञानिक सुविधाओं की स्थापना के लिए कुल लागत 80.00 करोड़ रुपये है, निम्नलिखित विभागों में एनसीओई की स्थापना की जा रही है:

1. नृविज्ञान
2. बायोमेट्री
3. बायोमैकेनिक्स
4. पोषण
5. प्रदर्शन विश्लेषण
6. फिजियोलॉजी
7. फिजियोथेरेपी
8. मनोविज्ञान
9. शक्ति और कंडीशनिंग

1.7 SAI प्रशिक्षण केंद्र योजना (STC):

i. **उद्देश्य:** जमीनी स्तर/अनुशासन–उपयुक्त आयु वर्ग के एथलीटों को तैयार करने के लिए, साई प्रशिक्षण केंद्र (STC) उन राज्यों में स्थापित किए गए हैं जहाँ संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल का बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाता है।

ii. **शामिल विषय:** तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और कैनोइंग, खो–खो, रोइंग, सेपकटकरा, निशानेबाजी, सॉफ्टबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु (27 अनुशासन)।

iii. **चयन मानदंड:**

(क) व्यक्तिगत कार्यक्रम: किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में आठवें (08) स्थान तक और भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा आयोजित इंटर–यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में छठे (06) स्थान तक और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया वर्तमान या प्रवेश से पहले के वर्ष के दौरान।

या

मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी।

या

पूर्वोत्तर खेलों और राष्ट्रीय ग्रामीण और महिला चैंपियनशिप में पहले तीन (03) पदों में से किसी एक स्थान को सुरक्षित करने वाले खिलाड़ी।

या

खिलाड़ी जिसने संबंधित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय संघ द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

या

कन्फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप, इंटर–एजुकेशन डिस्ट्रिक्ट लेवल स्मॉल कॉम्पिटिशन, चैंपियनशिप के पहले तीन (03) पोजीशन होल्डर; चयन परीक्षणों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

ख) **टीम कार्यक्रम:** टेस्ट की बैटरी के अनुसार मोटर गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंचने वाली प्रतिभा को छह महीने के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और बाद में मोटर गुणवत्ता परीक्षण और विशिष्ट कौशल परीक्षण पास करने के बाद ही औपचारिक प्रेरण किया जा सकता है, अगर वह फिट पाया जाता है।

(क) **व्यक्तिगत कार्यक्रम:** किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में आठवें (08) स्थान तक और भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा आयोजित इंटर–यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में छठे (06) स्थान तक और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया वर्तमान या प्रवेश से पहले के वर्ष के दौरान।

या

मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी।

या

पूर्वोत्तर खेलों और राष्ट्रीय ग्रामीण और महिला चैंपियनशिप में पहले तीन (03) पदों में से किसी एक स्थान को सुरक्षित करने वाले खिलाड़ी।

या

खिलाड़ी जिसने संबंधित मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय संघ द्वारा किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

या

कन्फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि द्वारा आयोजित डिस्ट्रिक्ट चैंपियनशिप, इंटर–एजुकेशन डिस्ट्रिक्ट लेवल स्मॉल कॉम्पिटिशन, चैंपियनशिप के पहले तीन (03) पोजीशन होल्डर; चयन परीक्षणों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

ख) टीम इवेंट्सः परीक्षण की बैटरी के अनुसार मोटर गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंचने वाली प्रतिभा को छह महीने के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और केवल बाद में मोटर गुणवत्ता परीक्षण और विशिष्ट कौशल परीक्षण पास करने के बाद, औपचारिक प्रेरण किया जा सकता है, यदि फिट पाया जाता।

प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः टीम का कोई भी सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले चार (4) स्थान प्राप्त किए हों और अंतर–क्षेत्रीय और अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में पहले दो (02) स्थान धारक हों। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित खेल आयोजित किए गए हों।

या

किसी मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम (01) या द्वितीय (02) स्थान प्राप्त करने वाली टीम का सदस्य।

या

ऐसे खिलाड़ी जिसने किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो, जिसके लिए टीम आधिकारिक रूप से भारत सरकार द्वारा भेजी गई थी।

या

पूर्वोत्तर खेलों में टीम खेलों में विजेता और उपविजेता सदस्य।

या

राज्य खेल संघों, राज्य खेल परिषद और राज्य खेल विभागों द्वारा आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को चयन परीक्षणों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्तः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमेट्रिक माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर और चयन टेस्ट में उपस्थित होकर उम्र, अनुशासन, कार्यक्रम और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर किया जा सकता है। सीधे प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन और परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर होगा और प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना है।

प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः टीम का कोई भी सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले चार (4) स्थान प्राप्त किए हों और इंटर – जोनल और इंटर में पहले दो (02) स्थान धारक हों। आर –यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाती है।

या

एक टीम का सदस्य जिसने राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम (01) या द्वितीय (02) स्थान प्राप्त किया हो या किसी मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित किया गया हो।

या

चैम्पियनशिप/टी टूर्नामेंट में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो, जिसके लिए टीम को आधिकारिक रूप से सरकार द्वारा भेजा गया था। भारत की।

या

नॉर्थ ईस्ट गेम्स में टीम गेम्स में डब्ल्यू इनर और रनर–अप के सदस्य।

या

आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को चयन परीक्षणों में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

ई –शर्तः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमेट्रिक माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर और चयन टी में उपस्थित होकर उम्र, अनुशासन, कार्यक्रम और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर किया जा सकता है। अनुमान। सीधे प्रवेश नहीं होगा।

प्रवेश केवल प्रदर्शन और परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर होगा और प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना है।

लेटरल एंट्रीः जिन लोगों ने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन हासिल किया है और परीक्षणों, तकनीकी और विशिष्ट कौशल परीक्षणों की बैटरी को सफलतापूर्वक पूरा किया है, उन्हें वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंडः एथलीट का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित है जिसके आधार पर उसे भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना भी।

प्रवेश के समय विचार किए गए परीक्षा परिणाम की बैटरी, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधार प्रदर्शन के रूप में ठीक से प्रलेखित किया जाना चाहिए ताकि समय–समय पर एथलीटों के प्रदर्शन में वृद्धि की तुलना की जा सके।

प्रत्येक व्यक्तिगत एथलीट की प्रशिक्षण डायरी को बनाए रखा जाता है, जिसे प्रतिधारण और छँटाई के समय ध्यान में रखा जाता है।

चिकित्सा जांच, और आयु सत्यापन आवश्यक है, विशेष रूप से जब प्रवेश सब–जूनियर और जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर आयु धोखाधड़ी के खिलाफ एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में किया जाता है।

छँटाई :

क प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना।

ख प्रशिक्षण और या प्रतियोगिता से छह महीने से अधिक समय तक क्षमता में चोट; और

ग डोप दुर्व्यवहार, आयु धोखाधड़ी, दुराचार आदि।

भर्ती किए गए एथलीटों के लिए निगरानी, आधा वाई प्रारंभिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअपः

क. भर्ती किए गए सभी एथलीटों की करीबी निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों के माध्यम से किया जाता है।

ख. जहां तक संभव हो, प्रयास करें कि आस–पास के स्कूलों में प्रवेश दिया जाए;

ग. प्रतिभा को शामिल करना शैक्षणिक सत्र से जोड़ने के बजाय एक सतत प्रक्रिया हो सकती है ताकि जब भी कोई प्रतिभा देखी जाए और प्रवेश के लिए योग्य पाई जाए तो ै।प को प्रतिभा को स्वीकार करने में सक्षम बनाया जा सके।

18 वर्ष की आयु से अधिक और 21 वर्ष तक के एथलीटों के प्रतिधारण में छूट पर शैक्षिक संस्थानोंध्क्षेत्रों के प्रमुख द्वारा केवल विशेष मामलों में विचार किया जा सकता है जहां प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर मजबूत औचित्य हो।

68 एसटीसी केंद्र हैं जिनमें कुल 4688 एथलीट (2925 लड़के और 1763 लड़कियां) हैं।

इसके अलावा, कोचों, सहायक कर्मचारियों और रखरखाव का वेतन SAI द्वारा प्रदान किया जाता है।

1.8 एसटीसी केंद्रों के विस्तार केंद्रः स्कूलों और कॉलेजों को व्यापक कवरेज के लिए कवर करने के लिए एसटीसी के विस्तार केंद्रों की योजना 15 विषयों में शुरू की गई थी, ताकि स्कूलों और कॉलेजों में खेल के मानक विकसित किए जा सकें, जिनमें बुनियादी खेल बुनियादी ढांचा हो और खेल में अच्छे परिणाम दिखाए गए हों। एथलीटों को नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर–आवासीय आधार पर चुना जाता है।

विषय शामिल हैंः तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो और कुश्ती।

संस्थान का चयन : खेलकूद में सक्रिय रूप से शामिल और पर्याप्त बुनियादी ढांचा रखने वाले स्कूल और कॉलेज इस योजना के तहत पात्र हैं। संस्थान का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार करने का पिछला इतिहास होना चाहिए।

एथलीटों का चयनः योजना के तहत एक स्कूल/कॉलेज में 20 एथलीटों तक को गोद लिया जाता है। आस–पास के स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। एथलीटों का चयन एक विधिवत गठित समिति द्वारा किया जाता है जिसमें (1) क्षेत्रीय निदेशक (साई) या

उनके प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख या उनके प्रतिनिधि (3) स्कूल/कॉलेज के विशेषज्ञ/कोच शामिल होते हैं। संबंधित अनुशासन (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी। प्रशंसनीय परिणाम/असाधारण प्रतिभा के मामले में आयु में छूट दी जाती है।

ये विस्तार केंद्र निकटतम एसटीसी से जुड़े हैं और एसएआई क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों द्वारा निगरानी की जाती है, जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल/कॉलेज आते हैं।

चयन मानदंडः–

क. स्कूलः

- **व्यक्तिगत कार्यक्रम खेल आयोजनः** कन्फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केवी, जेएनवी द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर–शैक्षणिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के पहले चार स्थानों में से कोई भी।
- **टीम खेलः** कन्फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केवी, जेएनवी द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, इंटर–एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार टेस्ट की बैटरी के तहत अर्हता प्राप्त करते हैं।

ख. कॉलेजः

- **व्यक्तिगतः** मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर स्टेट चैंपियनशिप में चौथा स्थान/स्थिति धारक, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटरकॉलेज चैंपियनशिप और एसजीएफआई मानदंडों के अनुसार आयोजित राज्य स्तरीय एसजीएफआई चैंपियनशिप।
- **टीम गेम्सः** कन्‍ फेडरेशन ऑफ पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केवीएस, जेएनवीएस द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, इंटर –आर –शैक्षिक संस्थानों की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के डब्ल्यू इनर या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार बैटरी ऑफ टेस्ट के तहत अर्हता प्राप्त करते हैं।
- **विश्वविद्यालयः व्यक्तिगत और टीम :** भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ और मान्यता प्राप्त राज्य संघों/राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा आयोजित जोनल/राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी
- प्रवेश के समय परीक्षणों और उपलब्धियों की बैटरी में एथलीटों के प्रदर्शन को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।
- परीक्षणों की बैटरी में विफल रहने वाले एथलीटों को अनंतिम रूप से चुना जाता है और प्रतिधारण के लिए छह महीने के बाद उनका मूल्यांकन किया जाएगा।
- प्रवेश के समय विचार किए गए परीक्षणों के परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड की बैटरी को आधार प्रदर्शन के रूप में उचित रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए ताकि समय–समय पर एथलीटों के प्रदर्शन में वृद्धि की तुलना की जा सके।

ग. पूर्व शर्तः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवशास्त्रीय माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर और उम्र, अनुशासन, कार्यक्रम और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन और परीक्षण परिणामों की बैटरी के आधार पर किया जा सकता है। प्रेरण के समय प्रलेखित किया जाना है।

घ. लेटरल एंट्रीः जिन लोगों ने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन हासिल किया है और परीक्षणों, तकनीकी और विशिष्ट कौशल परीक्षणों की बैटरी को सफलतापूर्वक पूरा किया है, उन्हें वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

ङ. प्रतिधारण मानदंडः कैदी का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा, जिसके आधार पर कैदी को भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए टार सेट प्राप्त करने पर भी।

च. छँटाई :

क. प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना

ख. डोप दुर्व्यवहार, आयु धोखाधड़ी, दुराचार।

ज. भर्ती किए गए एथलीटों के लिए निगरानी, छमाही पूर्व वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअपः

- यह अनुशंसा की जाती है कि भर्ती किए गए सभी एथलीटों की करीबी निगरानी और आधा प्रारंभिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं को संलग्न करके या प्रसिद्ध खेल

विज्ञान संस्थानों की सेवाओं को संलग्न करके किया जा सकता है।

- जहां तक संभव हो, भर्ती की गई प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव को दूर करने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।
- प्रतिभा को शामिल करना शैक्षणिक सत्र से जोड़ने के बजाय एक सतत प्रक्रिया हो सकती है ताकि जब भी कोई प्रतिभा देखी जाए और प्रवेश के लिए योग्य पाई जाए तो साईको प्रतिभा को स्वीकार करने में सक्षम बनाया जा सके।
- सामाजिक /नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों/सशस्त्र बलों/कॉर्पोरेट के साथ मिलकर प्रयास किए जा सकते हैं।

छ. **छूटः** हालाँकि टेस्ट की बैटरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर असाधारण मामलों में कम और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रेरण दोनों के लिए छूट दी जा सकती है और नए प्रवेश के 25% तक सीमित खेलों की विशिष्ट प्रकृति को भी ध्यान में रखा जा सकता है।

प. वित्तीय मानदंडः

क्रम सं	विवरण	राशि (रु.)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति एथलीट, प्रति वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता प्रदर्शन (प्रति एथलीट, प्रति वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रति एथलीट एक वर्ष में 10 महीने के लिए)	6000.00
4	बीमा (प्रति एथलीट, प्रति वर्ष)	150.00
5	पहचान किए गए संस्थानों में बुनियादी ढांचा और उपकरण सहायता, प्रति एथलीट, रु. 1.00 लाख की अधिकतम सीमा के अधीन	5000.00

देश में 28 विस्तार केंद्र हैं जिनमें 390 एथलीटों (251 लड़के और 139 लड़कियां) की कुल क्षमता है।

1.9। राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना (NSTC):

क. **उद्देश्यः**

- स्कूलों से 8–14 वर्ष की आयु वर्ग की खेल प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करके भविष्य में पदक की उम्मीद में पोषित करने के लिए लागू किया जा रहा है।
- इस योजना के तहत, अच्छे खेल बुनियादी ढांचे और विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को साई द्वारा गोद लिया जाता है। यह योजना नवोदित खिलाड़ियों को एक ही स्कूल में पढ़ने और खेलने में सक्षम बनाती है। एनएसटीसी की मुख्य योजना (1985 में लॉन्च) के अलावा, जिसमें नियमित स्कूलों को अपनाया जाता है, भारत में खेल प्रतिभाओं तक पहुँचने के लिए कुछ अलग उप–योजनाएँ शुरू की गईं, यहाँ तक कि स्वदेशी खेलों और खेलों में भाग लेने वालों तक भी। एनएसटीसी की इन उप–योजनाओं में शामिल हैं:

  क नियमित विद्यालय

  ख. स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (IGMA)

  ग. अखाड़े

i. **एनएसटीसी के अंतर्गत आने वाले विषयः**

- नियमित विद्यालय – एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हॉकी, खो–खो, तैराकी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल (09 शाखाएँ)।
- स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (– तीरंदाजी, गतका, कबड्डी, कलारीपयतु, मुकना, मलखंब, थांग–ता, सिलंबम, खोमलैनई (09 अनुशासन)
- अखाड़ा – कुश्ती (01 विधा)

ii. गोद लिए गए स्कूलों और अखाड़ों को नियमित प्रशिक्षण के लिए एनएसएनआईएस से प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराए जाते हैं।

iii. नियमित स्कूलों (NSTC) के चयन मानदंडः प्रवेश के समय परीक्षणों और उपलब्धियों की बैटरी में एथलीटों के प्रदर्शन को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

iv. व्यक्तिगत/टीम इवेंट्सः

- एथलीट, जो राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता हैं, को इस योजना में शामिल किया जाता है, बशर्ते कि वे चिकित्सकीय रूप से फिट हों।
- एथलीट जो जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता हैं या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं, उन्हें चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से फिट पाए जाने के अधीन प्रवेश दिया जाता है और उनके पास आवश्यक क्षमता भी होती है जिसका मूल्यांकन परीक्षणों की बैटरी द्वारा किया जाता है।
- प्रतिभागियों के बीच प्रतियोगिता आयोजित करके एथलीटों का भी चयन किया जाता है। चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसमें एसएआई, स्कूल/अखाड़ों, एसएआई प्रशिक्षकों, खेल वैज्ञानिकों आदि के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस आधार पर पहचाने गए खिलाड़ियों को आयु सत्यापन, चिकित्सा परीक्षण के बाद प्रवेश दिया जाता है और बैटरी लगाने के बाद उपयुक्त पाया जाता है।

v. **ई –शर्त** : उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवशास्त्रीय माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर और उम्र, अनुशासन, कार्यक्रम और भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन और परीक्षा परिणाम की बैटरी के आधार पर किया जा सकता है। प्रेरण के समय प्रलेखित किया जाना है।

vi. प्रतिधारण मानदंड : एथलीटों का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा जिसके आधार पर कैदी को भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना भी।

vii. छँटाई :

- प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना
- डोप दुर्व्यवहार, आयु धोखाधड़ी, दुराचार।

viii. निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअपः यह अनुशंसा की जाती है कि भर्ती किए गए सभी एथलीटों की गहन निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन–हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके किया जा सकता है या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं को शामिल करके भी ऐसा किया जा सकता है।

ix. **छूटः** हालांकि टेस्ट की बैटरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर और खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए असाधारण मामलों में निचली और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रवेश दोनों के लिए छूट दी जा सकती है, जिसके लिए महानिदेशक, साई की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होगी। .

1.10. **स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) (एनएसटीसी की उप–योजना)**: ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने और आधुनिक खेलों में पोषण के लिए इन खेलों में प्रतिभा की खोज के लिए यह योजना नवंबर, 2001 में केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, डीएवी, विद्या भारती जैसे स्कूलों के समूह वाले शैक्षिक संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों को एनएसटीसी योजना के हिस्से के रूप में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट के प्रचार और विकास के लिए भी शामिल किया गया था।

क. **चयन का मापदंड– उम्रः** 8 से 14 साल।

प्रवेश के समय परीक्षणों और उपलब्धियों की बैटरी में एथलीटों के प्रदर्शन को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

इ. प्रेरण के लिए चयन मानदंडः

- राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता प्रतिभाओं को चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने की शर्त पर योजना में प्रवेश दिया जाता है।
- जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता या राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली प्रतिभाओं को चिकित्सकीय और शारीरिक रूप से फिट पाए जाने पर प्रवेश दिया जाता है।
- स्वदेशी खेलों में प्रतिभाओं की खोज प्रतिभागियों के बीच खुली प्रतियोगिता के आधार पर की जानी है। चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसमें संबंधित खेल के ै।ए संस्थानों, साई कोच, गुरु/संरक्षक के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस आधार पर चिन्हित खिलाड़ियों को आयु सत्यापन, चिकित्सा परीक्षण आदि के बाद प्रवेश दिया जाता है।

ब. **प्रतिधारण मानदंडः** कैदी का प्रतिधारण उसके प्रदर्शन

के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होगा, जिसके आधार पर कैदी को भर्ती किया गया था और वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने पर भी।

D. छँटाई :

क. प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को बनाए नहीं रखना

ख. डोप दुर्व्यवहार, आयु धोखाधड़ी, दुराचार।

E. निगरानी: गोद लिए गए क्लबों/संस्थानों की करीबी निगरानी और अर्धवार्षिक मूल्यांकन संस्थागत प्रमुखों/क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से किया जाता है। अनुशासन और पात्रता मानदंड के अनुसार असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लड़कों और लड़कियों को साई एसएजी केंद्र या साई स्पोर्ट्स अकादमी में प्रवेश दिया जा सकता है।

F. छूट: टेस्ट की बैटरीमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर असाधारण मामलों में संबंधित क्षेत्रीय प्रमुख द्वारा कम और ऊपरी आयु सीमा के साथ–साथ प्रवेश दोनों के लिए छूट दी जा सकती है और खेलों की विशिष्ट प्रकृति को भी ध्यान में रखा जा सकता है, जिसके लिए महानिदेशक, साई की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

G. एनएसटीसी योजना के तहत अखाड़ों को गोद लेना

- परिचय: कुश्ती देश में एक पारंपरिक स्वदेशी खेल रहा है और ज्यादातर ग्रामीण स्तर पर खेला जाता है। भारत ने अतीत में कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं और यहभारत एक ताकत है। इसलिए, आधुनिक कुश्ती के लिए एक व्यापक आधार बनाने और देश के विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों के पूरक के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

- अखाड़ों को गोद लेना: कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, कुश्ती मैट लगाने के लिए न्यूनतम 20x20 मीटर कवर्ड हॉल, मल्टी–जिम और अन्य संबद्ध सुविधा स्थापित करने के लिए 15x15 मीटर कवर हॉल वाले अखाड़ों को अपनाने की मंजूरी दी जाती है।

- चयन मानदंड: प्रतिभाशाली पहलवानों के चयन के लिए एनएसटीसी नियमित रूप से गोद लिए गए स्कूलों के चयन मानदंड लागू होते हैं।

- एनएसटीसी योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाएं: वर्तमान में इस योजना के तहत चयनित एथलीटों को गैर–आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। हालांकि एक असाधारण मामले के रूप में एथलीटों को आवासीय आधार पर दो स्कूलों में भर्ती कराया गया है और उन्हें वजीफे के बजाय रहने और खाने की सुविधा प्रदान की जाती है।

- **वित्तीय मानदंड:**

नियमित विद्यालय

क्रम सं	विवरण	राशि (रु.)
1	स्पोर्ट्स किट (प्रति वर्ष प्रति एथलीट)	2000.00
2	बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00
3	प्रतियोगिता प्रदर्शन (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	2000.00
4	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	3000.00
5	विद्यालय को खेलकूद उपकरण क्रय हेतु वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट

1	स्पोर्ट्स किट (प्रति वर्ष प्रति एथलीट)	1500.00
2	बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00
3	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति)	3000.00
4	उपकरण की खरीद के लिए स्कूल को वार्षिक अनुदान (पीए)	20000.00
5	प्रतियोगिता के आयोजन के लिए स्कूल को वार्षिक अनुदान स्काउटिंग प्रतिभा के लिए (पीए)	25000.00

अखाड़े

1	स्पोर्ट्स किट (प्रति वर्ष प्रति एथलीट)	3000.00
2	प्रतियोगिता प्रदर्शन (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रति एथलीट प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00

गोद लिए गए अखाड़ों को अनुभवी प्रशिक्षकों की सेवा के अलावा कुश्ती मैट और/या मल्टी–जिम का एक सेट भी प्रदान किया जाता है।

वर्तमान में स्वदेशी खेलों/मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के लिए 10 नियमित स्कूलगोद लिए गए, 09 स्कूल गोद लिए गए हैं। 50 अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनएसटीसी योजना के तहत कुल 782 (615 लड़के और 167 लड़कियां) एथलीट हैं।

सारांश एक नजर में – साई केंद्रों की संख्या और एथलीटों की संख्या 2022–23:

क्रम सं	योजनाओं का नाम	केंद्रों की संख्या	(आवासीय)			(गैर–आवासीय)			सकल योग
			लड़के	लड़कियाँ	कुल	लड़के	लड़कियाँ	कुल	
1	साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (NCOE)	24	1571	1362	2933	107	68	175	3108
2	साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)	68	2374	1369	3743	551	394	945	4688
3	एसटीसी का विस्तार केंद्र	28	0	0	0	251	139	390	390
4	एनएसटीसी	0	0	0	0	0	0	0	0
i)	नियमित विद्यालय	10	0	0	0	86	10	96	96
ii)	आईजीएमए	9	0	0	0	42	34	76	76
iii)	अखाड़े	50	0	0	0	487	123	610	610
	कुल	189	3945	2731	6676	1524	768	2292	8968
			लड़के 5469		लड़कियाँ 3499		सकल योग 8968		

1.11. साई के क्षेत्रीय केंद्रः साई के क्षेत्रीय केंद्र और शैक्षणिक संस्थान देश भर में अपनी खेल प्रोत्साहन योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- कोचिंग कैंप आयोजित करना और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय टीमों की सहायता करना;
- भारतीय खेल प्राधिकरण और सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करना और निगरानी करना;
- एनएसएनआईएस, पटियाला में साई के अकादमिक विंग के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना;
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षकों की तकनीकी क्षमता और ज्ञान को बढ़ाना;
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि से सभी संबंधितों को संगठनात्मक समर्थन, प्रलेखन और खेल विज्ञान की जानकारी प्रदान करना;
- अन्य संगठनों/खेल निकायों, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के साथ संपर्क करना और खेल संबंधी विषयों पर जानकारी प्रदान करना;
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उनके प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उन्हें तैयार करना; और
- खेलों में उच्च स्तर का प्रदर्शन हासिल करने के लिए खिलाड़ियों को वैज्ञानिक आधार प्रदान करना।

1.11.1. SAI नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (NSEC), कोलकाताः साई पूर्वी केंद्र की स्थापना 23 जनवरी, 1983 को साल्ट लेक सिटी, कोलकाता में की गई थी। यह केंद्र बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल,

त्रिपुरा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एसएआई योजनाओं को लागू करने और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

1.11.2. साई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (NSSC), बेंगलुरुः दक्षिणी केंद्र की स्थापना 13 अप्रैल, 1974 को श्रीकांतिरवा स्टेडियम, बेंगलुरु में की गई थी और बाद में 29 जुलाई, 1985 को ज्ञानभारती परिसर, बेंगलुरु विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरु में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। एनएसएससी बेंगलुरु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में एसएआई खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करने और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

1.11.3 साई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (NSWC), गांधीनगरः साई का पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय गांधीनगर, गुजरात में सेक्टर –15, गांधीनगर में स्थित खेल परिसर में स्थापित है, जिसेगुजरात सरकार के लंबे पट्टे के आधार पर (99 वर्षों के लिए) सरकार द्वारा साई को स्थानांतरित कर दिया गया था। साई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन 29 अगस्त 1987 को पश्चिमी क्षेत्र में साईके उद्देश्यों और खेल प्रचार योजनाओं को लागू करने के लिए किया गया था, जिसमें गुजरात और राजस्थान राज्य शामिल थे।

उपरोक्त के अलावा, 50.00 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के लिए सेक्टर–25 में साउथ एशियन पैरा सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है, जिसके लिए सीपीडब्ल्यूडी गांधीनगर से प्रारंभिक अनुमान प्राप्त किया गया है और नई दिल्ली में 17–3–2017 को सचिव, एमवाईएएस, भारत सरकार के साथ हुई बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार खेल और युवा कार्यक्रम मंत्रालय,भारत सरकार को अनुमोदनार्थ को भेजा गया है।

1.11.4. साई उधव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय केंद्र, भोपालः 2000 में शासी निकाय में लिए गए निर्णय के अनुसार, साई केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र को 6 जून, 2001 से भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है। केंद्र का नाम बदलकर ''उधव दास मेहता'' (भाई जी) कर दिया गया है। ''सेंट्रल रीजनल सेंटर ''17 अप्रैल 2002 को गवर्निंग बॉडी के 18 मार्च 2002 के निर्णय के अनुसार। भोपाल में साई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला हुआ है और भूमि मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा प्रदान की गई थी। 144 बिस्तरों वाले छात्रावास, एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान (2), बहुउद्देशीय हॉल, 400 मीटर वाले साइंडर एथलेटिक्स ट्रैक केंद्र, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल मैदानको सितंबर, 2005 से चालू किया गया था। वर्तमान में केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल की पहचान युवा कार्यक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई है। 1 नवंबर, 2019 से भारत का राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (NCOE) के रूप में, जो एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, जूडो, हॉकी और वुशु जैसे केंद्रित विषयों को पूरा करता है।

1.11.5 साई च. देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपतः साई उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना जून, 1988 में हुई थी और इसने एनएसएनआईएस, पटियाला से काम करना शुरू किया। अक्टूबर, 1991 में, क्षेत्रीय केंद्र का कार्यालय चंडीगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद, जून, 2005 में, इस कार्यालय को चंडीगढ़ से गाँव जोशी चौहान, बहालगढ़ (सोनीपत) में लगभग एक क्षेत्र में फैले एक परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। 83 एकड़ भूमि जहां विभिन्न खेल सुविधाओं का निर्माण/विकास किया गया है। हालांकि, 23 फरवरी, 2009 को आयोजित भारतीय खेल प्राधिकरण के 36 वें शासी निकाय में लिए गए निर्णय के अनुसार, 1 अप्रैल, 2009 को चंडीगढ़ और पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीरराज्यों में एक नया एसएआई केंद्र स्थापित किया गया थाऔर केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ को इसके अधिकार क्षेत्र में रखा गया है। इसके अलावा, हरियाणा और दिल्ली राज्यों को एनआरसी, सोनीपत के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में रखा गया है।

1.11.6 साई क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ः भारतीय खेल प्राधिकरण, एनआरसी, सोनीपत को विभाजित किया गया था और मार्च, 2009 के महीने में चंडीगढ़ में एक अलग क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ बनाया और स्थापित किया गया था, जो 1 अप्रैल 2009 से यूटी द्वारा प्रदान की गई जगह में काम कर रहा था। हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में 31.10.2020 तक प्रशासन अब नाभा साहिब, गुरुद्वारा के पास, पटियाला रोड, जीरकपुर (मोहाली) में पंजाब सरकार द्वारा प्रदान की गई भूमि (73 भिगास 06 बिस्वा) में अपने स्वयं के परिसर में काम कर रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र दो राज्य पंजाब, हिमाचल प्रदेश और तीन केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हैं।

1.11.7. एसएआई नेताजी सुभाष उत्तर–पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, इंफालः खेल के क्षेत्र में भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में उपलब्ध प्रतिभाओं को ध्यान में रखते हुए, नेताजी सुभाष राष्ट्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए खेल क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 15 सितंबर को ताकील, इंफाल में की गई थी। 1986, प्रशिक्षण शिविर और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने

के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करना। केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में साई खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करने और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

1.11.8 साई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊः भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में हुई थी। इस केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा 23 फरवरी 2004 कोकिया गया था। इसकावर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई 52 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। इस केंद्र में कुलीन वर्ग के खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक बुनियादी ढाँचे, खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

मार्च 2009 तक यह केन्द्र केन्द्रीय केन्द्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र में था। भोपाल से विभाजन के बाद यह केन्द्र 1 अप्रैल 2009 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। जूडो, हैंडबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस के सभी वर्गों और अन्य विषयों में विशेष रूप से महिला कुश्ती के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करने के लिए एसएआई क्षेत्रीय केंद्र को नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

1.11.9.साई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटीः उत्तर पूर्व में खेलों और खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में साई उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, इंफाल के तहत गुवाहाटी में अपना उप केंद्र स्थापित किया था। साई क्षेत्रीय उपकेंद्र, गुवाहाटी की आधार शिला श्रीमती मार्गरेट अल्वा, पूर्व युवा कार्यक्रम और खेल राज्यमंत्री, सरकार द्वारा रखी गई थी। वर्ष 1987 में भारत का। केंद्र गुवाहाटी शहर के बीचोंबीच एक बहुत भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में स्थित है, जिसमें केवल 9.3 एकड़ जमीन है। भूमिका प्लॉट असम राज्य सरकार द्वारा साई को 99 वर्षों के लिए पट्टे पर / 1.00 प्रतिवर्ष की दर से सौंप दिया गया था। जनवरी 2013 में उपकेंद्र गुवाहाटी को क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में अपग्रेड किया गया है। चार उत्तर पूर्वी राज्यों, अर्थात् असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विभिन्न साई प्रोत्साहन योजनाएँ चल रही हैं।

1.11.10 साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई : मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना 1989 में महाराष्ट्र में खेलों के समग्र प्रचार और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों के साथ की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को खेल छात्रावास की स्थापना के लिए परिसर और अन्य सुविधाओं को साई को सौंपने के लिए एक समझौता किया गया था। एसएआई आरसी मुंबई ने जून 2015 से महाराष्ट्र, गोवा और केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव और दादरा नगर हवेली के साथ स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर दिया। 29 अप्रैल 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीनदयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ जमीन सौंपी।

साई, आर सी, कांदिवली, मुंबई का नाम बदलकर ''साई, श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, मुंबई'' कर दिया गया है।

1.12. साई के शैक्षणिक संस्थान

1.12.1. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियालाः राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के युग की शुरुआत करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। 1987 में साई और स्निपेस के विलय के बाद, संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का अकादमिक विंग बन गया। इसे एशिया में एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है। संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

क. संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

i. खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित करना

ii. पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के आयोजन के माध्यम से प्रशिक्षकों की क्षमता में वृद्धि करना।

iii. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए विशिष्ट खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करना

iv. उच्च स्तरीय प्रदर्शन की उपलब्धियों के लिए विशिष्ट खिलाड़ियों को वैज्ञानिक बैकअप प्रदान करना।

v. खेलों से संबंधित विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशाला आयोजित करना

vi. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे पर सूचना और परामर्श के स्रोत के रूप में कार्य करना।

vii. SAI की खेल प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करना

viii. मंत्रालय की खेल प्रोत्साहन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन

ix. सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभाओं की पहचान।

1.12.2 लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन (LNCPE), तिरुवनंतपुरमः लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम 17 अगस्त, 1985 कोयुवा कार्यक्रम और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में अस्तित्व में आया। 1 मई, 1987 को भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ स्निपेस के विलय के साथ, कॉलेज नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला और लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के समतुल्य भारतीय खेल प्राधिकरण के अकादमिक विंग का हिस्सा बन गया। यह केरल विश्वविद्यालय, कार्य वत्तम परिसर से ली गई 50 एकड़ भूमि में NH–47 के उत्तरी किनारे पर स्थापित किया गया था, जो कार्य वत्तम जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 किमी दूरहै।

ख. प्रमुख उद्देश्यः

i. शारीरिक शिक्षा, खेलकूद और खेलों के साथ–साथ संबंधित क्षेत्रों में अत्यधिक सक्षम और कुशल नेताओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।

ii. शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करना।

iii. भारत और विदेशों में कहीं और शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों को तकनीकी, पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

iv. क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं प्रदान करना

v. सामूहिक शारीरिक शिक्षा गतिविधि के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।

vi. राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कोचिंग शिविरों के लिए बुनियादी ढांचा, रहने और खाने की सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ इस कॉलेज को भाखेप्रा की चल रही योजनाओं के लिए प्रतिष्ठित केंद्र बनाना।

1.13 साई स्टेडियमः स्टेडियम डिवीजन दिल्ली में पांच साई स्टेडियमों के उपयोग के लिए नीतिगत दिशानिर्देश तैयार करने के लिए जिम्मेदार है, जिसमें व्यापक आधार वाले खेलों के दोहरे उद्देश्य और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अलग–अलग सुविधाएं हैं। निम्नलिखित स्टेडियम 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए बनाए गए थे और बाद में 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए इनका नवीनीकरण/पुनर्निर्माण किया गया था। सभी स्टेडियम में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

उद्देश्य

निम्नलिखित के लिए सुविधाएं और स्थान प्रदान करने के लिएरू

1. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं
2. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
3. राष्ट्रीय खेल अकादमियां और उत्कृष्टता केंद्र
4. कम एंड प्ले

हालांकि, खेल सुविधाओं का इष्टतम उपयोग करने और खेल सुविधाओं का इष्टतम उपयोग करने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, मई 2011 में श्आओ और खेलोश की योजना शुरू की गई थी। इसके अलावा, 1 नवंबर 2019 से दिल्ली में साई स्टेडियम में खेल के बुनियादी ढांचे को देश भर के सभी खिलाड़ियों के लिए बिना शुल्क के सुलभ बना दिया गया है। सरकार के स्वामित्व वाली सुविधाएं निःशुल्क दी जाती है। भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्रों में आयोजित शिविरों का हिस्सा नहीं रहने वाले एथलीटों को प्रशिक्षण देने वाले प्रशिक्षकों के लिए भी खेल सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध होंगी। प्रवेश ऑफलाइन या वेब पोर्टल sportsauthorityofindia.nic,in/ऑनलाइन खेल सुविधा के माध्यम से किया जा सकता है।

ये स्टेडियम शैक्षिक संस्थानों/संघों/अन्य संगठनों को विभिन्न स्तरों पर उनके खेल टूर्नामेंट, बैठकें और सेमिनार, खेल और गैर–खेल आयोजनों के तहत खाद्य उत्सव और स्थान (विशेष रूप से खेल उद्देश्यों के लिए नहीं) आयोजित करने के लिए सरकार को किराए पर दिए जा रहे हैं। इससे उत्पन्न राजस्व का उपयोग इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है।

1.13.1 जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स (श्रछै) – 100 एकड़ भूमि क्षेत्र

- आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 निश्चित सीटों के साथ, पीटीएफएफ झिल्ली छत द्वारा कवर किया गया।
- 2172 निश्चित सीटों के साथ पूरी तरह से वातानुकूलित भारोत्तोलन सभागार (26000 वर्ग मीटर)
- 140 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल,

वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, साइकिल चलाने और चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर, बिलियर्ड और स्नूकर, शतरंज हॉल, योग।

1.13.2. इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी) – 104 एकड़ भूमि क्षेत्र

- जिमनास्टिक हॉल लकड़ी का फर्श (पूरी तरह से एसी) 15000 निश्चित सीटों के साथ,
- कुश्ती हॉल (पूरी तरह एसी) 6000 निश्चित सीटों के साथ
- 3800 निश्चित सीटों के साथ साइकिलिंग वेलोड्रोम (पूरी तरह से एसी)।
- 150 बिस्तरों वाला खेल छात्रावास।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटकरा, वुशु, साइकिलिंग, कुश्ती, साइकिल चलाने और चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर, बिलियर्ड और स्नूकर, योग।

1.13.3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (डॉ. एसपीएमएसपीसी)

- 12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 निश्चित सीटों के साथ पूरी तरह से एसी इंडोर स्टेडियम
- 50 मीटर स्विमिंग पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म–अप पूल (छह लेन)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – स्विमिंग और डाइविंग के अलावा वॉलीबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड और स्नूकर की सुविधाएं हैं।

1.13.4 मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस) – 37 एकड़ भूमि क्षेत्र आउटडोर स्टेडियम, खड़ी सीम छत के साथ वीआईपी बैठने की जगह, नई खुली गैलरी में 14,000 निश्चित सीटें और कवर क्षेत्र में 6000 सीटें। तीन अंतर्राष्ट्रीय मानक प्रतियोगिताएं हॉकी एस्ट्रोटर्फ।

उपलब्ध खेल सुविधाएं – हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट, मल्टी जिम और स्क्वैश कोर्ट।

1.13.5. डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली

- पूरी तरह से वातानुकूलित 10 मीटर से परिवर्तित करने में सक्षम अंतिम रेंज। गैर–वातानुकूलित 25 मीटर की सीमा। और 50 मी. 10 मिनट के भीतर रेंज।
- पूरी तरह से कवर वातानुकूलित 10 मीटर। 80 फायरिंग पॉइंट के साथ, 25 मीटर। ट्रैप और स्कीट के लिए 50 फायरिंग पॉइंट और 50 मीटर रेंज के साथ 80 फायरिंग पॉइंट और 6 रेंज।
- नवनिर्मित 162 बिस्तरों वाला स्पोर्ट्स हॉस्टल जनवरी 2021 से कार्य करने की संभावना है।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड और स्नूकर, कैरम, साइकिल चलाने और चलने के लिए मनोरंजक ट्रैक, फिटनेस सेंटर।

1.14. पूरी की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं : 2022 (दिसंबर 2022 तक) के दौरान पूरी की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

पूरे हुए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

क्रम सं	परियोजना का नाम
	आरसी– पटियाला
1	300 बिस्तरों वाले छात्रावास का निर्माण
2	महिला पीटी उषा छात्रावास का जीर्णोद्धार एवं उन्नयन
3	पुरुषों के लिए दयान चंद छात्रावास का नवीनीकरण और उन्नयन
4	एसएआई एनआईएस कैंपस की मौजूदा आंतरिक सड़कों की प्रीमिक्स कारपेटिंग

क्रम सं	परियोजना का नाम
	आरसी–लखनऊ
5	300 बिस्तरों वाले छात्रावास का निर्माण
6	150 केडीएल विस्तार प्रावधान के साथ 200 केएलडी एसटीपी का निर्माण
	आरसी– भोपाल
7	मौजूदा आंतरिक सड़कों की रीकार्पेटिंग
	आरसी–कोलकाता
8	खेल विज्ञान केन्द्र के ऊपर अतिरिक्त तल का निर्माण
9	200 बिस्तर वाले छात्रावास की पेंटिंग (बाहरी और आंतरिक सतह) सहित उन्नयन
	आरसी–सोनीपत
10	मौजूदा सिंथेटिक हॉकी टर्फ का प्रतिस्थापन
11	केडी जाधव छात्रावास में गुरु हनुमान छात्रावास और डाइनिंग हॉल में मॉड्यूलर किचन सुविधाओं के साथ रसोई की स्थापना
12	एसके हॉल में वॉश रूम, स्टीम और सौना बाथ का नवीनीकरण और मरम्मत, सफेदी, आंतरिक और बाहरी पेंटिंग और फाल्स सीलिंग को बदलना
	आरसी–गुवाहाटी
13	एसटीसी कोकराझार में 8 लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण
14	एसटीसी कोकराझार में एफआईएच स्वीकृत हॉकी टर्फ का निर्माण
	आरसी–गांधीनगर
15	मौजूदा 200 बिस्तर वाले बालक छात्रावास के कार्यों का उन्नयन

1.15 समन्वयः साई का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से संसद/संसदीय स्थायी समिति, एसोसिएशन के ज्ञापन और साई के नियमों से संबंधित मुद्दों से संबंधित है, जिसमें साई की आम सभा और शासी निकाय की बैठकों की सुविधा शामिल है। यह संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखने के लिए वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने और एसएआई की लेखापरीक्षा रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खातों के साथ एमवाईएएस को प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है। इसके अलावा, यह सामान्य प्रकृति के मुद्दों पर प्रधान कार्यालय के विभिन्न प्रभागों और क्षेत्रीय केंद्रों/उप–केंद्रों/शैक्षणिक संस्थानों/एमवाईएएस के साथ भी संपर्क करता है।

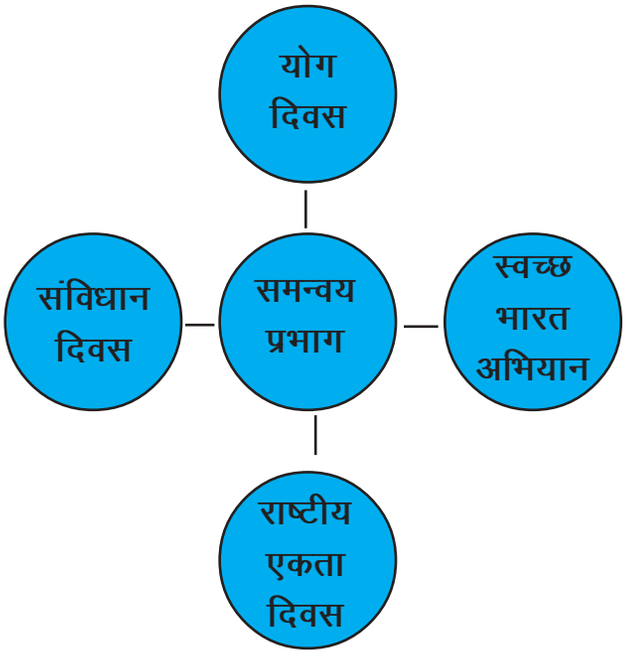

- **स्वच्छ भारत अभियानः** भारतीय खेल प्राधिकरण ने देश को स्वच्छ रखने के लिए दिनांक 02/10/2022 को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर वर्चुअल रूप से स्वच्छ भारत अभियान मनाया।

- **राष्ट्रीय एकता दिवस** भारतीय खेल प्राधिकरण ने 31/10/2022 को श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस को वर्चुअली मनाया।

- **संविधान दिवसः**

  - ❖ भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 नवंबर 2022 को वर्चुअल माध्मय से संविधान दिवस मनाया। प्रतिभागियों के साथ–साथ साई और इसकी फील्ड इकाइयों के तहत काम करने वाले अधिकारियों, कोचों और कर्मचारियों ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन करके संविधान दिवस मनायाः

  - ❖ साई के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षकों द्वारा माननीय प्रधानमंत्री के साथ प्रस्तावना का वाचन।

  - ❖ एक विशेषज्ञ द्वारा साई प्रधान कार्यालय/साई स्टेडियम और क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षकों के लिए संवैधानिक मूल्यों और इसके महत्व पर जूम सत्र।

  - ❖ भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रधान कार्यालय/भाखेप्रा स्टेडियम और इसके क्षेत्रीय केंद्रों पर संविधान की प्रस्तावना दीवार लगाई गई है।

  - ❖ संविधान की प्रस्तावना को साई की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया।

  - ❖ जमीनी स्तर से लेकर कुलीन स्तर के एथलीटों सहित प्रतिभागियों ने भी भारत के संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए प्रस्तावना दीवार पर हस्ताक्षर किए हैं।

  - ❖ दिल्ली में साई स्टेडियम ने जूम कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साई स्टेडियम के अधिकारियों और प्रशिक्षकों के लिए भारतीय संविधान के तहत ''मौलिक अधिकार और कर्तव्य'' पर एक वार्ता का आयोजन किया था।

  - ❖ सभी कर्मचारियों के लिए प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य और मौलिक अधिकार पर व्याख्यान का आयोजन किया।

  - ❖ संविधान के मूल्यों को ताजा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मौद्रिक पुरस्कार के साथ प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों पर एक ई–प्रश्नोत्तरी/प्रश्नोत्तरी का आयोजन करना।

1.16 भाखेप्रा मुख्यालय में खेल चिकित्सा केंद्रः जेएन स्टेडियम में खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना 1984 में भाखेप्रा की योजना योजना के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य खेल चिकित्सा, खेल वैज्ञानिकों, खेल वैज्ञानिकों के विशेषज्ञों की मदद से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान बैकअप प्रदान करना है। फिजियोथेरेपिस्ट, मालिश करने वाले और अन्य सहायक कर्मचारी। केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोटों के इलाज और रोकथाम, सहायता वसूली और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए व्यापक खेल–आधारित कार्यक्रमों का अग्रणी प्रदाता है। जिन खिलाड़ियों को चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है, वे हैं राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न साई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, आओ और खेलो योजनाओं के तहत खिलाड़ी और अन्य। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए, हड्डी रोग, नेत्र विज्ञान, शल्य चिकित्सा और चिकित्सा विभागों के विशेषज्ञ दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि से इस केंद्र का दौरा कर रहे हैं। SAI ने भी स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी कोर्स में मास्टर्स चलाने वाले मेडिकल इंस्टीट्यूशंस को शामिल किया गया है, जिसमें इंटर्न को SAI में उनके क्लिनिकल ड्यूटी के लिए तैनात किया जा रहा है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पाइनल और एमिटी यूनिवर्सिटी, नोडिया फीडर संस्थान हैं जो साई में इंटर्न पोस्ट कर रहे हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों की सहायता कर रहे हैं।

मेडिकल कवरः नेशनल कैंपर्स, विभिन्न साईयोजनाओं के खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, आओ और खेलो योजनाओं के तहत खिलाड़ियों और अन्य लोगों को साल भर और जरूरत के आधार पर मेडिकल कवर प्रदान किया जा रहा है।

1.17. ह्यूमन परफॉरमेंस लैब (HPL): साईदिल्ली में ह्यूमन परफॉरमेंस लैब का उद्देश्य खेल वैज्ञानिकों और खेल विज्ञान में अन्य सहायक कर्मचारियों जैसे एंथ्रोपोमेट्री,

न्यूट्रिशन, फिजियोलॉजी और साइकोलॉजी की मदद से खिलाड़ियों को व्यापक खेल विज्ञान प्रदान करना है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञता, नवीनतम शोध निष्कर्षों और विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग करके एथलीटों के प्रदर्शन को प्राप्त करने और अधिकतम करने के तरीके विकसित करने के लिए कोचों के साथ समन्वय कार्य करना भी है। राष्ट्रीय शिविरों के अभिजात वर्ग के खिलाड़ी, राष्ट्रीय खेल अकादमियों के युवा खिलाड़ी, उत्कृष्टता केंद्र और अन्य भाखेप्रा खेल प्रोत्साहन योजनाओं के खिलाड़ी ऐसे लाभार्थी हैं जिन्हें इस केंद्र से नियमित सहायता मिलती है।

2. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (मानद विश्वविद्यालय)

2.1 परिचयः लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना प्रारंभ में 17 अगस्त 1957 को एक कॉलेज के रूप में की गई थी, यानी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का शताब्दी वर्ष। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहाँ झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया था। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिश पर भारत सरकार द्वारा शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की मान्यता में, वर्ष 1995 में डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्रदान किया गया है। यह संस्थान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संगठन है और मध्य प्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से चलाया जाता है।

2.2 उद्देश्यः संस्थान के उद्देश्य निम्नानुसार हैं: –

1. ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करना, जो मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर पूरी तरह से विश्वविद्यालय की अवधारणा के अनुरूप माने जा सकते हैं, अर्थात् विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्च शिक्षा के नवीनीकरण और कायाकल्प पर समिति की रिपोर्ट (2009) और डीम्ड विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009)।
2. विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों के लिए विशिष्ट योगदान देने की सिद्ध क्षमता के साथ विशेषज्ञता के क्षेत्रों में संलग्न होना – अकादमिक जुड़ाव जो सामान्य प्रकृति के कार्यक्रमों से स्पष्ट रूप से अलग है जो कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा फार्मेसी, प्रबंधन, आदि पारंपरिक संस्थानों में पारंपरिक डिग्री की ओर ले जाता है, ये नियमित रूप से पेश किए जाते हैं।
3. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान विद्वानों (पीएचडी और पोस्ट–डॉक्टोरल) द्वारा आंतरिक रूप से किए गए विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से प्रसार और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना
4. शारीरिक शिक्षा, अन्य अंतर–अनुशासनात्मक विषयों और खेल/क्रीड़ा के क्षेत्र में उच्च योग्य नेता तैयार करना।
5. शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के केंद्र के रूप में सेवा करना, और इस क्षेत्र में अनुसंधान करना, प्रचार करना और प्रसार करना और साहित्य प्रकाशित करना।
6. शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
7. इस क्षेत्र के लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।
8. शारीरिक शिक्षा गतिविधियों में जन भागीदारी को बढ़ावा देना।
9. समाज के विकास में योगदान देने के लिए बाहरी अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम और फील्ड आउटरीच गतिविधियां शुरू करना।
10. शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और खेल/खेल के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।
11. ऐसी शाखाओं में निर्देश और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए। स्वास्थ्य और फिटनेस, तंदुरूस्ती, योग और सीखने की स्वदेशी गतिविधियाँ जो वह उचित समझे।
12. एलएनआईपीई के कामकाज के लिए आवश्यक या ऊपर निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने या आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछनीय या अनुकूल होने वाली ऐसी सभी गतिविधियों को शुरू करने के लिए।

2.3. संकाय और विभागः (2022–23): संस्थान में दो संकायों के तहत निम्नलिखित सात शैक्षणिक विभाग हैं: –

(i) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्रों के संकायः

शारीरिक शिक्षा शिक्षाशास्त्र विभाग

खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग

योगिक विज्ञान विभाग

(ii) खेल विज्ञान संकायः

एथलेटिक्स फिजियोलॉजी विभाग

खेल मनोविज्ञान विभाग

खेल बायोमैकेनिक्स विभाग

स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

2.4 प्रस्तावित पाठ्यक्रम (2022–23): यह संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता हैः–

शारीरिक शिक्षा शिक्षा शास्त्र विभाग

(i) बीपीएड – 8 सेमेस्टर

(ii) एमपीएड – 4 सेमेस्टर (शारीरिक शिक्षा शिक्षाशास्त्र)

(iii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

एथलेटिक्स फिजियोलॉजी विभाग

(i) डच्म्क.– 4 सेमेस्टर (एथलेटिक्स फिजियोलॉजी)

(ii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

खेल मनोविज्ञान विभाग

(i) एमपीईडी. – 4 सेमेस्टर (खेल मनोविज्ञान)

(ii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

खेल बायोमैकेनिक्स विभाग

(i) एमपीईडी. – 4 सेमेस्टर (स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स)

(ii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

(i) एमपीईडी. – 4 सेमेस्टर (स्वास्थ्य विज्ञान)

(ii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

खेल प्रबंधन विभाग

(i) एमपीईडी. – 4 सेमेस्टर (खेल प्रबंधन)

(ii) पीएच.डी. शारीरिक शिक्षा में

(iii) बीए (कार्यक्रम) – 6 सेमेस्टर खेल और प्रदर्शन

(iv) पोस्ट–ग्रेजुएट – फिटनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा – 2 सेमेस्टर

(v) पोस्ट–ग्रेजुएट – स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा –2 सेमेस्टर

(vi) स्पोर्ट्स कोचिंग में डिप्लोमा – 2 सेमेस्टर

यौगिक विज्ञान विभाग

i) योग शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा– 2 सेमेस्टर

ii) एमए योग – 4 सेमेस्टर

iii) पीएच.डी. योग में

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

(i) खेल विश्लेषण में डिप्लोमा (कै।)

(ii) खेल पत्रकारिता में डिप्लोमा (कैश्र)

(iii) खेल प्रबंधन में डिप्लोमा (कैड)

(iv) खेल पोषण में डिप्लोमा (कैछ)

(v) खेल मनोविज्ञान में डिप्लोमा (कैच)

(vi) योग में डिप्लोमा (क्ल)

(vii) स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा (PGDSEM)

उपरोक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, विभिन्न विषयों/खेलों और खेलों में बड़ी संख्या में लघु अवधि के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आदि संचालित किए जाते हैं।

2.5 शासन प्रणालीः यह संस्था एमपी सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक गैर–लाभकारी संस्था के रूप में पंजीकृत है, जो युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा एक सार्वजनिक वित्त पोषित डीम्ड विश्वविद्यालय है।

इस संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय कुलपति की अध्यक्षता में प्रबंधन बोर्ड है। प्रबंधन बोर्ड में न्यूनतम दस

सदस्य और अधिकतम पंद्रह सदस्य होते हैं। संस्थान का प्रबंधन बोर्ड अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पूर्ण स्वायत्तता के साथ प्रायोजक सोसायटी से स्वतंत्र है। प्रबंधन बोर्ड में समाज के प्रतिनिधियों/नामितियों की संख्या अधिकतम चार तक सीमित है। प्रायोजक संस्था का नेतृत्व माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री पदेन पदेन अध्यक्ष के रूप में करते हैं।

प्रबंधन बोर्ड में प्रतिष्ठित व्यक्ति होते हैं जो संस्थान के आदर्शों और परंपराओं में योगदान देने और उन्हें बनाए रखने में सक्षम होते हैं। प्रबंधन बोर्ड में शामिल हैं:

(i) कुलपति – अध्यक्ष

(ii) दो से अनधिक फैकल्टी के डीन की नियुक्ति कुलपति द्वारा (वरिष्ठता के अनुसार बारी–बारी से) की जाएगी।

(iii) संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित खेल अकादमिक, जिन्होंने प्रोफेसर के पद पर काम किया होगा और न तो संस्थान या प्रायोजक समाज से होंगे और न ही उनके रिश्तेदार होंगे।

(iv) युवा कार्यक्रमऔर खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के पद से नीचे का न हो।

(v) दो शिक्षक (प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर से) कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

(vi) कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर चक्रानुक्रम से नियुक्त एक शिक्षक (सहायक प्राध्यापकों में से)।

(vii) प्रायोजक सोसाइटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामांकित व्यक्ति (अकादमिक), जो खेल अकादमिक होंगे और प्रोफेसर के पद से कम नहीं होंगे।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

2.6 नॉर्थ ईस्ट रीजनल सेंटर: गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट रीजनल सेंटर की स्थापना को वर्ष 2009 में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2009–10 के दौरान पहले बैच ने ऑफ–कैंपस के रूप में ग्वालियर से काम किया। तत्पश्चात, मई, 2010 में असम सरकार से तेपसिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का अधिग्रहण करने के बाद, एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से शारीरिक कामकाज शुरू किया, जहां इंडोर बहुउद्देश्यीय हॉल, फुटबॉल ग्राउंड, हॉकी ग्राउंड, वेलोड्रोम और वॉलीबॉल जैसी कई सुविधाएं हैं। कोर्ट पहले से ही मौजूद थे और उसके बाद, संस्थान ने शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया। संस्थान अब बीपीएड के साथ–साथ एमपीएड को पूर्ण रूप से और नियमित रूप से चला रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के लिए नियमित जनशक्ति की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को मंजूरी दी गई है और इन पदों के लिए अधिकांश नियुक्तियां की गई हैं। फैकल्टी और स्टाफ के लिए हॉकी टर्फ, ट्रैक एंड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी और क्वार्टर का काम चल रहा है।

2.7. अनुदान सहायता: संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से सहायता अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए अनुदान का आवंटन एलएनआईपीई, ग्वालियर के लिएरु.45.00 करोड़ है और एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए7.00 करोड़ रुपये है। वित्तीय वर्ष 2022–23 के लिए एलएनआईपीई, ग्वालियर के लिए अनुदान का आवंटन 49.00 करोड़ रुपये है और एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए7.00 करोड़ रुपये है।

2.8 शैक्षणिक विवरणः

वर्ष 2022–23 के दौरान श्रेणीवार डिग्री पाठ्यक्रमों की संख्या

कक्षा	लिंगवार			छात्रशक्ति										कुल योग
				अनुसूचित जनजाति		अनुसूचित जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		जनरल		ईडब्ल्यूएस		
	लड़के	लड़कियाँ	कुल	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	
बीपीएड पहला सेमेस्टर	82	33	115	05	02	14	05	32	13	23	10	08	03	115
बीपी एड तीसरा सेमेस्टर	73	34	107	04	02	13	06	31	10	16	11	09	05	107
बीपी एड पाँचवा सेमेस्टर	80	31	111	05	04	05	14	33	14	21	07	07	01	111
बीपी एड सातवां सेमेस्टर	34	74	108	06	02	10	05	32	11	26	16	–	–	108
एमपीईडी. पहला सेमेस्टर	67	21	88	09	–	10	04	22	07	12	08	14	02	88
एमपीईडी. तीसरा सेमेस्टर	48	19	77	03	04	09	01	27	08	14	08	03	–	77
एमए प्रथम सेम. योग	07	19	26	–	–	–	04	03	03	10	04	–	02	26
एमए प्प् सेम योग	04	01	05	–	–	–	–	02	–	02	01	–	–	05
एमए (स्पो.मैनेज) पहला सेमेस्टर	06	04	10	00	00	00	01	01	00	03	03	02	00	10
बीए (प्रोग्राम) पांचवा सेमेस्टर	03	03	03	–	–	01	–	02	–	–	–	–	–	03
पीएच.डी.	36	24	60	2	1	06	04	06	08	18	10	04	01	60
श्रेणीवार कुल				**49**		**112**		**265**		**223**		**61**		**710**

वर्ष 2022–23 के दौरान डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में श्रेणीवार संख्या विभागों के माध्यम से

कक्षा	लिंगवार			छात्रशक्ति										कुल योग
				अनुसूचित जनजाति		अनुसूचित जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		जनरल		ईडब्ल्यूएस		
	लड़के	लड़कियाँ	कुल	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	
पीजीडीएससी	141	36	179	04	03	18	04	60	15	52	09	09	05	179
पीजीडीएफएम	10	00	10	00	00	02	00	02	00	06	00	00	00	10
डीएससी	26	00	26	00	00	02	00	09	00	15	00	00	00	26
पीजीडीवाईएड	05	08	13	00	00	00	01	02	04	02	03	01	00	13
श्रेणीवार कुल				07		27		92		87		15		228

वर्ष 2022–23 के दौरान मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से संचालित पाठ्यक्रमों में श्रेणीवार संख्या

कोर्स का नाम	छात्र विवरण		
	महिला	नर	कुल योग
खेल विश्लेषण में डिप्लोमा (DSA)	1	12	13
खेल पत्रकारिता में डिप्लोमा (DSJ)	1	7	8
खेल प्रबंधन में डिप्लोमा (DSM)	16	52	68
खेल पोषण में डिप्लोमा (DSN)	8	31	39
खेल मनोविज्ञान में डिप्लोमा (DSP)	13	11	24
योग में डिप्लोमा (DY)	11	15	26
स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा (PGDSEM)	12	36	48
कुल योग	**62**	**164**	**226**

शैक्षणिक अनुभाग सत्र 2021–22 के दौरान पास–आउट विद्यार्थी

क्रम सं	अवधि	छात्र उपस्थित हुए			पास आउट विद्यार्थी		
		नर	महिला	कुल	नर	महिला	कुल
1.	बीपीएड आठवां सेम. (ग्वालियर)	65	33	98	65	33	98
2.	बीपीएड आठवां सेम. (गुवाहाटी)	61	28	89	61	28	89
3.	बीए (पी) एस एंड पी	02	01	03	02	01	03
4.	एमपीईडी. चतुर्थ सेमेस्टर (ग्वालियर)	56	33	89	56	33	89
5.	एमपीईडी. चतुर्थ सेमेस्टर (गुवाहाटी)	19	24	43	18	24	42
6.	एमए (योग) IV सेमेस्टर	02	02	04	02	02	04
7.	एमए (एसपी। मनोविज्ञान)	03	00	03	03	00	03
8.	एमएसएम – IV सेमेस्टर	06	01	07	05	01	06
9.	एमएससी (पूर्व फिजियोलॉजी)	01	00	01	01	00	01
10.	एमएससी (स्पोर्ट बायोमैकेनिक्स)	05	00	05	05	00	05
11.	पीजीडीवाईएड.–II सेमेस्टर	07	11	18	07	11	18
12.	पीजीडीएससी–II सेमेस्टर	129	26	155	123	25	148
13.	पीजीडीएफएम–II सेमेस्टर	12	00	12	12	00	12
14.	पीजीडीवाईएड (ओडीएल)–II सेमेस्टर	09	06	15	07	06	13
15.	पीजीडीएसएम (ओडीएल)–II सेमेस्टर	49	05	54	38	05	43
16.	डीएससी–II सेमेस्टर	21	00	21	21	00	21
17.	डीएसईएम (ओडीएल) –II सेमेस्टर	11	01	12	10	01	11
18.	पीएच.डी. कोर्स वर्क	14	35	49	14	35	49
19.	पीएच.डी. कोर्स वर्क (गुवाहाटी)	11	03	14	11	03	14
		कुल दिखाई दिया		**692**	**कुल उत्तीर्ण**		**669**

पास–आउट 2021–22 का सारांश

- स्नातक – 190
- स्नातकोत्तर – 384
- डीएससी – 21
- डीएसईएम (ओडीएल) – 11
- पीएच.डी. (कोर्स वर्क) – 63

2.9 अवसंरचनात्मक सुविधाएं: संस्थान अपनी स्थापना के समय से ही सह–शैक्षिक और पूरी तरह से आवासीय है। यह ग्वालियर में खेल के मैदानों, भवनों आदि सहित बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित है, जबकि ऐसी सुविधाएं एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ–साथ धन की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से बनाई जा रही हैं।

2.10 जनवरी, 2021 से 31 दिसंबर, 2021 तक की महत्वपूर्ण कार्यक्रमएं :

i. संस्थान के सभी कर्मचारियों और छात्रों द्वारा 26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस मनाया गया।

ii. विस्तार सेवा विभाग द्वारा 5 से 19 मई, 2022 तक मध्य प्रदेश के आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रशिक्षकों और पीटीआई के लिए 15 दिवसीय सेवाकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

iii. केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए 21 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन 28 अप्रैल से 18 मई, 2022 तक विस्तार सेवा विभाग द्वारा किया गया था।

iv. विस्तार सेवा विभाग द्वारा 9 मई से 22 जून, 2022 तक ग्रेटर ग्वालियर की आबादी के लिए 45 दिवसीय समर कोचिंग कैंप का आयोजन किया गया, जिसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

v. दूसरी बैठक एनईआरसी, गुवाहाटी में 18 और 19 मई, 2022 को भौतिक प्रगति और चल रहे सभी निर्माण कार्यों के अनुमानों की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी।

vi. 66 वीं बैठक 28 जून, 2022 को एलएनआईपीई, ग्वालियर में आयोजित की गई।

vii. एलएनआईपीई, ग्वालियर की एनएसएस इकाई द्वारा विश्व साइकिलिंग दिवस के अवसर पर 3 जून, 2022 को एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

viii. 7 जून, 2022 को एलएनआईपीई, ग्वालियर की एनएसएस इकाई द्वारा जयारोग्य अस्पताल, ग्वालियर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

ix. 18 जून, 2022 को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के शहीद दिवस के रूप में मनाया गया। ग्वालियर के फूलबाग में रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

x. इस संस्थान में 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें लगभग 3000 लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

xi. 6 जून, 2022 को एलएनआईपीई, ग्वालियर और राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान (एनआईएसडी), मुंबई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

xii. शतरंज ओलंपियाड मशाल रिले स्वागत कार्यक्रम दिनांक 5 जुलाई 2022 को आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री नरेंद्र सिंह तोमर (माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो विवेक पाण्डेय (ऑफ वाइस चांसलर) उपस्थित थे।

xiii. 55 वीं बैठक एनडीटीएल नई दिल्ली में 18 जुलाई, 2022 को हुई और इसकी विस्तारित बैठक 22 जुलाई, 2022 को ऑनलाइन मोड में हुई।

xiv. 13 जुलाई, 2022 को पांजा स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एलएनआईपीई ग्वालियर आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप का वेन्यू पार्टनर था, जिसका आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 24 से 26 जुलाई, 2022 तक किया गया था। पूरे भारत से लगभग 500 एथलीटों ने भाग लिया।

xv. मध्य प्रदेश के आदिम जाति कल्याण विभाग में प्रशिक्षकों और पीटीआई के लिए 15 दिवसीय सेवाकालीन पाठ्यक्रम 26 जुलाई से 9 अगस्त, 2022 तक विस्तार सेवा विभाग के तहत आयोजित किया जा रहा है।

xvi. महावीर इंटरनेशनल चांदना वीरा, ग्वालियर के

संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 4 अगस्त, 2022 को संस्थान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

xvii. आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 9 अगस्त, 2022 को 'विश्व गुरु भारत' पर व्याख्यान और 'आत्मनिर्भर भारत' पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

xviii. संस्थान द्वारा प्लॉगिंग कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 अगस्त, 2022 को किया गया।

xix. शपथ समारोह 13 अगस्त, 2022 को हर घर तिरंगा के तहत आयोजित किया गया और राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए।

xx. अगस्त, 2022 को एलएनआईपीई से वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल तक ''झंडा ऊंचा रहे हमारा'' गान के साथ साइकिल रैली का आयोजन किया गया और साइकिल रैली के दौरान लोगों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए।

xxi. 15 अगस्त, 2022 को संस्थान के साथ–साथ परिसर के बाहर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

xxii. हर घर तिरंगा कार्यक्रम 13 से 15 अगस्त, 2022 तक आयोजित किया गया।

xxiii. संस्थान द्वारा 17 अगस्त, 2022 को इंट्रामुरल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया।

xxiv. पूर्व छात्रों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए 18 अगस्त, 2022 को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

xxv. 26 अगस्त, 2022 को छात्रों के लिए साइबर क्राइम पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

xxvi. राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर, हॉकी मैच और साइकिल रैली (फास्ट एंड स्लो) का आयोजन किया गया और विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

xxvii. शिक्षक दिवस के अवसर पर दिनांक 5 सितम्बर 2022 को एरोबिक्स एवं जुंबा, सम्मान समारोह, मनोरंजन खेल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

xxviii. एनडीआरएफ के कर्मचारियों के लिए 7 से 21 सितंबर, 2022 तक सेवाकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

xxix. हिंदी पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर, 2022 तक आयोजित किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान, श्री एनएल रोहिरा, कुलसचिव, प्रभारी ने हिंदी दिवस और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय हिंदी सम्मेलन में भाग लिया,यह सम्मेलन सूरत (गुजरात) में भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।

xxx. स्वच्छता अभियान 2.0 के तहत संस्थान परिसर के विभिन्न स्थानों एवं कार्यालयों में दिनांक 2 से 31 अक्टूबर, 2022 तक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

xxxi. 24 से 27 अक्टूबर, 2022 तक क्यूबा अमोरटिकाडाड 2022 कांग्रेस ऑफ स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एक्टिविटी द्वारा आयोजित कार्यशाला में ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

xxxii. दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ''भ्रष्टाचार मुक्त भारत एक विकसित राष्ट्र के लिए'' विषय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शपथ समारोह आयोजित किया गया।

xxxiii. संस्थान की भवन एवं निर्माण समिति की बैठक दिनांक 09.11.2022 को एलएनआईपीई, ग्वालियर में आयोजित की गई।

xxxiv. वित्त समिति की 56 वीं बैठक 11 नवंबर, 2022 को एलएनआईपीई, ग्वालियर में आयोजित की गई।

xxxv. 23 नवंबर, 2022 को जागरूक मतदाताओं के लिए संस्थान से फूलबाग, ग्वालियर तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया।

xxxvi. जिले के रमौआ गांव में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। ग्वालियर 25 नवंबर 2022 को मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किया।

xxxvii. 26 नवंबर, 2022 को संविधान दिवस मनाया गया और ऑनलाइन माध्यम से संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। संस्थान के छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

xxxviii. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय ने दिसंबर, 2022 के महीने में अपने ई–समर्थ पोर्टल पर एलएनआईपीई, ग्वालियर को मंजूरी दी, जिससे संस्थान चरणबद्ध तरीके से अपनी सभी शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर करने में सक्षम होगा।

3. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुरः राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू) की स्थापना 2017 में मणिपुर सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1989 के तहत की गई थी। इसने 2018 में खुमन लंपक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इंफाल में दो पाठ्यक्रमों के स्नातक कार्यक्रमों के साथ एक अस्थायी परिसर में काम करना शुरू किया, अर्थात् बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स और बैचलर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट्स कोचिंग। 17 अगस्त, 2018 को एनएसयू संसद के एक अधिनियम द्वारा अधिनियमित किया गया था और यह विश्वविद्यालय भारत में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय ने चार सफल वर्ष पूरे कर लिए हैं और वर्तमान में 3 स्नातकोत्तर कार्यक्रम और 2 स्नातक कार्यक्रम चला रहा है।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन के संस्थान के रूप में विकसित होना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से डिजाइन किए गए शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम और खेल की उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करके शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में अनुसंधान और विकास और ज्ञान का प्रसार करना।
- पारंपरिक और जनजातीय खेलों और खेलों सहित खेलों को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में अत्याधुनिक शैक्षिक प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करने के लिए उत्कृष्ट केंद्र और संस्थान स्थापित करना
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना
- शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा, खेल प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित क्षेत्रों में व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं प्रदान करना
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर ज्ञान, कौशल और दक्षताओं के विकास के लिए क्षमताएं उत्पन्न करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च–प्रदर्शन प्रशिक्षण से संबंधित क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक के बुनियादी ढांचे को उपलब्ध कराने की क्षमता पैदा करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च–प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में उच्च योग्य पेशेवरों को तैयार करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में सभी खेलों और खेलों के विशिष्ट और अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में सेवा करना और अनुसंधान करना, समर्थन करना और प्रचार करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में ज्ञान और विकास के लिए एक प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, खेल प्रौद्योगिकी और सभी खेलों और खेलों के लिए उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान के उद्देश्य से खेल अकादमियों, स्कूलों, कॉलेजों, खेल और मनोरंजन क्लबों, खेल संघों और अंतर्राष्ट्रीय संघों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करना।
- प्रतिभाशाली एथलीटों को प्रशिक्षित करना ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुलीन एथलीटों के रूप में विकसित करने में मदद मिल सके।
- भारत को खेल शक्ति बनाना।

निम्नलिखित शासी निकाय विश्वविद्यालय के प्राधिकरण हैं:

i. कोर्ट।

ii. कार्यकारी परिषद।

iii. अकादमिक और गतिविधि परिषद।

iv. खेल अध्ययन बोर्ड।

v. वित्त समिति।

कार्यकारी परिषद, अकादमिक और गतिविधि परिषद और वित्त समिति का गठन किया गया है।

3.1 शैक्षणिक गतिविधियां: वर्तमान में, विश्वविद्यालय में 4 शैक्षणिक विभाग हैं। ये:

i. खेल प्रशिक्षण विभाग।

ii. शारीरिक शिक्षा विभाग।

iii. खेल मनोविज्ञान विभाग।

iv. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी और पोषण विभाग।

3.2 कार्यक्रमों की पेशकश की: विश्वविद्यालय वर्तमान में निम्नलिखित कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है:

कार्यक्रम का नाम	डिग्री	अवधि	
		साल	छमाही
खेल कोचिंग में मास्टर ऑफ साइंस	एमएससी (खेल प्रशिक्षण)	2	4
खेल मनोविज्ञान में कला में स्नातकोत्तर	एमए (खेल मनोविज्ञान)	2	4
शारीरिक शिक्षा और खेल में स्नातकोत्तर	एमपीईएस	2	4
खेल कोचिंग में विज्ञान स्नातक	बीएससी (खेल प्रशिक्षण)	4	8
शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातक	बीपीईएस	3	6

3.3. प्रवेश: शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 के लिए अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा, शारीरिक फिटनेस, खेल प्रवीणता परीक्षा, चिकित्सा परीक्षा और मौखिक परीक्षा 19.07.2022 से 22.07.2022 तक भौतिक रूप से राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय द्वारा साई केंद्र में सात बजे आयोजित की गई थी।

3.4 छात्र नामांकन: 28.12.2022 को विश्वविद्यालय के रोल पर छात्रों की संख्या 273 है। विस्तृत ब्रेक–अप नीचे दिया गया है:

सेमेस्टर	कोर्स का नाम	बैच	नर	महिला	कुल	कुल योग
सेमेस्टर VIII	बीएससी (खेल प्रशिक्षण)	2019–20	29	6	35	35
सेमेस्टर–VI	बीपीईएस	2020–21	19	8	27	41
	बीएससी (खेल प्रशिक्षण)	2020–21	11	3	14	
सेमेस्टर –IV	बीपीईएस	2021–22	41	8	49	89
	बीएससी (खेल प्रशिक्षण)	2021–22	15	6	21	
	एमए खेल मनोविज्ञान	2021–22	1	2	03	
	एमपीईएस	2021–22	13	3	16	
सेमेस्टर – II	बीएससी (खेल प्रशिक्षण)	2022–23	9	6	15	108
	बीपीईएस	2022–23	43	6	49	
	एमए खेल मनोविज्ञान	2022–23	5	3	08	
	एमपीईएस	2022–23	14	5	19	
	एमएससी (खेल प्रशिक्षण)	2022–23	11	6	17	
कुल	211	62	273	273		

सभी नामांकित छात्र देश के 28 राज्यों से हैं।

3.5 अनुदान–सहायताः विश्वविद्यालय पूरी तरह से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार से सहायता अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2022–23 के दौरान बजट अनुमान स्तर पर अनुदान का आवंटन 91.00 करोड़ रुपये है जिसमें से 78.00 करोड़ रु. जीआईए – पूंजीगत संपत्ति का निर्माण के लिए है।

3.6 खेल विज्ञान उपकरण और प्रयोगशालाः विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित खेल विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित कीः

i) खेल और एथलेटिक्स फिजियोलॉजी प्रयोगशाला

iii) खेल मनोविज्ञान प्रयोगशाला

iii) एथलेटिक्स फिजियोलॉजी और खेल पोषण प्रयोगशाला

iv) एंथ्रोपोमेट्री प्रयोगशाला

ये प्रयोगशालाएँ शरीर रचना विश्लेषक, स्पाइरोमीटर, एंथ्रोपोमेट्रिक किट, एर्गो स्प्रिंट ट्रेडमिल, हैंड ग्रिब डायनेमोमीटर, वर्टिमैक्स ट्रेनिंग किट, हिप पावर डायनेमोमीटर, स्टैडोमीटर, वियना टेस्ट सिस्टम, कॉग्नी प्लस, बायोफीडबैक ट्रेनिंग सिस्टम, हार्ट रेट परिवर्तनशीलता (एचआरवी) प्रशिक्षण प्रणाली, तनाव नियंत्रण प्रशिक्षण प्रणालीजैसे आधुनिक उपकरणों से लैस हैं।

3.7 प्रकाशनः विश्वविद्यालय के संकाय अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ–साथ सम्मेलन की कार्यवाही में सक्रिय रूप से शोध पत्र प्रकाशित कर रहे हैं। 2022–23 के दौरान प्रकाशनों में शामिल हैंः

➢ **जर्नलः 10**

3.8 सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाः

वर्ष 2022–23 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा सम्मेलन, सेमिनार/वेबीनार, कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। येरू

➢ खेल विज्ञान पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 31 मई से 2 जून 2022 तक।

3.9. छात्रों की गतिविधियाँः छात्रों ने विभिन्न खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया जाता है।

पूर्वी क्षेत्र/अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भागीदारीः

क्र सं.	खेल	प्रतियोगिता की तिथि	कार्यक्रम का स्थान	नर	महिला
1	एक्वेटिक	6 से 29 दिसंबर, 2022	केआईआईएस ओडिशा	02	–
2	तीरंदाजी	23 से 28 दिसंबर 2022	गुरु घासी विश्वविद्यालय, पंजाब	02	02
3	एथलेटिक्स	20 से 23 दिसंबर 2022	केआईआईटी, ओडिशा	15	02
4	बैडमिंटन (पुरुष)	27 से 31 दिसंबर, 2022	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा	06	–
5	बैडमिंटन (महिला)	27 से 31 दिसंबर, 2022	ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़	–	03
6	बास्केटबॉल (पुरुष)	22 से 25 नवंबर 2022	यूएसटीएम, मेघालय	12	–
7	मुक्केबाजी	26 दिसंबर से 10 जनवरी 2023 तक	एमडीयू रोहतक	04	03
8	फेंसिंग (महिला)	20 से 23 दिसंबर, 2022	जम्मू विश्वविद्यालय	–	01
9	फुटबॉल (पुरुष)	11 से 19 नवंबर 2022	बीआईटी, रांची	20	–
10	फुटबॉल (महिला)	21 से 25 नवंबर 2022	संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा	–	15
11	जूडो (पुरुष)	2 से 6 जनवरी 2023	एलपीयू, पंजाब	02	–
12	कबड्डी (पुरुष)	24 से 27 नवंबर 2022	श्री राम चंद्र विहार, उड़ीसा	12	–
13	खो–खो (पुरुष)	3 से 6 जनवरी 2022	त्रिपुरा विश्वविद्यालय	15	–

14	टेबल टेनिस (पुरुष)	19 से 22 दिसंबर 2022	रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, असम	03	
15	तायक्वोंडो	3 से 12 जनवरी 2023	जीएनडीयू, पंजाब	02	02
16	वॉलीबॉल (पुरुष)	10 से 13 दिसंबर 2022	केआईआईएस, भुवनेश्वर	12	–
17	योग	26 से 29 दिसंबर 2022	केआईआईटी, ओडिशा	02	02
18	युवा उत्सव	4 से 8 जनवरी, 2023	यूएसटीएम, मेघालय	15	06

3.10 राष्ट्रीय और राज्य प्रतियोगिताओं में भागीदारीः

क्रीडा और खेल	प्रतियोगिता का नाम	कार्यक्रम का स्थान	प्रतियोगिता की तिथि	छात्र प्रतिभागियों की संख्या	परिणाम/उपलब्धि
कैनो स्लैलम (ज्ञ1)	36 वें राष्ट्रीय खेल 2022	अहमदाबाद	8–9 अक्टूबर 2022	1	कांस्य
कैनो स्प्रिंट	33 वीं राष्ट्रीय स्प्रिंट सीनियर पुरुष और महिला चैम्पियनशिप 2022	उत्तराखंड	22–25 अगस्त 2022	1	रजत
भारोत्तोलन	चौथी स्टेट वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप	सिक्किम	20–21 सितंबर 2022	1	स्वर्ण
बैथल और ट्रायथल	11 वीं बैथल एंड ट्रायथल नेशनल चैंपियनशिप 2022	पुणे	13–15 अगस्त 2022	1	कांस्य
वालीबाल	23 वीं यूथ नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2022	उत्तराखंड	07–19 अप्रैल 2022	2	भाग लेना
शूटिंग	डब्ल्यूसी कोरिया और एशियाई खेल के लिए चयन ट्रायल 3 और 4 राइफल इवेंट	दिल्ली	06–18 अप्रैल 2022	1	चयन परीक्षण
तीरंदाजी	41वीं एनटीपीसी सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप	जम्मू (जम्मू और कश्मीर)	20–28 मार्च 2022	2	भाग लेना
शूटिंग	भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए पिस्टल इवेंट के लिए चयन ट्रायल 1 और 2	एमपी भोपाल	20–25 मार्च 2022	1	चयन ट्रायल
थांग–टा	XXXII स्टेट सब–जूनियर, जूनियर, सीनियर थांग–टा चैंपियनशिप 2022	इंफाल	23–25 फरवरी 2022	1	कांस्य
शूटिंग	भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए पिस्टल इवेंट के लिए चयन ट्रायल 1 और 2	भोपाल	08–30 मार्च 2022	1	चयन ट्रायल
रस्सी कूदना	पूर्णिमा विश्वविद्यालय	राजस्थान	11 –13 जुलाई 2022	06	गोल्ड–2, सिल्वर–1, ब्रॉन्ज–2।

खो–खो	46 वीं मणिपुर स्टेट सीनियर (पुरुष और महिला) खो–खो चैंपियनशिप	मणिपुर	22 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक	12	तीसरा स्थान और सर्वश्रेष्ठ अनुशासन टीम

क्रीडा और खेल	प्रतियोगिता का नाम	कार्यक्रम का स्थान	प्रतियोगिता की तिथि	छात्र प्रतिभागियों की संख्या	परिणाम/उपलब्धि
एथलेटिक्स	पूर्वोत्तर ओलंपिक खेल	मेघालय, शिलांग	10 से 16 नवंबर 2022	02	100 मीटर (स्वर्ण) 4x100 मीटर (स्वर्ण) 4x100 मीटर (रजत)
शूटिंग	पूर्वोत्तर ओलंपिक खेल	मेघालय, शिलांग	10 से 16 नवंबर 2022	02	स्वर्ण (01) रजत (02) कांस्य (02)
मुक्केबाजी	उत्तर पूर्व ओलंपिक खेल	मेघालय, शिलांग	10 से 16 नवंबर 2022	पुरुष (01) महिला (01)	कांस्य (02)
मुक्केबाजी	एलिट राज्य महिला चैम्पियनशिप	लुधियाना, पंजाब	11 से 13 नवंबर 2022	01	रजत (01)
फेंसिंग	गवर्नर्स कप स्टेट लेवल फेंसिंग चैंपियनशिप	साई, ताकील, मणिपुर	2 से 8 दिसंबर 2022	01	स्वर्ण रजत कांस्य

➢ के. आशीष सरमा (बीएससी आठवीं सेमेस्टर) और सुश्री अभिलाषा चंदवास्कर (एमए स्पोर्ट्स साइकोलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर) को भारतीय टीम के लिए शूटिंग में चयन ट्रायल 1 और 2 के लिए चुना गया था।

➢ छात्रों ने विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, योग दिवस, ओलंपिक दिवस, हिंदी दिवस, राष्ट्रीय खेल दिवस, निबंध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, संविधान दिवस, ओणम, दुर्गा पूजा, दिवाली, लोहड़ी आदि जैसे विभिन्न सांस्कृतिक, उत्सव और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का जश्न मनाया।

3.11. अवसंरचना सुविधाएं:

3.11.1. अस्थायी परिसर: विश्वविद्यालय वर्तमान में इम्फाल के खुमनलंपक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपने अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। यह अपनी स्थापना के समय से ही सह–शैक्षिक और पूरी तरह से आवासीय है। मणिपुर सरकार ने इंफाल के खुमानलंपक खेल परिसर में जगह उपलब्ध कराई। इसमें तीन छात्रावास भवन, दो लड़कों के लिए प्रत्येक में 50 कमरे, एक छात्रावास में लड़कियों के लिए 35 कमरे, शैक्षणिक और प्रशासनिक ब्लॉक भवन शामिल हैं। इनके अलावा, खुमनलंपक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की विभिन्न अन्य अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाएं भी खेल गतिविधियों और कक्षाओं के लिए उपलब्ध हैं।

3.11.2. नया परिसर:

i. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय और एनबीसीसी के बीच दिनांक 25 सितंबर, 2019 के समझौता ज्ञापन के माध्यम से एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। एनबीसीसी (इंडिया) ने एनएसयू का ले–आउट प्लान तैयार करने के लिए मैसर्स आर्कोप एसोसिएट्स को नियुक्त किया है, जो खेल अवसंरचना परियोजनाओं को डिजाइन करने में अनुभवी एक वास्तुशिल्प फर्म है।

ii. वित्त मंत्रालय ने 3 साल की अवधि में 906.47 करोड़

रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय पर राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिसे बाद में संशोधित कर 3 करोड़ रुपये कर दिया गया। 643.34 करोड़ रुपये के निर्माण घटक के साथ। 611.74 करोड़। एनबीसीसी ने वास्तविक निर्माण शुरू होने से 30 महीने के समापन कार्यक्रम के साथ 16ध06ध22 को निर्माण कार्य सौंपा।

iii. इम्फाल शहर से लगभग 20 किमी दूर इंफाल पश्चिम जिले के कौतरुक–सेनजामखुनौ गांव के पास एक तलहटी पर राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई 325.90 एकड़ भूमि पर शुरू हो गया है।

iv. निवेश–पूर्व गतिविधियों के भाग के रूप में स्थल विकास, रिटेनिंग वॉल, स्थल कार्यालय, मृदा परीक्षण आदि का कार्य पूरा कर लिया गया है। एनबीसीसी, परियोजना प्रबंधन सलाहकार ने नए परिसर के संशोधित लेआउट को अंतिम रूप दे दिया है। सुरक्षाकर्मियों के लिए भूमि विकास, रिटेनिंग वॉल और अस्थायी बैरकों के निर्माण से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं। छात्रावास, प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, प्राध्यापक आवास तथा बहुउद्देश्यीय खेलकूद हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

v. ठेकेदार को दिनांक 16.06.2022 को लेटर ऑफ अवार्ड जारी कर प्रशासनिक, शैक्षणिक, खेल प्रयोगशाला, आवास, खुले मैदान सहित बाहरी विकास कार्य प्रगति पर है।

4. राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा): राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) देश के खिलाड़ियों के बीच डोप मुक्त संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नोडल एजेंसी है। नाडाडोपिंग रोधी मामलों पर सर्वोत्तम अभ्यास सहित विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (WADA) के मानकों और दिशानिर्देशों का पालन करता है।

4.1 डोप परीक्षण: नाडा मुख्य रूप से आयोजनों, परीक्षणों, प्रशिक्षण शिविरों और उनके संबंधित स्थानों के दौरान मूत्र और रक्त के नमूने एकत्र करके खिलाड़ियों पर डोप परीक्षण करता है। अप्रैल–दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान, खेल चैंपियनशिप और प्रशिक्षण शिविरों के दौरान 293 रक्त के नमूनों सहित कुल 3243 डोप नमूने एकत्र किए गए।

4.2 डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन: रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, निम्नलिखित खेलों से संबंधित खिलाड़ियों ने डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन किया है: –

क्र.सं.	खेल अनुशासन	संख्या
1.	एथलेटिक्स	28
2.	मुक्केबाजी	01
3.	भारोत्तोलन	09
4.	पावर लिफ्टिंग	07
5.	कुश्ती	16
6.	बॉडीबिल्डिंग	01
7.	हॉकी	01
8.	एथलेटिक्स	01
9.	शूटिंग	02
10.	तायक्वोंडो	01
11।	एक्वेटिक्स	01
12.	साइक्लिंग	01
13.	बास्केटबाल	01
14.	बॉलिंग	01
15.	कबड्डी	03
16.	वुशु	01
17.	फुटबॉल	01
18.	जूडो	08

4.3। उपचारात्मक उपयोग छूट: एथलीटों में ऐसी बीमारियाँ या स्थितियाँ हो सकती हैं जिनके लिए उन्हें दवाएँ लेने या प्रक्रियाओं से गुजरने की आवश्यकता होती है, एक टीयूई उस एथलीट को डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन (ADRV) और लागू मंजूरी के बिना प्रतिस्पर्धा करते हुए उस पदार्थ या विधि का उपयोग करने का अधिकार दे सकता है। टीयूई के लिए आवेदनों का मूल्यांकन चिकित्सकों के एक पैनल टीयूई समिति (टीयूईसी) द्वारा किया जाता है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, टीयूई समिति ने 23 टीयूई आवेदनों की जांच की और नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निर्णय दिया:

क्र. सं.	खेल अनुशासन	संख्या	दिया गया	इनकार
1	क्रिकेट	11	11	–
2	तैरना	05	03	02
3	कुश्ती	03	03	–
4	भारोत्तोलन	01	–	01
5	शूटिंग	01	–	01
6	मुक्केबाजी	01	01	–
07	कबड्डी	01	01	–

4.4 डोपिंग रोधी पैनलः एथलीटों को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी नियमों (NADR) का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, उन्हें डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (ADDP) के समक्ष उपस्थित होने और पैनल द्वारा निर्धारित तिथि और समय पर अपने मामलों की व्याख्या करने का अवसर दिया गया। सुनवाई। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी नियमों (NADR) 2021 के अनुसार, डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (ADDP) के आदेश के खिलाफ एथलीट और अन्य पक्षों द्वारा अपील दायर की जा सकती है।

अप्रैल–दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान एडीडीपी/एडीएपी द्वारा निम्नलिखित विवरण के अनुसार एडीआरवी मामले/अपीलें सुनी/निपटायी गई हैं:

क्र. सं.	विवरण	आयोजित सुनवाई की संख्या	जारी आदेश की संख्या
1	डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल	86	53
2	डोपिंग रोधी अपील पैनल	19	16

4.5 डोपिंग रोधी जागरूकता कार्यक्रमः नाडा नियमित रूप से खिलाड़ियों और सहायक कर्मियों के लिए डोपिंग रोधी जागरूकता कार्यशालाओं और जागरूकता सेमिनारों का आयोजन करता है। अप्रैल–दिसंबर 2022 की अवधि के दौरान, नाडाने शैक्षिक संस्थानों द्वारा पेश किए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में मूल्य आधारित डोपिंग रोधी शिक्षा को लागू करने के लिए कई पहल की हैं, नाडा स्कूलों और खेल शिक्षण संस्थानों द्वारा अपनाने के लिए डोपिंग रोधी विषयों पर पाठ्यक्रम विकसित कर रहा है।

डोपिंग रोधी विषयों पर विभिन्न शैक्षिक उपकरण जैसे एवी सामग्री, डोपिंग रोधी प्रश्नोत्तरी, खेल, सूचना कियोस्क और डिजिटल सूचना को नाडा द्वारा खेलों में निष्पक्ष खेल और डोपिंग रोधी को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है।

खिलाड़ियों द्वारा प्रतिबंधित पदार्थों के अनजाने में उपयोग को खत्म करने और उन्हें डोपिंग के जोखिमों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, नाडा डोपिंग पदार्थों के हानिकारक प्रभावों और इसके परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों और एथलीट सहायता कर्मियों के लिए डोपिंग रोधी जागरूकता सत्र आयोजित करता है। इस तरह के जागरूकता सत्र नियमित रूप से देश भर में विभिन्न स्थानों पर खेल आयोजनों/प्रशिक्षण शिविरों के दौरान आयोजित किए जाते हैं।

जागरूकता सत्रों में प्रमुख विषयों जैसे कि सख्त दायित्व के सिद्धांत, सप्लीमेंट के उपयोग में शामिल जोखिम, खेल में नैतिक मूल्य, डोप नियंत्रण प्रक्रिया, स्वास्थ्य संबंधी खतरे और डोपिंग के परिणाम, चिकित्सीय उपयोग में छूट और निषिद्ध पदार्थ आदि शामिल हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान नाडा द्वारा कुल 121 एंटी डोपिंग जागरूकता और शिक्षा सत्र/कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

4.6. अंतर्राष्ट्रीय बैठक/सहयोग

- यूनेस्को निधि अनुमोदन समिति और सीओपी बैठकः यूनेस्को की पार्टियों के आठवें सम्मेलन (COP8) के ब्यूरो की दूसरी औपचारिक बैठक और खेल में डोपिंग के उन्मूलन के लिए अनुमोदन समिति निधि की तीसरी औपचारिक बैठक नाडा द्वारा नई दिल्ली, भारत में 21 जून से 22 जून, 2022 तक आयोजित की गई थी। निधि के अनुमोदन के लिए आवेदक देशों से प्राप्त विभिन्न परियोजनाओं पर विचार के लिए बैठक में चर्चा की गई है। डीजी एवं सीईओ, नाडा को एशिया क्षेत्र के लिए 2022–24 के लिए अनुमोदन समिति निधि के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है।

- नई दिल्ली में वाडा एथलीट बायोलॉजिकल (एबीपी) संगोष्ठी 2022 की मेजबानीः राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के सहयोग से 12–14 अक्टूबर 2022 नई दिल्ली में वाडा एबीपी संगोष्ठी की सफलतापूर्वक मेजबानी की। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डोपिंग रोधी संगठनों के प्रतिनिधिय अंतर्राष्ट्रीय संघ; एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाइयां (एपीएमयू); वाडा से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ; वैश्विक एबीपी विशेषज्ञों के साथ संगोष्ठी

में भाग लिया।

यह संगोष्ठी विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी का एबीपी संगोष्ठी का तीसरा संस्करण था जिसका उद्घाटन श्री अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय। द्वारा किया गया था। उद्घाटन समारोह के दौरान खेल विभाग की सचिव श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी भी उपस्थित थीं। संगोष्ठी में 200 से अधिक डोपिंग रोधी हितधारक एक साथ एक मंच पर आए, जो एबीपी कार्यक्रमों के सभी पहलुओं में शामिल हैं – परीक्षण, प्रशासन, विशेषज्ञ समीक्षा और परिणाम प्रबंधन सहित – प्रथाओं के सामंजस्य को बढ़ावा देने और एबीपी मामलों से सीखे गए ज्ञान और सबक के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए। इस संगोष्ठी का मुख्य विषय एबीपी भागीदारों के बीच संचार को बढ़ाना था – इसके महत्व को पहचानना, जहां इसे बेहतर बनाया जा सकता है और अंततः एबीपी में शामिल सभी लोगों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान को बढ़ाने के लिए समाधान विकसित करने की दिशा में काम करना था।''

5. राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल):

- राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (छक्ज्स्) भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था है। यह देश में स्थापित एक प्रमुख विश्लेषणात्मक परीक्षण और अनुसंधान संगठन है, जिसके पास अत्याधुनिक सुविधाएं हैं और जिसे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खिलाड़ियों के डोप परीक्षण का काम सौंपा गया है। यह वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त है और रासायनिक और जैविक परीक्षण के लिए ैप्ब्प्म्ब् 17025:2017 के अनुसार परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (छ।ठस्) द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

- यह प्रयोगशाला डोपिंग रोधी खिलाड़ियों के नमूनों का विश्लेषण करती है। इसके अलावा, यह डोप विज्ञान पर अनुसंधान और विकास के लिए भी समर्पित है जो प्रयोगशालाओं (आईएसएल) के लिए वाडा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करता है और नई दवाओं/परीक्षण के तरीकों से संबंधित मामलों में हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करता है। वर्तमान में, यह विश्व में तीस (30) वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में से एक है। यह वाडा के दिशानिर्देशों का पालन करता है और वाडा के आवधिक मूल्यांकन/समीक्षा के अधीन है।

वर्ष 2022–23 के दौरान प्रयोगशाला की प्रमुख उपलब्धियां निम्नलिखित हैं।

5.1 वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (SIRO) के रूप में राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (NDTL) की वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग मान्यताः वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) एनडीटीएल द्वारा स्थापित इन–हाउस आरएंडडी इकाइयों को मान्यता और पंजीकरण देने के लिए एक योजना चला रहा है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR), भारत सरकार द्वारा ''वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन'' (SIRO) के रूप में मान्यता प्राप्त है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग ने अपने ईमेल दिनांक 27.04.2022 के माध्यम से, एक पत्र संख्या 11.912.2021–TU&V दिनांक 20 अप्रैल, 2022 को एनडीटीएल को एक वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (SIRO) के रूप में मान्यता देते हुए संलग्न किया है। और इस संबंध में एक पंजीकरण प्रमाणपत्र भेजा।

एनडीटीएल को सिरो के रूप में उपरोक्त मान्यता के आधार पर, यह डोपिंग रोधी विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रयोगशाला की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देगा। यह सीमा शुल्क/जीएसटी में कमी के मामले में प्रयोगशाला के लिए वित्तीय रूप से बड़ी बचत भी करेगा। भविष्य में, यह प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों के लिए संशोधित लचीली पूरक योजना (एमएफसीएस) की मांग कर पदोन्नति देने के आधार के रूप में भी काम करेगा।

5.2 भारतीय पेटेंट दायरः एनआईपीईआर–जी और एनडीटीएल के साथ समझौता ज्ञापन के अनुसार, इस दोनों संस्थान ने निम्नानुसार दो पेटेंट दायर किएः

- भारतीय पेटेंट आवेदन संख्याः 202131058419
- 15.12.2021 को फाइल शीर्षकः कार्बोक्सी–टोरेमिफीन तैयार करने की प्रक्रिया
- भारतीय पेटेंट आवेदन संख्याः 202231000058

  01.01.2022 को फाइल शीर्षकः ऑक्टोपामाइन सल्फेट तैयार करने की प्रक्रिया

5.3 बाहरी लेखापरीक्षा और प्रत्यायन

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की एक वैज्ञानिक और तकनीकी टीम ने 22–24 मई 2022 से ऑन–साइट मूल्यांकन के लिए प्रयोगशाला का दौरा किया। इस अवसर पर, निदेशक एनडीटीएल ने टीम के सभी सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। इसमें डॉ. ओस्क्युएल बारोसो–वाडा लीड एसेसर श्री थिएरी बोगोसियन–वाडा निर्धारक, डॉ. स्वेन वॉस–वाडा निर्धारक

(बाहरी विशेषज्ञ), डॉ. जेवियर डे ला टोरे–साइंटिफिक (वाडा आईआरएमएस वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष) (बाहरी विशेषज्ञ), वाडा के डॉ. पीटर वान ईनू–अध्यक्ष सत्र में एमआरपीएल वर्किंग ग्रुप (बाहरी विशेषज्ञ) शामिल थे। यह 22 मई, 2022 के सुबह के सत्र में हुआ था।

डॉ ओस्क्वेल बारोसो	वरिष्ठ सहयोगी निदेशक विज्ञान एवं चिकित्सा, प्रयोगशालाएँ, वाडा लीड असेसर
श्री थिएरी बोगोसियन	वरिष्ठ प्रबंधक, प्रयोगशाला प्रत्यायन। वाडाअसेसर
डॉ. स्वेन वोस	सेक्शन हेड बायोलॉजिकल एंड हेमेटोलॉजिकल मॉड्यूल मैनेजर, वाडा–मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला, दोहा, कतर। (बाहरी विशेषज्ञ)
डॉजेवियरडेलाटोरे	वैज्ञानिक उप–निदेशक, वाडा–मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला, रोम, इटली। वाडा लैब ईएजी सदस्य।
	वाडा आईआरएमएस वर्किंग ग्रुप के अध्यक्ष (बाहरी विशेषज्ञ)
डॉपीटरवानईनू	निदेशक, DoCoLab Universiteit Gent-Ugent] Ghent, बेल्जियम। वाडा लैब ईएजी सदस्य। वाडा एमआरपीएल कार्यकारी समूह के अध्यक्ष (बाहरी विशेषज्ञ)

समापन बैठक के दौरान, लीड निर्धारक ने लेखापरीक्षा के अपने निष्कर्ष के बारे में जानकारी दीः

1. उनके पिछले ऑडिट (2018) की तुलना में प्रयोगशाला में बेहतर नियंत्रण है।
2. प्रयोगशाला की वाडा मान्यता जारी रहेगी।
3. एसओपी और वैलिडेशन रिपोर्ट वाडा दस्तावेजों के अनुसार पूरी आवश्यकता को कवर करती है।

ख) **ISO/IEC:17025:2017 का पुनर्मूल्यांकनः** एनडीटीएल ने एनएबीएल मान्यता प्रमाणन और एनएबीएल से स्वीकृत कार्यक्षेत्र प्राप्त किया, कहा कि ISO: 17025:2017 के प्रत्यायन का नवीनीकरण हो गया है। प्रत्यायन 23.04.2022 से 22.04.2024 तक प्रभावी दो वर्षों के लिए वैध है

ग) वर्ष 2021–22 के लिए एनडीटीएल के ऑडिट और लेखा पर वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2021–22 के लिए विधिवत अनुमोदित वार्षिक रिपोर्ट लोकसभा में 20.12.2022 को और राज्यसभा में 22.12.2022 को प्रस्तुत की गई है।

घ) **2023 के लिए वाडा प्रत्यायनः** एनडीटीएल ने वर्ष 2023 के लिए वाडा की वार्षिक प्रत्यायन सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है।

ड) एनडीटीएल को 01.04.2022 से 31.12.2022 तक जारी सहायता अनुदानः

(लाख रूपये में)

क्र. सं.	बजट शीर्ष	बीई 2022–23	31.12.2022 तक जारी किया गया जीआईए
आय			
(i)	वेतन (58.01.36)	400.00	350.00
(ii)	सामान्य (58.01.31)	597.00	548.00
(iii)	एसएपी (58.96.31)	3.00	2.00
पूंजी			
(iv)	पूंजीगत संपत्ति (58.01.35)	300.00	280.00
	कुल	1300.00	1180.00

f) 01.04.2022 से 31.12.2022 तक किया गया व्ययः

(लाख रूपये में)

क्र.सं.	बजट शीर्ष	बीई 2022–23	31.12.2022 तक जारी किया गया जीआईए	31.12.2022 तक का व्यय
आय				
(i)	वेतन (58.01.36)	400.00	350.00	374.67
(ii)	सामान्य (58.01.31)			
	एसएपी सहित	600.00	550.00	798.00
राजधानी				
(iii)	पूंजीगत संपत्ति (58.01.35)	300.00	280.00	158.45
	कुल	1300.00	1180.00	1331.12

अध्याय – 18

खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए योजनाएँ

1. राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता योजनाः

- भारत सरकार राष्ट्रीय खेल संघों (NSFs) को अपनी सहायता योजना के तहत राष्ट्रीय खेल संघों को विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है, जिसमें प्रशिक्षण और भारतीय खिलाड़ियों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में टीमों की भागीदारी शामिल है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 1 मार्च 2022 से प्रभावी सहायता के मानदंडों में संशोधन किया है। देश में खेल के क्षेत्र में तेजी से प्रगति करने के लिए गतिविधियों के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण लिया गया है।

- संशोधित मानदंडों के तहत, उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकता और भारतीय पारंपरिक खेलों के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप के संचालन के लिए सहायता की मात्रा बढ़ाकर 51 लाख रुपये कर दी गई है और सामान्य श्रेणी के खेलों के लिए, जिन्हें पहले 'अन्य' के रूप में जाना जाता था, उन्हें बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया गया है। इससे पहले, राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए सहायता की मात्रा 22 लाख रुपये थी। ऐसे एनएसएफ के लिए जो दिव्यांग खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं, सभी श्रेणियों में प्रत्येक अनुशासन के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन के लिए 15 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

- सीनियर, जूनियर और सब जूनियर खिलाड़ियों की सभी श्रेणियों के लिए कोचिंग कैंप/प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा की अनुमति दी गई है, बशर्ते यात्रा 500 किलोमीटर/10 घंटे से अधिक हो।

- सामान्य खेल प्रशिक्षण किट (जैसे ट्रैक सूट, टी–शर्ट, शॉर्ट्स, वार्म अप शूज आदि) के लिए भत्ता दोगुना कर दिया गया है। यह राष्ट्रीय शिविरार्थियों के लिए वर्ष में एक बार 20,000/– प्रति एथलीट कर दिया गया है, जो पहले प्रति एथलीट 1000 रुपये था।

- एनएसएफ को देश में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए सहायता राशि को पहले के 30 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.00 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

- प्रबंधकों को अब विदेशों में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए भारतीय दल के हिस्से के रूप में माना जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि केवल जिनके पास टीमों के प्रबंधन का अनुभव है, मंत्रालय ने प्रबंधकों के रूप में टीमों के साथ जाने के लिए आवश्यक और वांछनीय योग्यता निर्धारित की है।

- योग्य और उच्च गुणवत्ता वाले सहायक कर्मियों को आकर्षित करने के लिए पारिश्रमिक में काफी वृद्धि की गई है। स्पोर्ट्स डॉक्टर्स और डॉक्टरों का पारिश्रमिक पहले के 1 लाख रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है और हेड फिजियोथेरेपिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट का पारिश्रमिक पहले के रु. 80,000 प्रति माह से बढ़ाकर क्रमशः 2 लाख रुपये प्रति माह और 1.5 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

- विदेशी प्रशिक्षकों और सहायक कर्मियों को काम पर रखने के लिए, एनएसएफ को साई के परामर्श से स्वयं संलग्न होने की अनुमति दी गई है। प्रमुख उत्तरदायित्व क्षेत्रों (केआरए) की वार्षिक समीक्षा के माध्यम से निगरानी की जाएगी और अनुबंध के विस्तार या बोनस देने के संबंध में प्रमुख निर्णय समीक्षा के आधार पर होंगे। एनएसएफ यह सुनिश्चित करेंगे कि चयन समिति में साई का एक उम्मीदवार हो। विदेशी कोचों के लिए बजट एनएसएफ के कुल स्वीकृत बजट के 30ः तक सीमित होगा।

- एनएसएफ को कोचिंग के क्षेत्र में ''आत्मनिर्भरता''के सिद्धांत का पालन करने और विश्व स्तर प्राप्त करने के लिए भारत में उपलब्ध प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और प्रशिक्षित करने के लिए कहा गया है और एनएसएफ को यह सुनिश्चित करना है कि कम से कम 5 भारतीय कोच अपने कार्यकाल के दौरान विदेशी कोच के साथ रहेंताकि भारतीय कोच भी तैयार हों और विदेशी कोचों पर निर्भरता कम हो।

- मुख्य कोच और अन्य कोचों का पारिश्रमिक संशोधित कर क्रमशः रु. 3 लाख और 2 लाख कर दिया है जो पहले क्रमशः 1.5 लाख रु और 75,000 रूपये प्रति माह था। पीएसयू, रेलवे या अन्य संगठनों (सार्वजनिक/निजी) में नियोजित कोच के मामले में एक राष्ट्रीय शिविर से जुड़ा हुआ है, तो इसे राष्ट्रीय कर्तव्य माना जाएगा और 50,000/– प्रति माह की राशि संलग्नक के रूप में दी जाएगी। कोच की अटैचमेंट के कारण उसके परिवार को परेशानी होती है, हालांकि वेतन सुरक्षित रहता है।

- खेल उपकरणों की खरीद के लिए, एनएसएफ को अब सामान्य वित्तीय नियमों (GFR) के प्रावधानों का पालन करते हुए स्वयं खरीद करने के लिए अधिकृत किया गया है। इससे पहले, एनएसएफ को 10 लाख रुपये तक मूल्य होने पर स्वयं खरीद करने की अनुमति थी और 10 लाख रुपये से अधिक के उपकरण के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से किया जाना था।

- एनएसएफ को खेल प्रशासन के क्षेत्र में योग्य पेशेवरों को नियुक्त करने में सक्षम बनाने के लिए, एनएसएफ योजना के बजट के पहले के 2% से सहायता के स्तर को बढ़ाकर 3% कर दिया गया है।

- 2022–23 (31.12.2022 तक) के लिए एनएसएफ को सहायता योजना के तहत एनएसएफ को दी गई राशि का विवरण अनुबंध–VIII में दिया गया है।

2. राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (NCSSR):

- नेशनल सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज एंड रिसर्च (NCSSR) की एक योजना जिसका उद्देश्य कुलीन एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है। नेशनल सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज एंड रिसर्च योजना की कुल लागत वित्त वर्ष 2025–26 तक 260 करोड़ रुपये होगी। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने की दृष्टि से, योजना निम्नलिखित संस्थागत तंत्र के निर्माण और समर्थन के माध्यम से खेल चिकित्सा सहित खेल विज्ञान पर केंद्रित है:

- राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (NCSSR) इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर, भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के प्रशासनिक ब्लॉक में स्थापित किया गया है, जिसे हब के रूप में विकसित किया जाएगा और यह साई के 11 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (औरंगाबाद, भोपाल, गांधी नगर, गुवाहाटी, इंफाल, लखनऊ, कोलकाता, केएसएसआर नई दिल्ली, रोहतक, सोनीपत, त्रिवेंद्रम में) और पटियाला और बेंगलुरु में 2 उच्च प्रदर्शन केंद्र को खेल विज्ञान उपकरण प्रदान करने में सहायता करेगा जो अग्रणी के रूप में कार्य करेंगे।

- यह चुनिंदा 6 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में खेल विज्ञान विभागों और चुनिंदा 5 संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों में खेल चिकित्सा विभागों को भी सहयोग देगा।

- योग्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों के वित्त पोषण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) मांगी गई थी। देश के विभिन्न भागों में क्रमशः खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना के लिए 6 विश्वविद्यालयों और 5 मेडिकल कॉलेजों का चयन किया गया था और कुछ धनराशि विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों को पहले ही जारी की जा चुकी है।

- खेल विज्ञान विभाग की सहायता के लिए वित्त पोषण के लिए चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों की सूची

  क) गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

  ख) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

  ग) अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

  घ) सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान

  ड) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

- **राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश**

  - खेल चिकित्सा विभाग की सहायता हेतु वित्त पोषण के लिए चयनित मेडिकल कॉलेजों की सूची

  कं) किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ

  ख) पंडित भागवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

  ग) बैंगलोर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट,

बेंगलुरु, कर्नाटक

घ) क्षेत्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर

ड) गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल

3. खेलों में मानव संसाधन विकास योजना (एचआरडीएस):

3.1 योजना की पृष्ठभूमि : खेल में मानव संसाधन विकास की योजना, एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना, ''प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण की योजना'' के गहन संशोधन के बाद वित्तीय वर्ष 2013–14 में खेल विभाग (डीओएस) द्वारा शुरू की गई थी। योजना का मुख्य फोकस खेल प्रबंधन के अकादमिक और बौद्धिक पक्ष पर जोर देना है, जहां मानव संसाधन अपर्याप्त पाए जाने वाले खेल और खेलों के विशिष्ट विषयों में मास्टर्स और डॉक्टरेट स्तर पर विशेष अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फैलोशिप प्रदान करते हैं। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) देश में खेल और क्रीड़ा के विकास की देखभाल करने के लिए भारत सरकार में नोडल मंत्रालय है। 2012 से, ''खेल में मानव संसाधन विकास योजना'' ऐसा ही एक प्रयास है, जो युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) के अधिकारियों, एथलीटों, प्रशिक्षकों, तकनीकी अधिकारियों आदि को उनके कौशल और ज्ञान के उन्नयन के लिएको वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह योजना कोच तकनीकी और सहायक कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती हैय इसके अलावा, खेल विशेषज्ञों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों/सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया जाता हैय विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करके या उन्हें विदेशी संस्थानों में भेजकर देश के भीतर कोचिंग शिविरों/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं के आयोजन/भाग लेने के लिए भी सहायता प्रदान की गई है।

3.2. योजना के उद्देश्य :

i. अल्पकालिक (3 महीने तक) विशेष अध्ययन के लिए और खेल और क्रीड़ा से संबंधित विशिष्ट विषयों में मास्टर स्तर के कार्यक्रम के लिए 2 साल तक की फैलोशिप प्रदान करना;

ii. भारत या विदेश में संगोष्ठियों, क्लीनिकों/प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भागीदारी के माध्यम से विचारों के आदान–प्रदान और ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए खेल के क्षेत्र में पेशेवरों को प्रोत्साहित करना और ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना;

iii. व्याख्यान, कोचिंग, परामर्श, आदान–प्रदान, प्रशिक्षण, संवाद, सलाह आदि के लिए भारत में उच्च–प्रदर्शन निदेशकों, कोचों, तकनीकी अधिकारियों, खेल वैज्ञानिकों, खेल चिकित्सा विशेषज्ञों, मालिश करने वालों, फिजियोथेरेपिस्ट, प्रोफेसरों, विद्वानों जैसे प्रतिष्ठित/योग्य विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करना।

iv. योग्यता परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए मैच अधिकारियों को सहायता प्रदान करना; प्रशिक्षण/पाठ्यक्रमों के लिए मैच अधिकारियों, कोचों और अन्य सहायक कर्मियों को सहायता प्रदान करना जो उन्हें भारत या विदेश में विशेषज्ञता के प्रासंगिक क्षेत्रों में उनकी पेशेवर क्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं;

v. भारतीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए खेलों और क्रीड़ा से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना और विशेष अनुसंधान परियोजनाओं को चालू करना;

vi. खेलों और क्रीड़ा से सीधे संबंधित उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों के प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना; आम जनता के लिए खेलों पर लोकप्रिय साहित्य प्रकाशित/प्रायोजित करना; और

vii. सामुदायिक प्रशिक्षकों और आम जनता के बीच विभिन्न भाषाओं में ज्ञान और खेलों की तकनीकों के व्यापक प्रसार के लिए ऑनलाइन शिक्षण संसाधन विकसित करना।

3.3 लक्षित समूहः संबंधित खेल विधाओं में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए कोच, मैच अधिकारी और सहायक कर्मी (यानी जज, अंपायर और रेफरी आदि) आवश्यक हैं। इस प्रकार, इस लक्षित समूह के लिए विदेशों में प्रशिक्षण/अर्हक परीक्षाओं में शामिल होने के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। विशिष्ट अध्ययन के छात्र और खेल और खेलों से संबंधित विशिष्ट विषयों में परास्नातक छात्र भी इस योजना में लक्षित समूह हैं।

3.4 पिछले पांच वर्षों के लिए बजट प्रावधानः

(करोड़ रूपये में)

वर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	वास्तविक
2017–18	10.00	10.00	6.03
2018–19	5.00	5.00	4.83
2019–20	5.00	5.00	4.75
2020–21	5.00	1.00	0.45
2021–22	3.80	2.00	0.939
2022–23	4.00	–	

4. राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ): एनएसडीएफ तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कोचों के तहत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करके और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए जोखिम प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों को क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करता है। टॉप्स में शामिल एथलीटों की फंडिंग भी एनएसडीएफ से की जाती है। खेल अवसंरचना के निर्माण/विकास/उन्नयन के लिए एनएसडीएफ से निधियां भी जारी की जाती हैं। एनएसडीएफ में योगदान करने के लिए सार्वजनिक और निजी और व्यक्तिगत दोनों कॉर्पोरेट संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए, राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) में सभी योगदानों पर आयकर से 100% छूट उपलब्ध है। एनएसडीएफ के योगदानकर्ता विशिष्ट उद्देश्य के लिए धन आवंटित करने के लिए स्वतंत्र हैं, अर्थात वे उस परियोजना को इंगित कर सकते हैं जिस पर वे सामान्य नीति दिशानिर्देशों के अधीन अपने योगदान का उपयोग करना चाहेंगे।

राष्ट्रीय खेल विकास कोष में विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा 197.84 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया है। केंद्र सरकार ने अपने बराबर हिस्से के रूप में एनएसडीएफ को 169.14 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वर्तमान में एनएसडीएफ का कॉर्पस 76.57 करोड़ रुपये है।

5. टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स): टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है जो भारत के शीर्ष एथलीटों को सहायता प्रदान करने का एक प्रयास है। यह योजना इन एथलीटों की तैयारियों में प्रीमियम जोड़ती है ताकि वे ओलंपिक में पदक जीत सकें। यह योजना वर्तमान में 15 खेल विधाओं में 97 टॉप्स कोर ग्रुप एथलीटों और 14 खेल विधाओं में 181 टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप एथलीटों का समर्थन करती है।

यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) द्वारा तैयार की गई योजनाओं को लागू करता है और निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमों की तैयारी के लिए समिति द्वारा अनुमोदित हैं:

- **कोचिंग शिविरः** ''राष्ट्रीय खेल संघों को वित्तीय सहायता'' योजना के तहत कुल 254 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए।
- **विदेशी कोचः** 10 विषयों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए कुल 30 विदेशी कोच, 06 विषयों में 13 विदेशी सहायक स्टाफ और 05 विषयों में 05 उच्च–प्रदर्शन निदेशकों को शामिल किया गया था।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं/प्रशिक्षणः** भारतीय टीमों ने सभी प्रमुख खेल विधाओं में 257 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण/प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- **स्पोर्ट्स साइंस बैक–अपः** इसने राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के दौरान खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस बढ़ाने, चोट से उबरने और चिकित्सा की कमी से उबरने के लिए स्पोर्ट्स मेडिसिन, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मालिश करने वालों आदि में डॉक्टरों के रूप में वैज्ञानिक बैक–अप प्रदान किया। .

अध्याय – 19

खेलों में समावेशिता

खेल विभाग और इसके स्वायत्त निकायों ने खेल के क्षेत्र में समावेशिता को बढ़ावा देने और खेलों में भागीदारी के लिए बाधाओं को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। समावेशिता को बढ़ावा देने और निम्न–भागीदारी सूचकांक वाले जनसंख्या समूह में भागीदारी बढ़ाने के लिए खेलो इंडिया के तहत इस मंत्रालय की पहल निम्नलिखित हैं:–

1. **दिव्यांग व्यक्तियों के बीच खेलकूद को बढ़ावा:** जिला और राज्य खेलों का समर्थन करने के लिए 5.7 करोड़ रुपये की राशि पर सहमति हुई। भविष्य के तौर–तरीकों पर संबंधित संघों यानी स्पेशल ओलंपिक भारत, ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के परामर्श से काम किया जा रहा है।

2. महिलाओं के लिए खेल पहल:

क्रमांक	अनुशासन	प्रतियोगिता तिथि के रूप में पूरा किया	भागीदारी संख्या अभी तक	एनएसएफको जारी की गई राशि (रूपये में)
1	साइक्लिंग	6	282	1213764
2	तीरंदाजी	9	703	1850659
3	हॉकी	3	840	5821500
4	तैराकी	20	1603	4905000
5	कुश्ती	12	3300	2979000
6	मुक्केबाजी	4	348	14557500
7	वालीबाल	2	168	725250
8	भारोत्तोलन	6	486	6461293
10	फेंसिंग	3	622	4276185
11	खो–खो	0	0	0
12	कबड्डी	0	0	0
13	वुशु	12	2095	2775000
14	फुटबॉल	8	1698	2103000
कुल	105	15368	47668151	

3. ग्रामीण एवं स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना

i. खेलो इंडिया योजना के तहत 'ग्रामीण और स्वदेशी/आदिवासी खेलों के प्रचार' घटक के तहत सहायता के लिए मल्लखंब, कलारिपयट्टू, गतका और थांग–टा की पहचान की गई है।

ii. अवसंरचना विकास, उपकरण सहायता, प्रशिक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए।

iii. वर्ष 2019–20 के लिए 269 एथलीटों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई, वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए 283 एथलीटों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई और वित्तीय

वर्ष 2021–22 में 283 एथलीटों को जून 2021 तक 10,000 प्रति माह रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

3.1. मल्लखंबः

i. 100 केन्द्रों की स्थापना हेतु अनुदान रु. 2.50 लाख प्रति केन्द्र की दर से। इस उद्देश्य के लिए कुल 2.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई थी (प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना के लिए अनुदान में उपकरणों की खरीद भी शामिल है)। इस संबंध में एमएफआई को 2.50 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं और कुल राशि का निपटान कर दिया गया है।

ii. प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए रु.12.00 लाख का अनुदान (120 कोच / रु.10,000 प्रति कोच)। एनएसएफ द्वारा इस संबंध में रु. 12.00 लाख की कुल राशि में से रु. 11.45 लाख की राशि का उपयोग किया गया है और इसके लिए यूसी का निपटान किया गया है।

iii. कोचों की नियुक्ति के लिए रु. 75.00 लाख का अनुदान (5 शीर्ष राज्यों में 01 कोच)। फरवरी, 2020 के महीने में 05 कोच नियुक्त किए गए थे और नियुक्त कोचों के लिए वेतन सितंबर, 2021 तक रु. 5 लाख प्रति कोच प्रति वर्ष की दर से 03 तीन वर्षों तक जारी किया गया था।

iv. 100 केंद्रों में प्रत्येक 100 एथलीटों को स्पोर्ट्स किट के लिए रु .1.00 करोड़ का अनुदान इस संबंध में अग्रिम के रूप में रु. 1,000/– प्रति एथलीट रु. 75.00 लाख की दर से जारी किया गया है। कुल राशि का सेटलमेंट कर दिया गया है।

v. एक वर्ष के लिए अधिकतम 105 पदक विजेता (रु. 10,000/– प्रति माह, प्रति एथलीट) को छात्रवृत्ति का अनुदान। 91 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। 91 मल्लखंब प्रशिक्षुओं के लिए स्वीकृति जारी की गई है और अक्टूबर, 2019 से सितंबर, 2020 तक छात्रवृत्ति जारी की गई है। इसके अलावा, 04.09.2020 को आयोजित डीपीएसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मासिक छात्रवृत्ति का प्रावधान अगले वित्त वर्ष 2020 तक बढ़ाया जाता है– 21. इस संबंध में 104 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। जून 2021 तक 104 मल्लखंब प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति जारी की गई।

3.2 कलारीपयट्टुः

i. 02 कलारी केन्द्रों की स्थापना हेतु रु. 80.00 लाख का अनुदान।

ii. रु. 60.00 लाख का अनुदान (02 कलारियों में से प्रत्येक में कोच की नियुक्ति के लिए 03 वर्ष तक वार्षिक अनुदान के साथ 03 वर्ष तक प्रति कोच रु. 5.00 लाख प्रति वर्ष की दर से)। प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। माह सितंबर 2021 तक का वेतन जारी किया गया।

iii. एक वर्ष के लिए अधिकतम 80 पदक विजेता (रु. 10,000/– प्रति एथलीट) को छात्रवृत्ति का अनुदान। 73 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। 72 कलरीपयट्टू प्रशिक्षुओं के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है और छात्रवृत्ति अक्टूबर, 2019 से सितंबर, 2020 तक जारी कर दी गई है। इसके अलावा, 04.09.2020 को आयोजित डीपीएसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मासिक छात्रवृत्ति का प्रावधान अगले वित्त वर्ष 2020–21 तक बढ़ाया गया है। इस संबंध में 79 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। जून '2021 तक 79 कलरीपयट्टू प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्तियां जारी की गईं।

3.3 गतकाः

i. 120 कोचों के लिए ट्रेन द ट्रेनी कार्यक्रम के संचालन के लिए रु. 6.00 लाख का अनुदान। 50ः राशि यानी रु. 3.00 लाख एनजीएआई को जारी कर दिया गया है।

ii. 03 अकादमियों (01–हरियाणा, 02 – पंजाब) में से प्रत्येक के लिए 01 कोच और 01 प्रशिक्षकों की नियुक्ति के लिए रु. 30.00 लाख का अनुदान, रु. 5.00 लाख प्रति वर्ष प्रति कोच की दर से कुल रु. 30.00 लाख। इस संबंध में माह जून 2022 तक का वेतन जारी कर दिया गया है।

iii. 03 शिक्षाविदों में से प्रत्येक में उपकरण के 02 सेट के लिए एकमुश्त अनुदान रु. 5.00 लाख प्रति अकादमी। उपकरणों की खरीद के लिए कुल रु.15.00 लाख का अनुदान एनजीएआई को जारी किया गया है और मूल यूसी प्राप्त करने और जांच करने के बाद रु. 15.00 की राशि का निपटान किया गया है।

iv. एक वर्ष के लिए अधिकतम 100 पदक विजेताओं (रु.10,000/– प्रति एथलीट) को छात्रवृत्ति प्रदान करना। 57 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। अक्टूबर, 2019 से सितंबर, 2020 तक 52 गतका

प्रशिक्षुओं के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है और छात्रवृत्ति जारी कर दी गई है। इसके अलावा, 04.09.2020 को आयोजित डीपीएसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मासिक छात्रवृत्ति का प्रावधान अगले वित्तीय वर्ष 2020–21 तक बढ़ाया जाए।

3.4 थांग ताः

i. प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन हेतु रु. 10.00 लाख का अनुदान। यह राशि एनएसएफ को पहले ही जारी की जा चुकी है और मूल यूसी की जांच के बाद समझौता कर लिया गया है।

ii. उपकरण, अधोसंरचना के क्रय हेतु रु. 15.00 लाख का अनुदान। यह राशि एनएसएफ को पहले ही जारी की जा चुकी है और मूल यूसी की जांच के बाद समझौता कर लिया गया है।

iii. 02 कोचों के लिए 30.00 लाख रु. का अनुदान (01 पुरुष और 01 महिला) रु. 5.00 लाख प्रति कोच कुल राशि रु. 30.00 लाख (06 कोच)। अक्टूबर, 2019 से सितंबर, 2020 तक का वेतन जारी किया गया। शेष समय–समय पर जारी किया जाएगा। इसके अलावा, 04.09.2020 को आयोजित डीपीएसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एनएसएफ द्वारा नियुक्त कोचों की सेवाओं में अगले दो वर्षों यानी 2020–21 और 2022 के लिए विस्तार किया जाएगा।

iv. एक वर्ष के लिए अधिकतम 50 पदक विजेताओं (रु. 10,000/– प्रति एथलीट) को छात्रवृत्ति प्रदान करना। 50 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हो चुकी है। 48 थांग–टा प्रशिक्षुओं के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है और अक्टूबर, 2019 से सितंबर, 2020 तक छात्रवृत्ति जारी कर दी गई है। इसके अलावा, 04.09.2020 को आयोजित डीपीएसी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मासिक छात्रवृत्ति का प्रावधान तब तक बढ़ाया जाए जब तक कि अगले वित्त वर्ष 2020–21। इस संबंध में 48 प्रशिक्षुओं की सूची प्राप्त हुई है। अक्टूबर 2020 से जून 2021 के महीनों के लिए 47 थंगटा प्रशिक्षुओं को छात्रवृत्ति जारी की गई।

v. इम्फाल सेंटर को डे बोर्डिंग अकादमी में बदला जाएगा। एनएसएफ से इस संबंध में प्रस्ताव मांगा गया है।

अध्याय – 20

2022–23 के दौरान खेल में अन्य प्रमुख कार्यक्रम

1. 2022 में भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमः फीफा अंडर –17 महिला फुटबॉल विश्व कप भारत 2022 का उद्घाटन 11 अक्टूबर, 2022 को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में किया गया। यह पिछले पांच वर्षों में राष्ट्र द्वारा आयोजित दूसरी बड़ी फुटबॉल प्रतियोगिता थी। 30.10.2022 को मुंबई में आयोजित फाइनल में कोलंबिया को हराकर स्पेन को चैंपियंस का ताज पहनाया गया।

2. फिट इंडिया अभियान के तहत कार्यक्रमः

- केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने 21.07.2022 को मुंबई में इस मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह में फिट इंडिया क्विज के राज्य स्तरीय विजेताओं को सम्मानित किया। नकद पुरस्कार की राशि 36 स्कूलों के 72 छात्रों को 99 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जिन्होंने इस साल फरवरी और मार्च के महीनों में आयोजित स्टेट राउंड में जीत हासिल की थी।
- इस मंत्रालय ने अपने फिट इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से, अखिल भारतीय मोटरबाइक अभियान के लिए सहयोग किया है जिसमें 75 बाइकर्स (10 महिला बाइकर्स सहित) शामिल हैं, जो 75 दिनों में, यानी 9 सितंबर 2022 से 24 नवंबर 2022 तक 21,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। देश के लोगों के बीच फिटनेस और स्वास्थ्य का संदेश प्रसारित करने वाली 6 अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं सहित 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 250 जिलों को कवर करने की उम्मीद है। अभियान के दौरान 75 स्थानीय कार्यक्रम आयोजित करके भी इसे समर्थन दिया जा रहा है।

3. 2022 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनः

- 14 सितंबर, 2022 को, नेशनल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फंड (NSDF) द्वारा एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए, जो इस मंत्रालय की एक योजना है, जो नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (NTPC) फाउंडेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (REC) फाउंडेशन के साथ है। देश में खेलों के विकास के लिए 215 करोड़ का कुल योगदान है। एनटीपीसी अगले पांच वर्षों के लिए तीरंदाजी के खेल अनुशासन का समर्थन करेगा और आरईसी फाउंडेशन अगले तीन वर्षों के लिए हॉकी (महिलाओं के लिए), एथलेटिक्स और मुक्केबाजी के विषयों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- इस मंत्रालय, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU) के बीच 15 अक्टूबर, 2022 को आहार पूरक परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। यह डोपिंग और पूरक आहार के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' हासिल करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।
- केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक जल खेल केंद्र का उद्घाटन किया। रोइंग, कयाकिंग, कैनोइंग, आदि के खेल विधाओं में एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- रचनात्मक सहयोग के माध्यम से शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाने के लिए लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन (LNCPE), तिरुवनंतपुरम और स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, गांधीनगर के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

5. महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भारत का सराहनीय प्रदर्शनः डिफ्लम्पिक्स ब्राजील 2021 के लिए भारतीय दल को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा 21 मई, 2022 को देश के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए सम्मानित किया गया, जहाँ उन्होंने 16 पदक जीते। (8 स्वर्ण, 1 रजत और 7 कांस्य)।

6. युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों का सम्मेलनः राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 24 से 25 जून, 2022 के बीच केवडिया (गुजरात)

में आयोजित किया गया था। और भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के लिए आगे की राह पर चर्चा करें। 15 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम और खेल के प्रभारी मंत्रियों और 33 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने की।

7. खेल विकास पर प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का सम्मेलनः खेल विकास पर कुलपतियों का पहला अखिल भारतीय सम्मेलन 24 जनवरी 2023 को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। कुलपतियों और 66 विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ खेलों को बढ़ावा देने और एक प्रभावी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विचार–विमर्श हुआ।

8. खेल विभाग की दो प्रमुख योजनाओं की निरंतरताः इस विभाग की दो महत्वपूर्ण योजनाओं, ''राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता और ''खेलो इंडिया – खेल के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम'' को 15 वें वित्त आयोग चक्र (2021–22 से 2025–26) के लिए जारी रखने के लिए अनुमोदित किया गया था। इन दोनों योजनाओं के जारी रहने से खेलों में वैश्विक उत्कृष्टता के लिए देश की खोज को काफी बढ़ावा मिलेगा।

9. तंदुरूस्ती के लिए 75 करोड़ की सूर्यनमस्कार परियोजनाः आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में तंदुरूस्ती, जीवंतता और फिटनेस के लिए 75 करोड़ की सूर्यनमस्कार परियोजना को इस मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है। प्रख्यात एथलीटों ने परियोजना के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद की है। अब तक सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में 101 करोड़ से अधिक सूर्यनमस्कार किए जा चुके हैं।

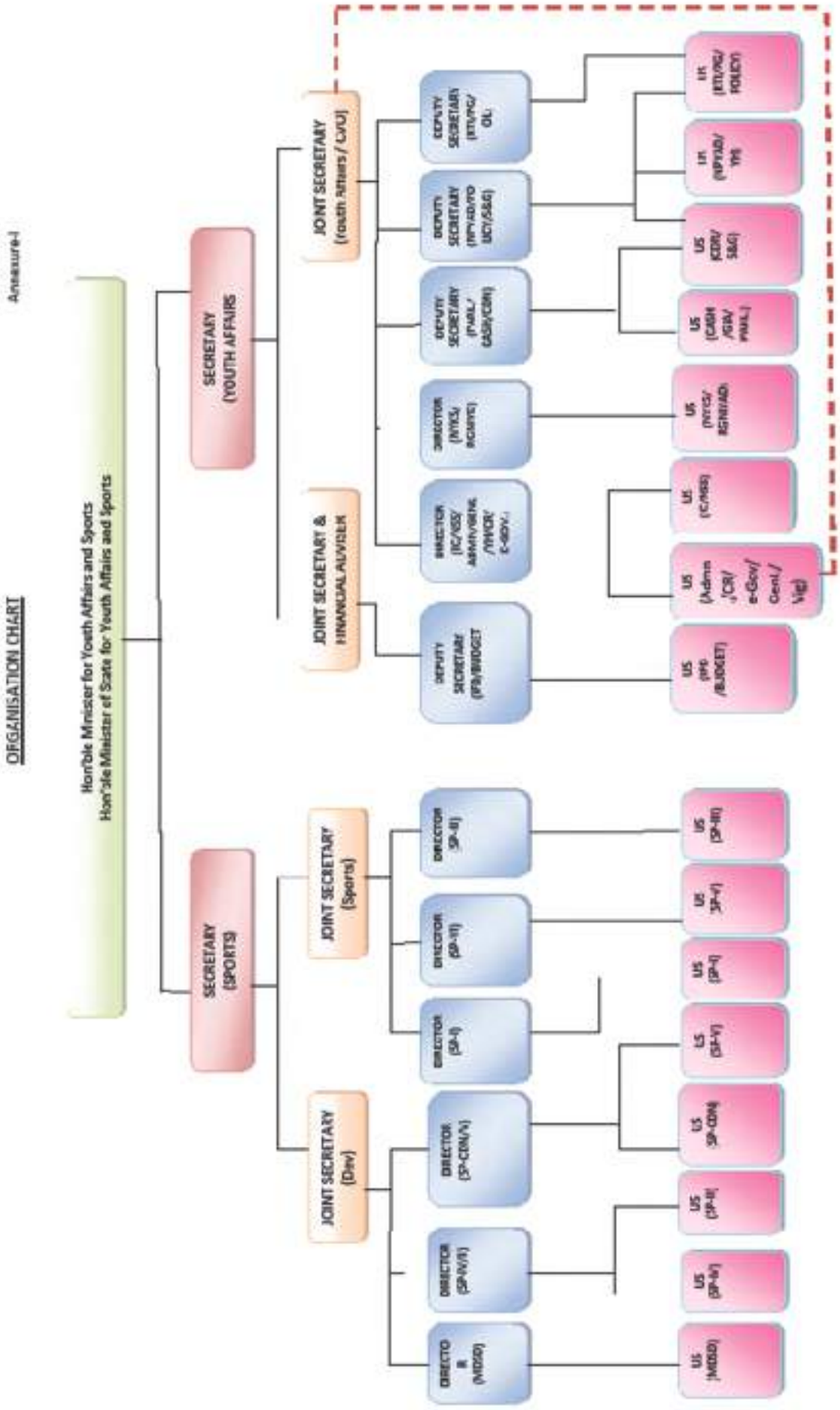
Annexure-I
ORGANISATION CHART
Hon'ble Minister for Youth Affairs and Sports
Hon'ble Minister of State for Youth Affairs and Sports
SECRETARY (YOUTH AFFAIRS)
SECRETARY (SPORTS)
JOINT SECRETARY (Youth Affairs / LVU)
JOINT SECRETARY & FINANCIAL ADVISER
JOINT SECRETARY (Sports)
JOINT SECRETARY (Dev)
DEPUTY SECRETARY (PR/BUDGET)
DIRECTOR (SP-II)
DIRECTOR (SP-III)
DIRECTOR (SP-CON/V)
DIRECTOR (SP-IV/II)
DIRECTOR (MDSD)
US (PR /BUDGET)
US (Admn /CR/ e-Gov/ Cent / Vig)
US (SP-III)
US (SP-I)
US (SP-V)
US SP-CON)
US (SP-II)
US (SP-IV)
US (MDSD)

संक्षिप्ताक्षर

JS & FA	:	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
JS	:	संयुक्त सचिव
CCA	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
DS	:	उप सचिव
DCA	:	उप लेखा नियंत्रक
US	:	अवर सचिव
YA	:	युवा कार्यक्रम
DD	:	उप निदेषक
IC	:	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
OL	:	राजभाषा
NPYAD	:	युवा और किशोर विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
NSS	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
SP	:	स्पोर्ट्स (खेल–कूद)
MDSD	:	मिशन निदेषालय – खेल विकास
ADMN	:	प्रशासन
VIG	:	सतर्कता
PARL	:	संसद
SAI	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
NYKS	:	नेहरू युवा केंद्र संगठन
GEN	:	सामान्य
POL	:	नीति
PUB	:	प्रकाशन
YH	:	युवा छात्रावास
RGNIYD	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
CDN	:	समन्वय
AD	:	सहायक निदेशक
CR	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2022–23

बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2022–23 तथा बजट प्राकलन 2023–24 के लिए वित्तीय परिव्यय नीचे तालिका में दिया गया है

(करोड़ रुपये में)

बजट प्राकलन 2021–22 और संशोधित प्राकलन 2022–23 तथा बजट प्राकलन 2023–24 दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	स्कीम का नाम	बजट अनुमान 2022.23@	बजट अनुमान 2022–23@	संशोधित अनुमान 2022.23@	बजट अनुमान 2023.24@
युवा कार्यक्रम विभाग					
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
क.	**सचिवालय – सामाजिक सेवा**	**38.10**	**26.67**	**38.10**	**43.23**
ख.					
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन	325.00	250.68	356.44	401.49
2.	राष्ट्रीय युवा कोर	75.00	51.44	75.00	75.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	12.00	10.56	12.00	12.00
4.	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम	22.00	6.02	26.35	22.00
5.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	20.00	1.11	20.00	23.11
6.	युवा छात्रावास	7.50	0.82	3.90	6.90
7.	स्काउटिंग और गाइडिंग	1.50	0.38	0.75	1.50
	कुल (ख) आरवाईएसके	463.00	321.01	494.44	542.00
ग.	**राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)**	**283.50**	**44.54**	**214.12**	**325.00**
घ.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान				
	(आरजीएनआईवाईडी)	24.00	8.29	19.00	24.50
	कुल योग (क+ख+ग+घ)	**808.60**	**400.51**	**765.66**	**934.73**

@. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2022–23

बजट अनुमान और संशोधित अनुमान 2022–23 तथा बजट अनुमान 2023–24 का विवरण

(करोड़ रु.)

क्र. सं.	स्कीम का नाम	बजट अनुमान 2022–23@	वास्तविक (31.12.2022 तक)@	संशोधित अनुमान 2022–23@	बजट अनुमान 2023–24@
	खेल विभाग				
1	2	3	4	5	6
ड.	**खेल संस्थानों में विकास**				
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	653.00	629.00	749.43	785.52
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय	56.00	43.67	61.00	75.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	13.00	11.80	16.20	19.50
4.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी	17.00	12.55	17.00	21.73
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र	7.00	4.75	7.00	13.00
	(एनसीएसएसआर)				
6.	राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र	2.00	0.00	0.00	0.00
7.	पूर्वोत्त्तर में खेल विश्वविद्यालय	91.00	7.35	90.06	107.84
8.	विश्व डोप रोधी एजेंसी	3.00	2.31	3.00	4.00
	कुल (ड.)	**842.00**	**711.43**	**943.69**	**1026.59**
च.					
1.	पुरस्कार	40.00	36.14	40.00	40.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	15.00	0.07	15.00	5.00
3.	राष्ट्रीय खेल परिसंघ को सहायता	280.00	170.25	280.00	325.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विकास	4.00	0.30	4.00	3.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास निधि	16.00	0.00	16.00	15.00
6.	खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष	2.00	0.00	2.00	2.00
	कुल (च)	**357.00**	**206.76**	**357.00**	**390.00**
छ.					
1.	खेलो इंडिया	974.00	279.32	600.00	1000.00
2.	राष्ट्रमंडल खेल	30.00	0.00	1.00	30.00
3.	जम्मू–कश्मीर में खेल सुविधा का विस्तार	50.00	0.00	5.00	15.00
4.	सेमिनारों, समितियों की बैठकों आदि पर व्यय।	1.00	3.79	1.00	1.00
	कुल (छ)	1055.00	283.11	607.00	1046.00
	कुल योग (ड+च+छ)	2254.00	1201.30	1907.69	2462.59

@ – पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लंबित लेखापरीक्षा पैरा टिप्पणियों का विवरण अनुबंध–III में दिया गया है।

अनुबंध–III

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लंबित पैराओं तथा उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या या अध्याय संख्या	टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार	की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति
			युवा कार्यक्रम विभाग . 0	
क्र. सं.	**रिपोर्ट संख्या और वर्ष**	**पैरा संख्या या अध्याय संख्या**	**टिप्पणियों का संक्षिप्त विषय या सार**	**की गई कार्रवाई नोटों की वर्तमान स्थिति**
			खेल विभाग – 3	
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा 16.1	<u>भारतीय खेल प्राधिकरण – अनुदानों की अप्रभावी निगरानी</u> मंत्रालय राष्ट्र मंडल खेल 2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की प्रभावी निगरानी करने में असफल रहा। इसके परिणामस्वरूप 191.86 करोड़ रु. की निधियां 17 से 26 माह तक एसएआई के पास पड़ी रही। इससे अनुदान के उपयोग को शासित करने वाली स्वीकृतियों के प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। इसके अलावा, मंत्रालय ने एसएआई को आगे अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रु. के अप्रयुक्त गए अनुदान पर अर्जित ब्याज को शामिल नहीं किया।	महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय व्यय), दिल्ली के कार्यालय द्वारा दिनांक 17 दिसंबर, 2019 के पत्र से एपीएमएस पोर्टल के माध्यम से सचिव अपर सचिव संयुक्त सचिव द्वारा हस्ताक्षरित ऑडिट की टिप्पणियों और सुझावों को शामिल करके संशोधित एटीएन की मांग की गई है।
2.	2016 की रिपोर्ट संख्या 11	पैरा 21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर – सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान एलएनआईपीई, ग्वालियर ने भारतीय खेल प्राधिकरण/राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सामग्री आयात करने के लिए मंत्रालय की सलाह का पालन नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप ब्याज, विलंब शुल्क और अन्य शुल्कों सहित 1.06 करोड़ रूपये के सीमा शुल्क का परिहार्य भुगतान हुआ।	महानिदेशक (लेखापरीक्षा), (सेंट्रल रिसीट) का कार्यालय, नई दिल्ली, शाखा–ग्वालियर (मध्य प्रदेश) ने दिनांक 15.09.2021 के पत्र के माध्यम से एपीएमएस पोर्टल से सचिव अपर सचिव संयुक्त सचिव द्वारा हस्ताक्षरित ऑडिट की टिप्पणियों और सुझावों को शामिल करके संशोधित एटीएन का अनुरोध किया है।
3.	2021 की रिपोर्ट संख्या 2	पैरा 14.1	हिमालयी क्षेत्र खेल महोत्सव, खेलो इंडिया – अप्रयुक्त सहायता अनुदान की वसूली न करना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने असम राज्य सरकार से 62.44 लाख रुपये के ब्याज के साथ सहायता अनुदान जारी करने के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के खेलों का आयोजन नहीं किया।	महानिदेशक के कार्यालय ने दिनांक 06.12.2022 के पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि मंत्रालय ने दिनांक 07.07.2022 के पत्र के माध्यम से लेखापरीक्षा द्वारा उल्लिखित टिप्पणियों के अनुसार अंतिम एटीएन तैयार नहीं किया है और सचिव/अपर सचिव/संयुक्त सचिव द्वारा हस्ताक्षरित सहायक दस्तावेजों के साथ अंतिम नोट शुद्धिपत्र (हिंदी और अंग्रेजी दोनों संस्करण) अपलोड करने के लिए वापस कर दिया है।

अनुबंध–IV

देश में युवा छात्रावासों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास का स्थान
1.	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2.	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3.	आंध्र प्रदेश	5	कडप्पा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4.	अरुणाचल प्रदेश	2	नाहरलागुन, रोइंग
5.	बिहार	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पेड्डेम मापुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरयाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पटनीटॉप, श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलू, तीर्थ रामेश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझीकोड), एर्नाकुलम (कोच्चि), त्रिवेंद्रम,
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	चुराचांदपुर, इंफाल, थौबल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	आइजोल
18.	नगालैंड	1	दीमापुर
19.	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुदुचेरी	1	पुदुचेरी
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरनतारन
22.	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावुर, त्रिची
25.	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26.	त्रिपुरा	1	अगरतला
27.	उतार प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28.	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29.	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुलः	**73**	

अनुबंध–V

युवा छात्रावासों की सूची जिन्हें नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किया गया है

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास का स्थान
1.	असम	2	गोलाघाट, नागांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नगरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तुरा
7.	नगालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बर्दवान।
	कुल :	**11**	

अनुबंध–VI

दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 तक स्वीकृत नवीन परियोजनाओं हेतु 'खेल अधोसंरचना निर्माण एवं उन्नयन' के अन्तर्गत स्वीकृत एवं जारी अनुदान का विवरण।

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गईराशि
1.	अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह	ग्राम मधुपुर, डिगलीपुर, जिला उत्तर और मध्य अंडमान में स्विमिंग पूल का निर्माण।	7.23	–
2.	आंध्र प्रदेश	डीएसए उप–केंद्र, नरसरावपेट, जिला गुंटूर में बहुउद्देशीय इनडोर खेल परिसर का निर्माण	4.50	–
3.	असम	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4.50	–
4.	मध्य प्रदेश	तात्या टोपे खेल परिसर, जिला भोपाल में विद्यमान खेलों का सृजन/उन्नयन	11.84	–
5.	मध्य प्रदेश	जिला खेल परिसर कम्पू, जिला ग्वालियर में मौजूदा स्पोर्ट्स इंफ्रा का निर्माण/उन्नयन	4.15	–
6.	मध्य प्रदेश	रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिला जबलपुर में मौजूदा स्पोर्ट्स इंफ्रा का निर्माण/उन्नयन	3.61	–
7.	मध्य प्रदेश	जिला इंदौर के अभय प्रशाल स्टेडियम का उन्नयन	0.20	–
8.	मध्य प्रदेश	रेसकोर्स रोड, जिला इंदौर में बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स का उन्नयन	0.20	–
9.	महाराष्ट्र	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय परिसर, जिला औरंगाबाद में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	7.00	–
10.	मेघालय	जिला पूर्वी खासी हिल्स के लॉसोहटन में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4.50	–
11.	मेघालय	उमखोई, जिला पूर्वी खासी हिल्स में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4.50	–
12.	पंजाब	सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कैंपस जालंधर मुख्यालय बीएसएफ, जिला जालंधर में सिंथेटिक हॉकी टर्फ ग्राउंड का निर्माण	5.50	1.37
13.	राजस्थान	लखेरी, जिला बूंदी में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4.50	1.13
14.	राजस्थान	रामगंजमंडी, जिला कोटा में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	4.50	1.13
15.	त्रिपुरा	रीजनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन पानीसागर, डिस्ट्रिक्ट नॉर्थ त्रिपुरा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	6.99	0.17
16.	त्रिपुरा	दशरथ देव राज्य खेल परिसर, बधारघाट, अगरतला, जिला पश्चिम त्रिपुरा में सिंथेटिक हॉकी फील्ड का निर्माण।	5.50	1.38

17.	त्रिपुरा	सुधन्य देबबर्मा मेमोरियल एचएस स्कूल ग्राउंड जम्पुइजाला, जिला सिपाहीजाला में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण	5.00	1.25
18.	उत्तर प्रदेश	सिगरा स्टेडियम, जिला वाराणसी का विकास एवं आधुनिकीकरण	315.48	27.08
		कुल	**399.69**	**33.50**

खेलों इंडिया के अंतर्गत 01.04.2022 से पहले स्वीकृत परियोजनाओं की परवर्ती किश्तों के तौर पर जारी की गई राशि

(राशि करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
1	छत्तीसगढ	इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम, जगदलपुर, जिला बस्तर में रनिंग ट्रैक के साथ सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण	2.50
2	दिल्ली	एसएआई केंद्र, डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 300 बिस्तर वाले (ट्रिपल ऑक्यूपेंसी) छात्रावास का निर्माण	5.00
3	हरियाणा	उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, जिला सोनीपत में तीरंदाजी उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना	1.02
4	हरियाणा	उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, जिला सोनीपत में सिंथेटिक हॉकी टर्फ का प्रतिस्थापन	0.98
5	हरियाणा	ताऊ देवीलाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिला पंचकूला में 2 बास्केटबॉल और 2 वॉलीबॉल कोर्ट वाले प्री–फैब्रिकेटेड बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	2.00
6	हरियाणा	ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिला पंचकूला में सिंथेटिक एथलेटिक वार्मअप ट्रैक और हॉकी एस्ट्रोटर्फ ग्राउंड के साथ सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की रिलेइंग	3.56
7	हिमाचल प्रदेश	जिला ऊना के बंगाना में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	1.13
8	हिमाचल प्रदेश	सुंदरनगर, जिला मण्डी में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	1.13
9	हिमाचल प्रदेश	नूरपुर, जिला कांगड़ा में संबद्ध खेलों के साथ–साथ सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	1.75
10	झारखंड	एसएआई प्रशिक्षण केंद्र, जिला हजारीबाग में सिंथेटिक हॉकी टर्फ बिछाना	2.08
11	कर्नाटक	करकला, जिला उडुपी में इंडोर स्टेडियम का निर्माण	0.88
12	कर्नाटक	कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शंकरघट्टा, जिला शिवमोग्गा के लिए सह्याद्री कॉलेज परिसर, शिवमोग्गा में इंडोर स्टेडियम का निर्माण	1.13
13	कर्नाटक	श्री जयप्रकाश नारायण राष्ट्रीय युवा प्रशिक्षण केंद्र विद्यानगर, जिला बेंगलुरू में स्विमिंग पूल का निर्माण	1.25

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
14	कर्नाटक	नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर, जिला बेंगलुरु में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और अन्य सुविधाओं का शिलान्यास	3.17
15	कर्नाटक	हॉकी स्टेडियम, शांतिनगर, जिला बेंगलुरु में FOP का उन्नयन	0.69
16	कर्नाटक	एफओपी का उन्नयन और बेंगलुरु में श्री कांतीरवा आउटडोर स्टेडियम का नवीनीकरण	0.90
17	कर्नाटक	एफओपी का उन्नयन, छत का वाटर प्रूफिंग कार्य, दर्शक दीर्घाओं का नवीनीकरण और जिला बेंगलुरु में श्री कांतीरवा इंडोर स्टेडियम की सुविधाओं का उन्नयन	4.38
18	कर्नाटक	हसन जिला में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	1.75
19	कर्नाटक	साई क्षेत्रीय केंद्र, जिला बेंगलुरु में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्यूपेंसी) छात्रावास का निर्माण	4.00
20	मध्य प्रदेश	राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नानाखेड़ा, जिला उज्जैन में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	1.74
21	मध्य प्रदेश	जिला भिण्ड के गोरताल में जल क्रीड़ा केन्द्र की स्थापना	0.93
22	मध्य प्रदेश	जिला शिवपुरी में जिला खेल परिसर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	1.75
23	मध्य प्रदेश	रांझी, जिला जबलपुर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	1.70
24	मध्य प्रदेश	तात्या टोपे नगर स्टेडियम, जिला भोपाल में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	2.40
25	मध्य प्रदेश	तात्या टोपे नगर स्टेडियम, जिला भोपाल में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	0.60
26	मध्य प्रदेश	मौजूदा 50 मीटर शूटिंग रेंज का विस्तार, ग्राम गौरा, जिला भोपाल	0.70
27	महाराष्ट्र	नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जिला औरंगाबाद में फेंसिंग हॉल का निर्माण	0.38
28	महाराष्ट्र	एसएआई एसटीसी, जिला औरंगाबाद में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्यूपेंसी) छात्रावास का निर्माण	4.00
29	मेघालय	जयंतिया हिल्स जिला के वाहियाजेर में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का शिलान्यास	2.50
30	मिजोरम	मुआलुंगथु, आइजोलजिले में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड का निर्माण।	1.25
31	मिजोरम	आर्म्ड वेंग, जिला आइजोल में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड और आरसीसी फ्रेम संरचना का शिलान्यास	1.13
32	मिजोरम	आर्म्ड वेंग, जिला आइजोल में सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड और आरसीसी फ्रेम संरचना का शिलान्यास	1.13

क्र. सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	जारी किया गया अनुदान
33	नागालैंड	लखुती फुटबॉल मैदान, जिला वोखा का विकास	1.25
34	नागालैंड	याचेम ईएसी मुख्यालय, जिला लोंगलेंग में इंडोर बैडमिंटन हॉल का निर्माण	1.00
35	नागालैंड	मेदजीफेमा, जिला दीमापुर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	2.00
36	नागालैंड	ग्राम विस्वेमा, जिला कोहिमा में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	2.00
37	ओडिशा	जिला मुख्यालय, जिला बौध में स्विमिंग पूल का निर्माण	1.25
38	पुदुचेरी	सारादंबल नगर, जिला पुडुचेरी में स्विमिंग पूल का निर्माण	1.25
39	पंजाब	राष्ट्रीय खेल संस्थान, जिला पटियाला में केंद्रीकृत रसोई और फूड कोर्ट का निर्माण	1.87
40	पंजाब	राष्ट्रीय खेल संस्थान, जिला पटियाला में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्यूपेंसी) छात्रावास का निर्माण	6.00
41	सिक्किम	रेशिथांग, खेलगाँव, पूर्वी सिक्किम, जिला गंगटोक में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और फील्ड का प्रतिस्थापन	1.75
42	तमिलनाडु	तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, मेलाकोट्टियूर, चेन्नई, जिला चेंगलपट्टू में स्विमिंग पूल का निर्माण	1.25
43	तमिलनाडु	पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम जिले में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	1.75
44	उत्तर प्रदेश	ग्राम मकसूदाबाद ब्लॉक कल्याणपुर, जिला कानपुर नगर में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	1.00
45	उत्तर प्रदेश	बागपत, ग्राम मीटली, विकासखण्ड, जिला बागपत में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	0.83
46	उत्तर प्रदेश	ग्राम–कोटरा, पोस्ट–जयराजपुर, प्रखंड–खंड–तड़ियावां, जिला हरदोई में प्राकृतिक फुटबॉल कोर्ट एवं एथलेटिक ट्रैक के साथ बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	1.11
47	उत्तर प्रदेश	बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण, युवा कल्याण एवं पीआरडी मुख्यालय, जेल रोड, आनंद नगर, जिला लखनऊ	1.23
48	उत्तर प्रदेश	साई क्षेत्रीय केंद्र, जिला लखनऊ में 300 बिस्तरों वाले (ट्रिपल ऑक्यूपेंसी) छात्रावास का निर्माण	6.00
		कुल	**91.03**

अनुबंध–VII

दिनांक 01.04.2022 से 31.12.2022 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के घटकों के तहत जारी अनुदान का विवरण।

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	घटक	जारी की गई राशि
1	खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन	124.54
2	खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकास	64.02
3	खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां	33.56
4	फिट इंडिया मूवमेंट	5.70
5	खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना	5.70
	कुल	**233.52**

अनुबंध– VIII

01.04.2021 से 31.03.2022 की अवधि के लिए एनएसएफ योजना के तहत राष्ट्रीय खेलसंघ (NSFs) के संबंध में किए गए व्यय का का ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण

क्र.सं.	संघ का नाम	कुल व्यय
1.	इंडियन पेन कैक सिलाट फेडरेशन	18,25,000.00
2.	अखिल भारतीय टेनिस संघ	44,50,638.00
3.	अखिल भारतीय शतरंज संघ	92,40,179.00
4.	अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ	7,25,79,853.00
5.	बधिरों की अखिल भारतीय खेल परिषद	55,36,153.00
6.	भारतीय तीरंदाजी संघ	3,96,10,197.00
7.	एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया	5,12,44,601.00
8.	बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	3,59,73,115.00
9.	बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	71,38,038.00
10.	ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया	39,14,062.00
11.	बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया	17,75,000.00
12.	बिलियर्ड्स एंड स्नूकर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	23,81,947.00
13.	बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	9,68,96,545.00
14.	साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	3,32,74,098.00
15.	इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया	46,07,299.00
16.	फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	1,92,97,789.00
17.	जिम्नैस्टिक	31,62,488.00
18.	हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	23,98,625.00
19.	हॉकी इंडिया	6,64,34,377.00
20.	भारतीय गोल्फ संघ	64,93,470.00
21.	भारतीय ओलंपिक संघ	3,01,13,774.00
22.	इंडियन कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन	1,75,03,100.00
23.	भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ	7,50,000.00
24.	भारतीय भारोत्तोलन संघ	5,16,35,671.00
25.	जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	48,76,508.00
26.	खोखो फेडरेशन ऑफ इंडिया	66,24,191.00
27.	कुडो इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ इंडिया	34,50,000.00

क्र.सं.	संघ का नाम	कुल व्यय
28.	मल्लखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया	23,66,180.00
29.	नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	9,20,73,219.00
30.	राष्ट्रीय फिल्म विकास	2,40,65,041.00
31.	नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	47,00,000.00
32.	राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ	91,50,000.00
33.	भारत की पैराओलंपिक समिति	4,51,75,274.00
34.	रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	42,01,680.00
35.	रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	62,95,082.00
36.	शूटिंग बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	2,36,10,343.00
37.	सॉफ्ट टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	19,75,000.00
38.	सॉफ्ट बॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	41,20,950.00
39.	स्पार्कटक्रा फेडरेशन ऑफ इंडिया	22,00,000.00
40.	स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	44,19,832.00
41.	स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	76,59,083.36
42.	टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	2,54,78,086.00
43.	टेनिस बॉलक्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	67,87,115.00
44.	टेनिसकोइट फेडरेशन इंडिया	1,98,814.00
45.	वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	8,46,000.00
46.	रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	8,90,63,157.00
47.	वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया	1,13,54,440.00
48.	यॉचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	2,19,55,985.00
49.	ओलंपिक की तैयारी	47,99,866.00
	कुल	**97,81,05,403.36**

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सी-विंग, शास्त्री भवन,
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली-110001
www.yas.nic.in

Designed & Printed at : Indu Cards & Graphics, 9811419531